' निवेदन '

बड़े हर्ष की बात है कि तालदीपिका के प्रथम भाग के साथ ही साथ उसका द्वितीय तथा तृतीय भाग भी प्रकाशित हो रहा है। इस द्वितीय भाग में तालों के कुछ भागों का वर्णन, प्रचलित ठेके, तिताले के सीधे तथा आड़ी-लय के बोल कहरवा आदि छन्दों के बोल बाँट और चौताला तथा एक ताला के सीधे तथा आड़ी-लय के बोल रेला तथा तिहाइयां इत्यादि हैं।

इस ताल दीपिका को प्रकाशित करने का भार मैंने अपने प्रियशिष्य रामकृपालु गुप्त, ध्रुवदेव सहाय, रामदेव शर्मा अक्षयकीर्त्ति शर्मा व्यास के सहयोग के बल पर ही उठाया है ये सब विश्वविद्यालय के भिन्न २ विभाग के विद्यार्थी हैं और संगीत से प्रेम रखते तथा सीखते हैं इन लोगों ने मुझे यथा समय आवश्यक सहयोग देकर तालदीपिका के प्रकाशित करने में उत्साह दिलाया है।

मन्नू जी।

ताल-दीपिका ।

तबला प्रकरण

(द्वितीय भाग)

तस्मादत्र दश प्राणाः प्रदर्श्यन्ते क्रमादिह ।
ताल तत्व परिज्ञाने कारणं तत्प्रदर्शनम् ॥ ८ ॥

भावार्थ—तालों के प्राणों का नाम निर्देश प्रथम भाग में किया गया है उनमें से कुछ प्राणों का निरूपण इस भाग में किया जाता है। इन प्राणों का निरूपण तालों के तत्त्व का ज्ञान कराने में अत्यावश्यक हैं।

अथ कालः

हस्तद्वयस्य संयोगे वियोगे चापि सर्वदा ।
व्याप्तिमान् यः समादिष्टः स कालस्ताल संज्ञकः ॥ ९ ॥

भावार्थ—दोनों हाथों के मिलाने या अलहदा करने में काल सर्वदा विद्यमान रहता है इसी काल का नाम ताल कहा गया है।

कालस्ताल इति प्रोक्तो त्र्यणवादिक्रिययामितः ।
गीतादेः संमिर्ति कुर्वन् मार्गी देशीति स द्विधा ॥ १० ॥

भावार्थ—गायन के साथ अणु इत्यादि परिमित काल में इसकी (ताल की क्रिया होने की वजह से यह काल ही ताल कहा जाता है। जो मार्गीय और देशीय भेद से दो प्रकार का है।

नोट—जिस काल के अनुसार गन्धर्वादि गाते हैं उस कालको मार्गीय काल कहते हैं और जिसके अनुसार मनुष्य गाते हैं उसे देशीय काल कहते हैं।

क्षणादिरूपो यः कालः स तून्नेतुं न शक्यते ।
अणुद्रुतादिरूपस्तु कालस्तालोऽत्र कथ्यते ॥ ११ ॥

भावार्थ—क्षण इत्यादि संज्ञक काल का व्यवहार अति सूक्ष्म होने से स्पष्ट नहीं मालूम हो सकता। अतः अणुद्रुत इत्यादि रूप वाले काल का ही ताल में व्यवहार किया जाता है।

उपर्युपरि विन्यस्य पद्मपत्रशतं सकृत्।
सूचीकृतस्तत्संवेधे यः कालः स क्षणः स्मृतः॥ १२॥

भावार्थ—एक के ऊपर एक इस प्रकार से १०० कमल पत्र रखकर सुई के अग्रभाग से छेदन करने में जो समय लगता है वह क्षण कहलाता है।

लवः क्षणैरष्टभिः स्यात् काष्ठा स्यादष्टभिर्लवैः।
अष्टकाष्ठानिमेषः स्यान्निमेषैरष्टभिः कला॥ १३॥

भावार्थ—आठ क्षण का एक लव होता है आठ लव की एक काष्ठा होती है आठ काष्ठा का एक निमेष होता है और आठ निमेष की एक कला होती है।

कला द्वयाच्चतुर्भागश्चतुर्भाग द्वयादणुः।
अणुद्वयाद् द्रुतः प्रोक्तस्तद्द्वयेन लघुर्भवेत्॥ १४॥

भावार्थ—दो कला का एक चतुर्भाग और दो चतुर्भाग का एक अणु दो अणु का एक द्रुत और दो द्रुत का एक लघु होता है।

लघुद्वयाद् गुरुः प्रोक्तस्त्रिलघुः प्लुत उच्यते।
एवं काल गतिः प्रोक्तः तालज्ञैः पूर्वसूरिभिः॥ १५॥

भावार्थ—दो लघु का एक गुरु और तीन लघु का एक प्लुत होता है। इस प्रकार ताल के जानने वाले विद्वानों ने ताल का वर्णन किया है।

इति कालः।

अथ मार्गाः

मार्गाः स्युस्तत्र चत्वारो ध्रुवश्चित्रश्च वार्त्तिकः।
दक्षिणश्चेति तत्र स्याद् ध्रुवके मात्रिका कला॥ १६॥
शेषेषु द्वेचतस्रोऽष्टौ क्रमान्मात्राः कला भवेत्॥

भावार्थ—ध्रुव, चित्र, वार्त्तिक, और दक्षिण इन भेदों से मार्ग चार प्रकार का है। इनमें से ध्रुव नामक मार्ग में एक कला होती है, और शेष मार्ग क्रम से दो, चार, और आठ कलाओं से बनते हैं।

यहाँ पर संगीताचार्यों की कुछ मत भिन्नता दिखाई देती हैं क्योंकि चूड़ामणि में छै और मणिदर्पण में १२ मार्ग कहे हैं।

(इति मार्गाः)

अथ क्रिया

निःशब्दा शब्दयुक्ता च क्रिया तु द्विविधा मता ।

निःशब्दा तु कला प्रोक्ता चतुर्धा सा प्रकीर्त्तिता ॥ १७ ॥

भावार्थ—'नि' शब्द और 'स' शब्द भेद से क्रिया दो तरह की होती हैं। निः शब्द क्रिया कला नाम से भी पुकारी जाती है जो चार प्रकार की है।

आवापश्चाथ निष्क्रामो विक्षेपश्च प्रवेशकः

निःशब्देति चतुर्वोक्ता—

भावार्थ—यह आवाप, निष्काम, विक्षेप और प्रवेशक भेदों से चार प्रकार की कही गयी है।

सशब्दापि चतुर्विधा ॥ १७ ॥

ध्रुवः शंपा तथा तालः सन्निपात इतीरिता ।

भावार्थ—'स' शब्द क्रिया भी ध्रुव शंपा ताल तथा सन्निपात इन भेदों से चार तरह की है।

पातः कला च सा ज्ञेया तासां लक्ष्याभिधीयते ॥ १८ ॥

आवापस्तत्र हस्तस्योत्तानस्यांगुलिकुंचनम् ।

निष्क्रामोऽधस्तलस्य स्यादंगुलीनां प्रसारणम् ॥ १९ ॥

भावार्थ—'स' शब्द क्रिया को पात तथा कला इन नामों से पुकारते हैं और इन सब भेदों के लक्षणों को कहते हैं।

आवाप—उठे हुए हाथ की अंगुलियों के बटोरने की क्रिया को कहते हैं।

निष्काम—हाथ को नीचे कर अंगुलियों के फैलाने की क्रिया को कहते हैं।

क्षेपो दक्षिणपार्श्वस्योत्तानस्य प्रसृतांगुलेः ।
विक्षेपोऽधस्तलस्यास्य प्रवेशोऽङ्गुलिधूननम् ॥ २० ॥

विक्षेप—फैले हुए दाहिने हाथ की उठी हुई अंगुलियों के गिराने को कहते हैं। प्रवेशक—उन्हीं फैली हुई अंगुलियों के नीचे के हिस्सों को कँपाने के प्रयोग को कहते हैं।

ध्रुवोहस्तस्य पातः स्याच्छोटिका शब्द पूर्वकः ।
शंपा दक्षिण हस्तस्य तालो वाम करस्य तु ।
उभयोः सन्निपातस्स्यात्तासां मार्गवशान्मितिः ॥ २५ ॥

भावार्थ ध्रुव – हाथ के गिराने को कहते हैं।
शंपा—दाहिने हाथ की शब्द पूर्वक चुटकी बजाने को कहते हैं।
ताल—बाँये हाथ की शब्द पूर्ण चुटकी बजाने को कहते हैं।
सन्निपात—दोनों हाथों की एक साथ चुटकी बजाने को कहते हैं।
नोट—वर्तमान समय में चुटकी बजाने के स्थान पर एक हाथ पर दूसरा हाथ गिराकर ताल का कार्य लेते हैं। (इति क्रिया)।

* ताल चौताला मात्रा १२

	+ ०	। ०	। ।
	१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२
१.	धा धा दिन् ता	क ढागे दिन् ता	तिट कत गदि गन

† ताल धमार मात्रा १४

	+ ०	। ०	। ०
‡	१ २ ३ ४ ५	६ ७ ८ ९ १०	११ १२ १३ १४
२.	क धेट धेट	धा ऽ गदि न	दि न ता ऽ

* यह ताल केवल पखावज का है लेकिन आज कल लोग तबले पर भी बजाते हैं।

† धमार यह फाल्गुन के खेल का नाम है जैसे प्रमाण :—खेलत धमार आई बृज की सुकुमारी" इत्यादि बहुत से पद ऐसे हैं जिसमें कि ऐसे ही भाव आते हैं।

सूरदास जी तथा हरिदास जी जो बड़े महात्मा हो गये हैं उनके पद इस प्रकार के बहुत से पाए जाते हैं जोकि फाल्गुन मास में वल्लभ कुल सम्प्रदाय के मंदिरों में गाए जाते हैं।

ताल आड़ा चौताला मात्रा १४

	+	। ०	। ०	। ०
	१ २	३ ४ ५ ६	७ ८ ९ १०	११ १२ १३ १४
३.	धिन् तिरकिट	धीना तुना	कत्ता धी धी	ना धी धी ना

ताल झपताला मात्रा १०

	+	। ०	।
‡	१ २	३ ४ ५ ६७	८ ९ १०
४.	धींना	धी धी ना तींना	धीं धी ना

X ताल झम्पा मात्रा १०

	+	। ०	।
	१ २ ३	४ ५ ६७	८ ९ १०
५.	धीना धी	धी ना तीना	धी धी ना

ठेका जत मात्रा ८

	+	। ०	।
	१ २	३ ४ ५ ६	७ ८
६.	ताक धि	धाग धि ताक ति	धाग धि

---

‡ धमार झपताला आदि ताल का प्रस्तार चिन्ह बनाया गया है लेकिन वह ठीक नहीं अभिनव ताल मञ्जरी में इनके प्रस्तार चिह्न दिए हैं। झूमरे इत्यादि ठेकों में जो प्रस्तार चिह्न होते हैं वह भी ठीक नहीं हैं। क्योंकि जितने प्रस्तार चिह्न होते हों उतने ही आघात होना चाहिए। झूमरे इत्यादि ठेकों में प्रस्तार चिह्न चार हैं और आघात तीन हैं इसलिए इस प्रकार करना भ्रमात्मक होता है। हमारी पुस्तक के चौथे भाग में ताल तथा ठेकों के प्रस्तार चिह्न बनाने कीरीति दी गई है।—

X यह ताल का वास्तविक रूप है जो कि संङ्गीत रत्नाकर में झंपा के नाम से लिखा है। इसका दूसरा प्रमाण यह है कि प्राचीन समय के ध्रुपद, ख्याल तथा ठुमरी इसी ताल के छन्द के सदृश मिलते हैं। परन्तु वर्तमान समय में पहले लिखे हुए ताल झपताला के छन्द में ही गाते हैं।

ठेका जत मात्रा १४

७.

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धा धिन् ऽ धा गे तिन ऽ ता धिन् ऽ धा गे धिन् ऽ

ठेका रूपक मात्रा ७।

८.

०	।	।
१ २ ३	४ ५	६ ७
तीन ता तिरकिट	धि धि	धा धा

इस तालमें समके चिह्न के स्थान पर शून्य दिया जाता है शून्य ही को सम मानते हैं।

ठेका पंजाबी मात्रा १२ भड़ौआ छन्द का।

९.

+	। ०	।
१ २ ३	४ ५ ६ ७ ८ ९	१० ११ १२
धा ऽ धी ऽ क	धा धा ऽ धी ऽ कता ता	ऽ ती ऽ क धा

ठेका पंजाबी मात्रा १६

१०.

+	। ०	।
१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६
धा ऽ धी ऽ न धा	धा ऽ धीऽन ता ता ऽ ती ऽ न धा	धा ऽ धी ऽ न धा

ठेका फरोदस्त मात्रा १४

११.

+	।	।	।	।
१ २	३ ४	५ ६	७ ८ ९ १०	११ १२ १३ १४
धिन्ना	कत्ता	तिरकिट तूना	धिधि नग धिधि नग	धि धी ना तक

ठेका कैदफरोदस्त

१२.

+ ०	।	।	।
१ २ ३ ४ ५ ६	७ ८	९ १०	११ १२
धिन् ता कत तिन् ता तिरकिट	धिन् ता	क त्ता	तिरकिट तूना

।	।	
१३ १४ १५	१६ १७ १८	१९
धिधि नग धिधि	नग धी धिन्ता	क त

ठेका सवारी मात्रा १५

	+	।	।	।
	१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१३ १४ १५
१३.	धि धिन् ता तिरकिट	ना केते नागे तूना	कत्ता धीधी नाधी धीना	धी धीऽन्धी धि

ठेका ह्यलिया या ठुमरी मात्रा ४

	+	। ०	।
	१	२ ३	४
१४.	धा धा	गेतिन् ताधा	गे धिं

ठेका त्योरा मात्रा ७

	+	।	।
	१ २ ३	४ ५	६ ७
१५.	धी धी ना	धी ना	धी ना

ठेका पस्तो मात्रा ७

	+	। ।
	१ २ ३	४ ५ ६ ७
१६.	तिं ऽ तक	धि ऽ धा गे

ठेका झूमरा मात्रा १४

	+	। ०	।
	१ २ ३	४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	११ १२ १३ १४
१७.	धि धा तिरकिट	धिं धिं धा धा तिं ता तिरकिट	धिं धिं धा धा

ठेका ख्याल मात्रा ८

	+	। ०	।
	१ २	३ ४ ५ ६	७ ८
१८.	धाक्ड़ धिन्धा	ऽद्धा तिन् ताक्ड़ धिन्धा	ऽद्धा धिन्

ठेका तिल वाड़ा मात्रा १६

	+	।　　　　　　　०	।
	१ २　३　४	५　६ ७　८ ९ १०　११ १२	१३ १४ १५ १६
२०.	धा ऽस्ड़ धिन् धिन्	धा धा धिन् धिन् ताऽस्ड़ धिन् धिन्	धा धा धिन् धिन्

लक्ष्मी ताल मात्रा १८ *

	+ । । ० । । । ० । । । । । । । । । । । ०
	१ २ ३ ४ ५ । ६ ७ ८ ९ १० १ १ १२ १ ३ १४ १५ १६ १७ १८
२१.	तत् तत् धा ऽ त त तत् धा ऽ ताधा गदिगन धा किड़ धा धा न् कत् थुनु दिन

* नोट—जहां कि पांच (५) मात्रा का अङ्क दिया है वहां 'पाँ' और 'ऑ' यह दोनों अक्षरों पर ताल है दूसरा जहां की (ग्यारह) ११ मात्रा का अङ्क दिया हुआ है वहां पर 'ग्या' 'र' दोनों पर ताल है, अथवा जहां पहला '१' है और जहाँ दूसरा '१' है वहाँ ताल है। तीसरा जहां कि (तेरह) १३ मात्रा का अङ्क है वहां पर 'ते' औ 'र' दोनों पर ताल है। अथवा '१' और '३' पर ताल है। चौथा जहाँ की चोदह (१४) मात्रा का अङ्क है वहां पर 'द' पर ताल है। अथवा चार पर है। पाँचवा जहाँ की पन्द्रह मात्रा का अङ्क है। वहाँ पर 'द्र' पर ताल है। अथवा (५) पाँच के अङ्क पर ताल है।

ब्रह्मताल मात्रा १४

	+ ०	।	। ०	।	।	।	
	१ २	३	३ ५	६	७	८	
२२.	धादिन् तादित्	धाधा	धादिन् तादित्	धाधा	केते	धादिन्	
	०	।	।	। । ०			
	९	१०	११	१२ १३ १४			
	तादित्	धाधा	तिटकत	गदिगन धा थुन्			

ठेका धीप चन्दी या होली का मात्रा १४

	+	।　　　　०	।
	१ २ ३	४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	११ १२ १३ १४
२३.	ता धि ऽ	ता ता धि ऽ ता तिं ऽ	ता ता धि ऽ

ठेका खमसा या जैथी मात्रा ८

+ ०	।	।	।	।	। ०
१ २	३	४	५	६	७ ८
धाधा धिनधा	कद्धागे	धिनधा	ऽतिरकिट	तूना	कद्धागे नधागेन

ठेका दोवहार मात्रा १३

+	।	०	।	।	।	। ०
१	२	३	४	५	६	७ ८
धादिन्	धाकिट	किटतक	धुनधुन्	गदिगन	तादेत्	कद्धा दिन्ता

।	।	।	। ०
९	१०	११	१२ १०
तिटकत	गदिगन	धाति	द्धा दिन्ता

बोल तितालेके सीधी लयके ।

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
१. कत कत् तिट तिट कालिर किटतक् धिरकिट घड़ान् धिरकिट तक्धिरकिट तक्

। + ।
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
घड़ान् धिरकिट घड़ान् धिरकिट घड़ान् ताघड़ाऽन् ता घड़ान् धिरकिट धा

० । +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धा ताघ्ड़ाऽन्ताघ्ड़ान् धिरकिट धा धा ताघ्ड़ाऽन्ताघ्ड़ान् धिरकिट धा

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
२. घड़ान किटतक तगतिरकिटतक धानी धागे दिन्ता गदिगन धिरधिर किटतक

। + ।
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
तातिर किटतक धातिर किड़धा ऽ धा ऽ त घाऽधा गदिगन धा धातिर

० । +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किड़धा ऽ धा ऽ त धा ऽ धा गदिगन धाधातिर किड़धा ऽ धा ऽ त धा

।　　　　　　　　　　　　　　　०
१　　२ ३ ४ ५　　६　　७　　८　　९ १० ११ १२
३. किटतक थुंधुं नत्ते टेता ऽ धा दिन्ता किड़धा दिन्ता कत्ते टेधा दिन्ता कत्

।　　　　　+　　　　　　　　　　०
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
तेटे धादिन्ता किड़धे ऽद्धा दिन्ता कत्ते टेधा ऽथुं ऽताधा कतेटेधा ऽथुं

।　　　+
११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽता धा कत्ते टेधा ऽथुं ऽता धा

जोड़ा ८

+　　　　　　　।　　　　　०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
४. किटतक तागे तिरकिट तकता ऽधागेदि नागे दिन्ता किटतक तागे दिन्ता

।　　　　+　　　　।
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
किटतक तागे धादि न्ता नगधे ऽद्धा दिन्ता घेघे तेटे ऽता ऽधा धा घेघे

०　　　।　　　+
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तेटे ऽता ऽधा धा घेघे तेटे ऽता ऽधा धा ॥

+　　　　।　　　　　　०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
५. घे ग्दे तिरकिट घेत् घेतिर किटतक नगतिर किटतक नकिटधा ऽट धिट

।　　　+　　　।　　　०
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
तकिटधा तिट धा धि धि तिट तिट घेघे तिट गदि गन कतिरकिटधी किट

।　　+
१२ १३ १४ १५ १६ १
धिट धकिटधा गदि गन धा ॥

जिस बोल में मात्रा देते हुये कहने में बोल के छन्द का रूप कठिन हो जाता है उस बोल में ताल ही देकर कहना सहज होता है, इसलिये यहां और आगे भी मात्रा दे रक्खी हैं फिर भी ताल ही से कहने में सहज होता है।

यहां बोल तेयरे के छन्द ऐसा है पर उसे तिताला ताल के छन्द में बांधा है। आगे भी जब एक छन्द का प्रवेश दूसरे छन्द के ताल में होता है प्रायः रूप मात्रा के कहने में ऐसा ही कठिन हो जाता है। इसलिये यहां भी ताल ही से कहने में सहज होता है।

बोल गिताङ्गी के छन्द का दून की लय में खाली से शुरू होता है।

नोटः—बरोबर की लय में सम से शुरू करने पर भी सम पर आता है।

०   ।
९ १०   ११ १२   १३   १४   १५   १६
६. धगेन तकधिन् घेनक तकतिरकिट धाकिड़ धातित् धिरधिरकिट ता तिरकिट
+   ।   ०
१   २   ३   ४   ५   ६   ७   ८   ९
धित्त घेड़नग धागेन दिगधागे दिगेन नानातिट कतिट धातिरकिट् धाकिड़
                ।   +
१० ११   १२   १३ १४   १५   १६ १
धाकद्धातिरकिट् धाकिड़धाकद्धातिरकिट् धाकिड़धाकद्धा

बोल गितांगी के छन्द का दून की लय में।

+   ।
१   २   ३   ४   ५   ६   ७
७. कटित किड़धाकिट धकिट नागेदिन् कातिरकिट् तिरकिटतकता कटित
८   ९   १०   ११   १२   १३   १४   १५   १६
धाता धान धातिरकिट् किड़धिन् नागेदिन् घेतिटता कतिटधाऽ कतिटधाऽ
+

बोल कहरवा के छन्द का

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
८. कति टता ऽन कत कातिर किटधा तिट धिट कत क्‌धा ऽन तिट कातिर
० + | ०
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
किटधा ऽन धा थुन् थुन् तिट तिट कातिर किटधा ऽन घेन कत घिला ऽक्ष
• + |
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
कत धा धिला ऽड्ग कत धा धिलाँ ऽग कत धा घेन कत धिला
० | + |
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
ऽड्ग कत धा धिला ऽड्ग कत धा धिला ऽड्ग कत धा घेन कत धिलाँ
० | +
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽग कत धा धिलाँ ऽग कत धा धिलाँ ऽग कत धा

बोल कहरवा के छन्द का जोड़ा।

+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
९. नगे नत किट तक तिट घड़ा ऽन कत घेघ तिट गदि गन नगे नता ऽन
+ | ० |
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धा किट किट घेघे दिन् कत घड़ा ऽन कत कति टधा ऽन तग धा ऽधा
+ | ० |
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
ऽन तग धा ऽधा ऽन तग धा किट कति टधा ऽन तग धा ऽधा ऽन तग
+ | ० |
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धा ऽधा ऽन तग धा किट कति टधा ऽन तग धा ऽधा ऽन तग धा ऽधा
+
१५ १६ १
ऽन तग धा

छन्द कौवाली ।

\+ | | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११

१०. धातिर किड़धा तित्त किड़धा धित्त किड़धा नित्त कत कत्ते टेधा तेट्

| + |
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
घेने गेदि कत्ता नित्त कत नादिऽद्धा नित्त कत किड़धा नित कत्त धानी

| +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धा ऽ क त्त धानी धा ऽ कत्त धानी धा

छन्द कौवाली ।

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

११. तक्के टेतक् घड़ान्धुम किटतक् धादि ऽता घेते टेता कद्दिर किटतक्

| + |
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
ताधुं ऽ ता कत्ते टेता ऽद्दिर किटतक् धाने टेताऽघेटेता कत्ते टेताऽद्दिर

| +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किटतक् धाते टेता ऽ घे टेता कत्ते टेताऽद्दिर किटतक् धा

गत लय सीधी ।

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

१२. धीकड़ धीना घेड़नग दिनतक धगतिट घड़ान घेड़नग दिनतक धिरकिट

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तकता तिरकिट घेनगेन धागेन घेनगेन धागेन घेनगेन धा

गत पंजाबी आड़ी लय की।

\+ I o I
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१३. धि ऽ धि ऽ धि ऽ धगे ऽ न धगे ऽ न धगे ऽ न तकि ऽ ट तकि ऽ ट तकि ऽ ट

\+ o I +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
धड़ऽघेन धऽड़ घे नऽधड़घे ऽ न तक ऽघे न तऽक घे न ऽ तक घे ऽ न तकऽतक

o I +
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
तऽक तिन ऽ तिन धि ऽ न तगे ऽ न तगे ऽ न धातिर ऽ किट धगे ऽ न धा ऽ धातिर

I o I +
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽ किट धागे ऽ न धातिर ऽ किट धागे ऽ न घेन ऽ ग घेन ऽ ग घेन ऽ ग धा

बोल आड़ी लय का नोट यह बोल तेरहवीं मात्रा से शुरू होता है।

I + I
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
१४. तीकि टतक धात धात धाकि टतक धगतिट कत कतिरकिट धातिट तका तका

o I + I
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
तक्का ऽधुं गा ऽ तक्का ऽधुं गा ऽ कत्त धातिट कतग दीगन धाति

o I +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
टतिट कत्त धातिट कतग दीगन धाति टतिट कत्त धातिट कतग दीगन धा

बोल आड़ी लयका।

\+ I o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
१५. कत्ते टतेट घेनक दीगेन धातिरकिट धातिट धातिरकिट घेनक दीगेन

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
कतक तकत कतिट धाड़ धातिरकिट घेनक दीगेन कतृति टतिट घेनक
| o
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
दीगेन धाति टतिट कतृति टतिट घेनक दीगेन धाति टतिट कतृति टतिट
+
१५ १६ १
घेनक दिगेन धा

बोल आड़ी लयका ।

+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
१६. कतिट तगेन कातिरकिट् तिरकिटतक् धीकिट तगेन धातिरकिट धिरकिटतक्
o | +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
कतक तकत कतिट धातिट धिट धिट धिट धिटकिड़ धाधिट कातिरकिट
| o
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
धातिट कतग दीगन धाति टतिट कातिरकिट धातिट कतग दीगन धाति
| +
१२ १३ १४ १५ १६ १
टतिट कातिरकिट धातिट कतग दीगन धा

टुकड़ा सीधी लय का ।

+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
धातिर किटतक् ता धातिर किटतक् ता धेत्ता धेत् तगेऽन्न धा तिरकिट
+ | o
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
तकता ऽधाऽत धागे तूना कत् धागे दिन धातिर किटतर् तागे ता कत्

।   +   ।
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
तित् ताधा तिरकिट तक्ता ऽधा ऽत धाऽ कत् ताधा तिरकिट तक्ता ऽधा

०   ।   +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽत धा ऽ कत् ताधा तिरकिट तक्ता ऽधा ऽत धा

जोड़ा

+   ।   ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१६. कति टक ता कति टक ता कद्धा घेन् त घेऽत्त धा कति टधा ऽकड़ाऽन

+   ।   ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
किड़धा दिन्ता घेत् दींगड़ धा धिन्तिरकिटतक् धातिद्धा घे दिन् धाता

।   +   ।   ०
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
कति टता ऽघ्ड़ा ऽन धा ऽ दिन् धाता कति टता ऽघ्ड़ाऽन धा ऽ दिन्

।   +
१२ १३ १४ १५ १६ १
धाता कति टता ऽ घ्ड़ा ऽ न धा

बाट कहरवा के लय का।

+   ।   ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
१. धीक धिन्ना तिरकिट धिन्ना धाग धातीऽकती नाड़ा तीक तिन्ना तिरकिट

।
१२ १३ १४ १५ १६
धिन्ना धाग नाधीऽकधी नाड़ा

+   ।   ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
२. धीग धिन्ना तिरकिट घेन घेन धागे नधा तिरकिट धिन्ना ऽद्धा तिरकिट

।
१२ १३ १४ १५ १६
धिन् धाग धाती ऽकती नाड़ा

+ | o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
३. तीग तिन्ना तिरकिट तेन गेन तागे नता तिरकिट धिन्ना ऽद्धा तिरकिट धिन्

|
१३ १४ १५ १६
धागे नधी ऽकधि नाड़ा

+ | o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
४. धेन गेन धीग धिन्ना तिरकिट धिन्नाऽद्धां तिरकिट धिन्ना ऽद्धा तिरकिट धिन्

|
१३ १४ १५ १६
धागे धाती ऽकती नाड़ा

+ | o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
५. तेने गेन तीग तिन्ना तिरकिट तिनाऽत्ता तिरकिट धिनाऽद्धा तिरकिट धिन

|
१३ १४ १५ १६
धाग नाधी ऽकधी नाड़ा

+ | o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
६. तिरकिट धिन धातिर किटधागेन धिन्ना धिन्ना ऽ धिन्नाऽद्धा तिरकिट धिन्

|
१३ १४ १५ १६
धाग धा तीऽकती नाड़ा

+ | o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
७. तिरकिट तिन तातिर किटतागेन तिन्ना धिन्ना ऽ तिन्ना ऽता तिरकिट तिन्

|
१३ १४ १५ १६
धागे ना धीऽकधी नाड़ा

\+ १ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ ० ९ १० ११ १२ । १३
८. - धिनाऽता तिरकिट धिन् धागे धा तीऽकती नाड़ा तिनाऽता धा तिनाऽता

\+ १४ १५ १६ १
धा तिनाऽता धा

\+ १ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ ० ९ १० ११ १२
१. धिनाऽधिऽध्दी नाड़ा तिनाऽधिऽध्दी नाड़ा धिनाऽधिऽध्दी नाड़ा

। १३ १४ १५ १६
तिनाऽधिऽध्दी नाड़ा

\+ १ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ ० ९ १० ११ १२ । १३ १४
२. धिध्दिना धिध्दिना धिध्दिना तित् तिना धिध्दिना धिध्दिना धिध्दिना

१५ १६
तित् तिना

\+ १ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ ० ९ १० ११ १२
३. धगे नधाऽकतिनाड़ा तगे नधाऽगधिनाड़ा धगेनधाऽकति नाड़ा

। १३ १४ १५ १६
त गे न धाऽगधि नाड़ा

\+ १ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ ० ९ १० ११
४. धीऋ धीना तिरकिट-धीना धाग धातीऽती नाड़ा तीग तीना तिरकिट

। १२ १३ १४ १५ १६
धिना धाग धातीऽकधीनाड़ा

+   ।   ०   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
धिन धागे नतीनाड़ा किट तागे नधीनाड़ा धिनधागे नतीनाड़ा-किट
१४ १५ १६
तागे नधी नाड़ा

+   ।   ०   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
६. धीक धीना धीक धीना धीक धीना धाती किन्ना तीक तिना तीक तीना धीग
१४ १५ १६
धीना धाधी गिन्ना

+   ।   ०   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
७. ना धीऽग् धिना धीऽग् धि ना धीऽगति नाड़ा तिग ना धीऽगधिना
१२ १३ १४ १५ १६
तीऽकधिना तीऽकती नाड़ा धिग

+   ।   ०   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
८. धागेऽद्धि नाड़ा तिग तागेऽति नाड़ा धिग धा गेऽद्धि नाड़ा तिग तागेऽति
१५ १६
नाड़ा धिग

+   ।   ०   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
९. तागेऽत्ति नग तिग धागेऽत्ति नग धिग तागेऽत्ति नग तिग धागेऽत्ति नगधिग

+   ।   ०   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१०. धिग धागे नधि नाड़ा तिग तागे नति नाड़ा धिग धागे न धि नाड़ा तिग
१४ १५ १६
तागे नति नाड़ा

+   ।   ०   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
११. धाधिनाग धाधिनाग धाधिनाग तातिनाग ताधिनाग ताधिनाग धाधिनाग
१५ १६
ताधि नाग

| ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१२. धिन त धिन्ऽति नग नग त तिऽन्ति तक तिन तधिऽन्ति नग नग त
१५ १६
धिऽन्ति तक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१३. धिन् त धिऽन्ति नग धिन् त तिऽन्ति तग तिन त धिऽन्ति नग धिन् त
१५ १६
धिऽन्ति तग

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१४. घेघे नाड़ा घेघे नाड़ा घेघे नाड़ा ऽति नाड़ा केते नाड़ा केते नाड़ा घेघे
१४ १५ १६
नाड़ाऽधि नाड़ा ।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
१५. धा धिन् नाड़ा घा धिन् नाड़ा धाधिन् नाड़ाऽति नाडा तातिन् नाड़ा ता
|
१२ १३ १४ १५ १६
तिन् नाड़ा धातिन् नाड़ाऽधि नाड़ा

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१६. नाधिऽन् धी नाधिऽन् धी ना तिऽन्ति नाधिऽन् धी ना धिऽन्धि ना ना धिऽ-
१४ १५ १६
न्धि ना ना धिऽन्धि

(वाट) आड़ी लय के ।

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
१. धागे तेट घेन धागे तूना कत धातिरकिट धागेन धागे तूना कत धाधा
|
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
ऽघेन धागे तूना कत धातिरकिट धागेन धागे तूना कत

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धागेतू नाकत धागेतू नाकत धातिरकिट धागेन धागेतू नाकत तागे तूना

।
११ १२ १३ १४ १५ १६
कत तागे तूना कत धातिरकिट धागेन धागे तूना कत

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
३. धातिरकिट धागेन धागेतू नाकत तातिरकिट तागेन धागेतू नाकत धातिरकिट

।
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागेन धागेतू नाकत तातिरकिट तागेन धागेतू नाकत

\+ ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
४. धातिरकिट तातिरकिट तातिरकिट धातिरकिट तातिरकिट धातिरकिट धागे

० ।
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
तू नाकत तातिरकिट धातिरकिट धा तातिरकिट धातिरकिट धा तातिरकिट

\+
१६ १
धातिरकिट धा

(थांट) आड़ी लय के।

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
१. धातिरकिट धागेन धागेधे नधेन ता तिरकिट तागेन धागेधे नधेन धातिरकिट

।
१० ११ १२ १३ १४ १४ १६
धागेन धागेधे नधेन ता तिरकिट तागेन धागेधे नधेन

\+ । ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

२. धातिरकिट धागेन धातिरकिट धागेन धातिरकिट धागेन धागेधे नघेन

० ।

९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

तातिरकिट तागेन तातिरकिट तागेन धातिरकिट धागेन धागेधे नघेन

\+ ।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

३. धातिरकिट धागेन धागेन धागेन धातिरकिट धागेन धागेधे नघेन

० ।

९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

तातिरकिट तागेन तागेन तागेन धातिरकिट धागेन धागेधे न घेन

\+ । ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

४. धातिरकिट धागेन धागेधे नगेन धाधाऽघेन धागेधे नघेन तातिरकिट

।

१० ११ १२ १३ १४ १५ १६

तागेन तागेतेनगेन धाधाऽघेन धागेधे नघेन

वाट आड़ी लय के।

\+ । ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

५. घेन धाऽघेन धा घेन धा धागेन धागेन धागेधे नघेन केनता ऽ केन ताकेनता

।

१३ १४ १५ १६

धागेन धागेन धागेधे नघेन

\+ । ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

६. धागे घेन घेन धागेधे नघेन धातिरकिट धागेन धागे घे न घेन तागेते नगेन

।

११ १२ १३ १४ १५ १६

तागे ते.न गेन धातिरकिट धागेन धागे घेन घेन

+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
७. धा धाऽघेन धागेधे नघेन धातिरकिट धागेन धागेधे नघेन ताताऽकेन

।
११ १२ १३ १४ १५ १६
तागेते नगेन धातिरकिट धागेन धागेधे न घेन

+ । ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
८. धगधे नघेन तगते नगेन तगते नघेन धगधे नघेन धा ऽ धगधे नघेन

। +
१३ १४ १५ १६ १
धा ऽ धगधे नघेन धा

बोल चौताल या एक ताले के।

+ ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
१. धागे तिट धागे तिट तागे तिट तागे तिट क्धाकिट धागेतिट गद्गिन नगतिट

० + ।
९ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५
कतिटत गेनधा किटतगे नधान धाधा धाकति टतगेन धाकिट तगेन

० । । +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
धाऽनधा धाधा कतिटत गेनधा किटतगे नधान धाधा धा

+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
२. कन्नेट घेघेतिट घिन्तिरकिटतक तागेतिट धाधा दिन् दिन् नाना तिटतिट

। । + ०
९ १० ११ १२ १ २ ३ ४
कतगदि गनधागे तिटकत गद्गिन धाधा धा कत गद्गिन धागेतिट

। ● । । +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
कतगदि गनधा धाधा कतगदि गनधागे तिटकत गद्गिन धाधा धा

\+ ० । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
३. धागेतिट तागेतिट धातिरकिटधि किटधिट धुमकिट तकधुम किटतक धुमकिट

। । + ०
९ १० ११ १२ १ २ ३
कत्तधि किटधिट धित्तिरकिटतक तागेतिट कृधाकिट कृधाकिट धकिटध

। ० ०
४ ५ ६ ७ ८ ९
किटधिट धिरकिट धिरकिट धिरकिट धिरकिट तक्क धुऽगतक धकिटधा

। +
१० ११ १२ १
नानाकिट धिरकिटतकधुम किटतक गदिगन धा

\+ ० । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
४. घेनकत घेघेतिट गदिगन नगतिट कतिटत गेनधेधे तड्न धा ताऽनधा ताधा

। + ० । ०
११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटतका ऽ धान धाता ऽनधा ताधा गदिगनधा धेत्तगे ऽन्नधेत् धेत्किटतक

। । + ०
८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४
धेत्ता किडधेत्त धे त्ता किड़धेत्ता गदिगन धागेनन ननघेन नदघेघे तिरकिट-

। ० ।
५ ६ ७ ८ ९ १०
तकता किटतक तकधुमकिटतक धागेनधा गदिगन दिग्गदि ग नधागे

। +
११ १२ १
दिगेनधा गे दिगन धा

\+ ० । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
५. धड़ान् फिड़नग तिटकिड़-नगतिट फिड़नग धगतिट गदिगन नगधे ऽफिड़

। + ० ।
१० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
धा ऽ दिड़न्न तकधा दिन्ता धिन्नड़ा ऽनधागे तिटकत गदिगन धा

| | + -
८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४
तगन्न तागेतिट तड़धा ऽकत घे घेतिट घेघेनधि किटतक धागेनधा गदिगन
| ० | | +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
दिगधेत् तड़न्न धाधित् ताक दिगतक ता धड़ ऽन्नधाधा किटतक दींगड़ धा ॥

टुकड़ा बड़ा ग्यारहवीं मात्रा से शुरू

| + ० |
११ १२ १ २ ३ ४ ५
६ धागेतिट तागेतिट धागेदिन् नगतिट घिन्तिरकिटतक् तागेतिट धिटधिट
० | | +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
तागेतिट धेत्तगे ऽन्नधेत् तगेन्न तातिरकिट धेत् धेत् तगेन्न धातिरकिट
० | ० |
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धेत् धेत् तगेन्न धातिरकिट धेत् धेत् तगेन्न धा धागेतिट तागेतिट धागेदिन्
| + ० |
११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६
नगतिट घिन्तिरकिटतक् तागेतिट धिटधिट तागेतिट धेत्तगे ऽन्नधेत् तगेन्न
० | | +
७ ८ ९ १० ११ १२ १ २
तातिरकिट धेत्धेत् तगेन्न धातिरकिट धेत्धेत् तगेन्न धातिरकिट धेत्धेत्
० | ० |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
तगेन्न धा धागेतिट तागेतिट धागेदिन् नगतिट घिन्तिरकिटतक् तागेतिट
| + ० | ०
११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
धिटधिट तागेतिट धेत्तगे ऽन्नधेत् तगेन्न तातिरकिट धेत्धेत् तगेन्न धातिरकिट
| | +
८ ९ १० ११ १२ १
धेत्धेत् तगेन्न धातिरकिट धेत्धेत् तगेन्न धा

टुकड़ा बड़ा तीसरी मात्रा से शुरू

० | ० | |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
७ घेघेतिट तिटतकि टथुकिट तकधुम किटग्रेघें ऽतान धगनन गे ननग न रान

+ ० | ०
१२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
त कधुम किटदिग नरान तकधुम किटदिग नरान ततदिदि कतग्रेघें ऽतान

| | + ० |
९ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५
धाघेघ तिटतिट त कथुन् थु नूग्रेघें ऽताना धाग्रघें ऽतान धाग्रेघें ऽतान

० | | +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
धाघेघे तिटतिट तकिटथु किटतक धुमकिट ग्रे घें ता ऽ नधगे ननगेन

० | ० |
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
नगनरा ऽनतक धुमकिट दिगनरा ऽनतक धुमकिट दिगनरा ऽनतत दीदिकत

| + ० | |
११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
ग्रे घेनता ऽनधा घेघेतिट तिटतक थुन्थुन् ग्रेघेनूता ऽनधा ग्रेघेनूता ऽनधा

| | + ०
८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४
ग्रेघेनूता ऽनधा घे घेतिट तिटतकि टथुकिट तकधुम किटग्रेघें ऽतान धगेनन

| ० | | +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
गेननग नरान तकधुम किटदिग नरान त कधुम किटदिग न रान ततदिदि

० | ० |
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
कतग्रेघें ऽतान धाधेघे तिटतिट तकथुन् थुनूग्रेघें ऽतान धाग्रेघें ऽतान

| +
११ १२ १
धाग्रेघें ऽतान धा

टुकड़ा छोटा ग्यारहवीं मात्रा से शुरू ।

| ० | + | ० | |
११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६
८. कत्तेट घेघेतिट किड़घेतृधुम किटतकधुना धाकृधा ऽनधा गद्दी घेनधा

० | |
७ ८ ९ १० ११ १२
किटतकगदिगन धाकिटतक गदिगनधा किटतकगदिगन धा कत्तेट

+ ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
घेघेतिट किड़घेतृधुम किटतकधुना धाकृधा ऽनधा गद्दी घेनधा किटतक-

| | +
९ १० ११ १२ १ २
गदिगन धाकिटतक गदिगनधा किटतकगदिगन धा कत्तेट घेघेतिट

० | ० |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
किड़घेतृधुम किटतकधुना धाकृधा ऽनधा गद्दी घेनधा किटतकगनिगन

| +
१० ११ १२ १
धाकिटतक गदिगनधा किटतकगदिगन धा

रेला ।

+ ० | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
१. धातिर किटतक् तगतिर किटतक् नगतिर किटतक् तादित् ताक धातिर

| + ० | ०
१० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटतक् धादित् ताक तातिर कदितक धादित् ताक धातिर किटतक् धा

| | +
८ ९ १० ११ १२ १
धातिर किटतक धा धातिर किटतक धा

रेला ।

\+ o | o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
१०. धागेतिट किटतक तागेतिट धगेतिट किटतक तागेतिट किटतक तागेतिट
| | + |
९ १० ११ १२ १ २ ३ ४
धागतिट किटतक तागेतिट धागेतिट किटतक तागेतिट किटतक तागेतिट
| o | | +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
किटतक तागेतिट धा किटतक तागेतिट धा किटतक तागेतिट धा

बोल आड़ीलय का

\+ o |
१ २ ३ ४ ५ ६
११. धाकिटतक् धाकिटतक् धकिटधकिट तकिटतकिट धिटतिटकिड़ नंतड़धा
o | |
७ ८ ९ १० ११ १२
धिटतिटकिड़ नंतड़धा धिटतिटतागे तिटकधाकिट कुधकधिकिट कतगदिगन
\+ o | o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
तगेनधेत् धगेनधेत् तगेनधेत् कुधत्तकिट घेन्तरान कुधकधिकिट कतगदिगन
| | +
८ ९ १० ११ १२ १
गेदिद्धिकिट घिन्तरान घेघेतिरकिटतकता कतिटधान धानधान धा

बोल आड़ीलय का

\+ o |
१ २ ३ ४ ५ ६
१२. तकधिकिट तकधिकिट, तकिटथुकिट तकिटथुकिट दिगेननगेन दिगेनगेन
o | |
७ ८ ९ १० ११
दिगणदिगन दिगणदिगन धकिटधदिन्ता कतिटधादिन्ता कतकधाकिट

+
१२ १ २
कतक्रधाकिट धकिटतकिट तकिटधकिट धिटतिटधिट तिटक्रधाकट
। ० । ।
५ ६ ७ ८ ९ १० ११
धाक्रधान धाक्रधान धागदिगन धाक्रधान धाक्रधान धागदिगन धाक्रधान
+
१२ १
धाक्रधान धा

एकताला या चौताला की तिहाई या हर एक मात्रा से सम तक की ।

तिहाई मात्रा १ से सम तक ।

+ ० । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
कतिटत गेनतग तितधगे नधान धाकतिट तगेनतग तितधगे नधान धा
। +
१० ११ १२ १
कतिट तगेनतग तितधगे नधान धा ।

तिहाई मात्रा २ से सम तक ।

+ ० । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
(धा) कतिट धा दिन्ता कत क्रधान् धा कतिटधा दिन्ता कत क्रधान धा क तिटधा
। +
११ १२ १
दिन्ता कत क्र धान धा ।

तिहाई मात्रा ३ से सम तक ।

+ ० । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
(धा धा) तिरकिट तकता किटतक धाति द्धाधा धातिरकिट तकता किटतक

| | +
८ ९ १० ११ १२ १
धातिद्धा धाधा ति रकिटतकता किटतक धाति द्धाधा धा ।

तिहाई मात्रा ४ से सम तक ।

\+ ० । ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
(धा धा दिन्) तिरकिट तक तकता किटतक गदिगन धा ऽतिरकिट तकता

। । +
९ १० ११ १२ १
किटतक गदिगनधा ऽ तिरकिट तकता किटतक गदिगन धा ।

तिहाई मात्रा ५ से सम तक ।

\+ ० । ० । । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
(धा धा दिन ता) कृधान धाति द्धा कृधान धाति द्धा कृधान धाति द्धा

तिहाई मात्रा ६ से समतक ।

\+ ० । ० । । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
(धा धा दिन् ता कत्) गदिगन धाति द्धागदि गनधा तिद्धा गदिग धाति द्धा

तिहाई मात्रा ७ से सम तक ।

\+ ० । ० । । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
(धा धा दिन् ता कत् धागे) किटतक धा ऽकिट तकधा ऽ किटतक धा

तिहाई मात्रा ८ से सम तक ।

\+ ० । ० । । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
(धा धा दिन् ता कत् धागे दिन्) कृधान धा कृधान धा कृधान धा

तिहाई मात्रा ९ से सम तक ।

```
+       ०       |       ०       |      |      +
१  २  ३  ४  ५  ६  ७  ८   ९    १०   ११   १२   १
(धा धा दिन् ता कत् धागे दिन् ता) धाति द्धाधा तिद्धा धाति द्धा
```

तिहाई मात्रा १० से सम तक ।

```
+       ०       |       ०       |      |      +
१  २  ३  ४  ५  ६  ७  ८  ९   १०    ११    १२    १
(धा धा दिन् ता क धागे दिन् ता तिट) धातधा ऽधातधा ऽधात धा
```

तिहाई मात्रा ११ से सम तक ।

```
+       ०       |       ०       |      |      +
१  २  ३  ४  ५  ६  ७  ८  ९  १०   ११     १२    १
(धा धा दिन् ता क धागे दिन् ता तिट कत) कत्तद्धाकत् तद्धाकत् तद्धा
```

तिहाई मात्रा १२ से सम तक ।

```
+       ०       |       ०       |      |      +
१  २  ३  ४  ५  ६  ७  ८  ९  १०  ११   १२        १
(धा धा दिन् ता क धागे दिन् ता तिट कत गदि) कधा कधा कधा
```

चौताले की दून तिगुन और चौगुन

दून

```
+         ०         |
१    २     ३     ४     ५     ६
धाधा दिन्ता कद्धागे दिन्ता तेटेकत गदिगन ।
०         |         |
७    ८     ९     १०    ११    १२
धाधा दिनता कद्धागे दिन्ता तेटेकत गदिगन ॥
```

तिगुन

+   ०
१   २   ३   ४
धाधादिन् ताकद्धागे दिन्तातेटे कतगदिगन ।

।   ०
५   ६   ७   ८
धाधादिन् ताकद्धागे दिन्तातेटे कतगदिगन ।

।   ।
९   १०   ११   १२
धाधादिन् ताकद्धागे दिन्तातेटे कतगदिगन ॥

चौगुन

+   ०
१   २   ३
धाधादिन्ता कद्धागेदिन्ता तेटेकतगदिगन ।

     ।
४   ५   ६
धाधादिन्ता कद्धागेदिन्ता तेटेकतगदिगन ॥

०   ।
७   ८   ९
धाधादिन्ता कद्धागेदिन्ता तेटेकतगदिगन ।

     ।
१०   ११   १२
धाधादिन्ता कद्धागेनिन्ता ते टेकतगदिगन ॥

तारा यन्त्रालय, काशी

ॐ श्री ॐ

ताल-दीपिका

तबला प्रकरण तृतीय भाग ।

वीणावादनतत्त्वज्ञः श्रुतिजातिविशारदः ।
तालज्ञश्चाऽप्रयासेन मोक्षमार्गं प्रयच्छति ॥

लेखक तथा प्रकाशकः—

पं० मन्नू जी औदीच्य मृदङ्गाचार्य,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ।

(सन् १९३४ ई.)

मूल्य १)

विषय पृष्ठ

BHARATIYA VIDYA BHAVAN
S. N——

दो शब्द

यह हमारे लिए असीम हर्षका विषय है 'कि ताल दीपिका' का तृतीय भाग प्रकाशित करने का शुभ अवसर हम को प्राप्त हुआ है।

पाठकों को यह तो विदित ही है कि इस 'तालदीपिका' के प्रत्येक भाग में दो ही खण्ड प्रधान हैं। (१) ताल के भिन्न २ अंगों का संगीत शास्त्रानुसार विस्तृत विवेचन और (२) पृथक २ तालों में बजनेवाले ठेके तथा बोल इत्यादि

ताल के दश प्राण हैं, यथा-काल, मार्ग, क्रिया, अङ्ग, ग्रह, जाति, कला, लय, यति और प्रस्तार। इन में से काल, मार्ग और क्रिया इन तीन प्राणों का वर्णन द्वितीय भाग में हो चुका है। इस भाग में अङ्ग, ग्रह, और जाति इन तीनों के विवेचन के साथ २ निम्न लिखित चीजों का समावेश किया गया है।

१. त्रिताल के बोल।
२. भड़ौवा छन्द के बोल।
३. भुजङ्ग प्रयात छन्द का टुकड़ा।
४. गत पंजाबी (आड़ी लय की)।
५. कुछ छन्दों के बाँट।
६. झपताल के बोल और बाँट।
७. झपताले में भिन्न २ मात्राओं से उठने वाली तिहाइयाँ इत्यादि।

ताल दीपिका के चतुर्थ भाग में शेष चारों प्राणों के वर्णन के साथ २ नाच और स्तुति इत्यादि के भी अत्यन्त मनोरंजक बोल दिये जायँगे।

यह भाग शीघ्रही प्रकाशित होगा।

'अथ अङ्गानि'

अब अङ्गों का वर्णन किया जाता है

श्लोक—अनुद्रुतो द्रुतश्चाथ द्रविरामो लघुस्तथा ।
लविरामो गुरुश्चैव प्लुतश्चेति यथा क्रमम् ॥
सप्ताङ्गानीह तालेषु ज्ञातव्यानि सदा बुधैः ।
अणवाद्याद्यक्षरैर्श्चेयं सन्ति संज्ञान्तराण्यपि ॥

अनुद्रुत, द्रुत, द्रुतविराम, लघु, लघुविराम गुरु, और प्लुत यह ताल के ७ अङ्ग हैं, जिनका जानना विद्वानों के लिए आवश्यक है, अणु आदि अक्षरों के अतिरिक्त इनके दूसरे नाम भी लिखे जाते हैं।

अनुद्रुत के दूसरे नाम—

श्लोक—अनुद्रुतोऽणुः करजमर्धचन्द्रोऽङ्कुशं धनुः ।

भावार्थ—अणु, करज, अर्धचन्द्र, अंकुश, धनु।

द्रुत के दूसरे नाम--

श्लोक—अर्धमात्रं व्यञ्जनं खं विन्दुश्च वलयं द्रुते ।

भावार्थ—अर्धमात्र, व्यञ्जन, ख (आकाश=शून्य) विन्दु, वलय (कड़े के समान)।

लघुके दूसरे नाम—

श्लोक—व्यापकः सरलो ह्रस्वः शरो दण्डो लघु स्मृतः ।

भावार्थ—व्यापक, सरल, ह्रस्व, शर, दण्ड ।

गुरु के दूसरे नाम--

श्लोक—दीर्घो वक्रो द्विमात्रो गोजीवः पूज्यो भवेद्गुरुः ।

भावार्थ—दीर्घ, वक्र, द्विमात्र, गोजीव (गौके मूत्र करते समय मूत्र आकार में टेढ़ा होता हुआ भूमि पर आता है उसी प्रकार गुरु भी टेढ़े आकार का होता है।) पूज्य।

प्लुत के दूसरे नाम—

श्लोक—त्र्यङ्कस्त्रिमात्रको दीप्तः श्रृङ्गी सामोद्भवः प्लुतः ।

भावार्थ—त्र्यङ्क, त्रिमात्रक, दीप्त, श्रृङ्गी, सामोद्भव ।

अंगों के देवताओं के नाम—

श्लोक—अणौ चन्द्रो द्रुते शम्भुर्दविरामे षडाननः ।
लघौ देवी लविरामे जीवो गौरीपतिर्गुरौ ॥
प्लुते त्रयोविरिंच्याद्याः देवता मुनिभिः स्मृता।

भावार्थ—अणुके देवता चन्द्रमा, द्रुत के देवता शम्भु, दविराम (द्रुतविराम) के देवता षडानन (कार्तिकेय) लघुके देवी, लविराम (लघुविराम) के जीव, गुरु के देवता गौरीपति (महादेव), प्लुत के देवता ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों हैं ।

श्लोक—एक मात्रो लघुः प्रोक्तो द्विमात्रो गुरुरुच्यते ।
त्रिमात्रः प्लुत उद्दिष्टो मात्रार्धं तु द्रुतो मतः ॥
अनुद्रुतश्चतुर्थांशो मात्राया इति संस्मृतम् ।
पञ्चलघ्वक्षरोच्चार मिता मात्रास्ति मार्गके ॥
चतुर्भिरक्षरैर्देशी षड्भिरप्यक्षरैः क्वचित् ।
अनया मात्रया ज्ञेया लघुगुर्वादि कल्पना ॥

भावार्थ—एक मात्रा का लघु, दो मात्रा का गुरु, ३ मात्रा का प्लुत और आधी मात्रा का द्रुत और चौथाई मात्रा का अनुद्रुत माना गया है। पाँच लघु अक्षरों के उच्चारण करने में जितना समय लगता है मार्गीय में वह समय १ मात्रा का होता है। देशी में चार लघु अक्षरों के उच्चारण करने में अथवा ६ लघु अक्षरों के उच्चारण करने में जितना समय लगता है वह १ मात्रा कहलाता है। किन्तु ६ अक्षरों वाली मात्रा का उच्चारण उन्हीं चार अक्षरों के समय में होना चाहिये। किन्हीं २ तालज्ञों ने जितनी देर में स्वस्थ पुरुष की नाड़ी दोबार चले उतने समय को एक मात्रा माना है।

श्लोक—अत्यल्पघातेऽणुर्ज्ञेयः सूक्ष्मघाते द्रुतो मतः
पूर्णघाते लघुः प्रोक्तो घातात्क्षेपे गुरुर्मतः
घातात्करभ्रमो यत्र प्लुतो ज्ञेयो विचक्षणैः

भावार्थ—बहुत थोड़े घातसे अणु और सूक्ष्म घातसे द्रुत, पूर्ण घात से लघु और घातक्षेपसे (फेंकने से) गुरु और जहां घातसे करभ्रम हो वह प्लुत जानना चाहिए।

अङ्गों के स्वरूप—

श्लोक—अर्धचन्द्रस्वरूपोऽणुः द्रुतः स्याद्वलयाकृतिः।
द्रुते विरामेऽणुर्ज्ञेयो लघुस्तु सरलाकृतिः॥
लघौ द्रुतो विरामस्तु गुरुर्वक्रः प्लुतस्त्रिकम्।
गुरौ रेखेति चिन्हानि लिप्यामुक्तानि सूरिभिः॥

भावार्थ—अणुका स्वरूप आधे चन्द्रमा के समान (˘) और द्रुतका कुण्डल के समान (०), दविराम का स्वरूप द्रुतके ऊपर एक अणु (ȏ), लघुका स्वरूप सरल आकृति का (।) और लविराम का स्वरूप लघुके ऊपर एक द्रुत (१) और गुरुका आकार टेढ़ा (ऽ) और प्लुत तीन (३) के आकार का होता है।

अङ्गों को उच्चारण करने वाले पक्षियों के नाम—

श्लोक—तित्तिरश्चटकश्चैव वक चातक कोकिलाः।
वायसः कुक्कुटश्चैव क्रमादुच्चारयन्त्यमून्॥

भावार्थ—अणुको तीतर, द्रुतको चटक=गौरैया, दविराम को वक=बगुला, लघुको चातक=पपीहा, लविरामको कोयल और गुरुको वायस=कौआ और प्लुतको कुक्कुट=मुर्गा उच्चारण करता है।

—

प्लुत के दूसरे नाम—

श्लोक—त्र्यङ्गस्त्रिमात्रको दीप्तः शृङ्गी सामोद्भवः प्लुतः ।

भावार्थ—त्र्यङ्ग, त्रिमात्रक, दीप्त, शृङ्गी, सामोद्भव।

अंगों के देवताओं के नाम—

श्लोक—अणौ चन्द्रो द्रुते शम्भुर्दविरामे षडाननः ।
लघौ देवी लविरामे जीवो गौरीपतिर्गुरौ ॥
प्लुते त्रयोविरिंच्याद्याः देवता मुनिभिः स्मृता।

भावार्थ—अणुके देवता चन्द्रमा, द्रुत के देवता शम्भु, दविराम (द्रुतविराम) के देवता षडानन (कार्तिकेय) लघुके देवी, लविराम (लघुविराम) के जीव, गुरु के देवता गौरीपति (महादेव), प्लुत के देवता ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों हैं।

श्लोक—एक मात्रो लघुः प्रोक्तो द्विमात्रो गुरुरुच्यते ।
त्रिमात्रः प्लुत उद्दिष्टो मात्रार्धं तु द्रुतो मतः ॥
अनुद्रुतश्चतुर्थांशो मात्राया इति संस्मृतम् ।
पञ्चलघ्वक्षरोच्चार मिता मात्रास्ति मार्गके ॥
चतुर्भिरक्षरैर्देशी षड्भिरप्यक्षरैः क्वचित् ।
अनया मात्रया ज्ञेया लघुगुर्वादि कल्पना ॥

भावार्थ—एक मात्रा का लघु, दो मात्रा का गुरु, ३ मात्रा का प्लुत और आधी मात्रा का द्रुत और चौथाई मात्रा का अनुद्रुत माना गया है। पाँच लघु अक्षरों के उच्चारण करने में जितना समय लगता है मार्गीय में वह समय १ मात्रा का होता है। देशी में चार लघु अक्षरों के उच्चारण करने में अथवा ६ लघु अक्षरों के उच्चारण करने में जितना समय लगता है वह १ मात्रा कहलाता है। किन्तु ६ अक्षरों वाली मात्रा का उच्चारण उन्हीं चार अक्षरों के समय में होना चाहिये। किन्हीं २ तालज्ञों ने जितनी देर में स्वस्थ पुरुष की नाडी दोबार चले उतने समय को एक मात्रा माना है।

श्लोक—अत्यल्पघातेऽणुर्ज्ञेयः सूक्ष्मघाते द्रुतो मतः।
पूर्णघाते लघुः प्रोक्तो घातात्क्षेपे गुरुर्मतः॥
घातात्करभ्रमो यत्र प्लुतो ज्ञेयो विचक्षणैः।

भावार्थ—बहुत थोड़े घातसे अणु और सूक्ष्म घातसे द्रुत, पूर्ण घात से लघु और घातक्षेपसे (फेंकने से) गुरु और जहां घातसे करभ्रम हो वह प्लुत जानना चाहिए।

अङ्गों के स्वरूप—

श्लोक—अर्धचन्द्रस्वरूपोऽणुः द्रुतः स्याद्वलयाकृतिः।
द्रुते विरामेऽणुर्ज्ञेयो लघुस्तु सरलाकृतिः॥
लघौ द्रुतो विरामस्तु गुरुर्वक्रः प्लुतस्त्रिकम्।
गुरौ रेखेति चिन्हानि लिप्यामुक्तानि सूरिभिः॥

भावार्थ—अणुका स्वरूप आधे चन्द्रमा के समान (˘) और द्रुतका कुण्डल के समान (०), दविराम का स्वरूप द्रुतके ऊपर एक अणु (ŏ), लघुका स्वरूप सरल आकृति का (।) और लविराम का स्वरूप लघुके ऊपर एक द्रुत (१) और गुरुका आकार टेढ़ा (ऽ) और प्लुत तीन (३) के आकार का होता है।

अङ्गों को उच्चारण करने वाले पक्षियों के नाम—

श्लोक—तित्तिरश्चटकश्चैव वक चातक कोकिलाः।
वायसः कुक्कुटश्चैव क्रमादुच्चारयन्त्यमून्॥

भावार्थ—अणुको तीतर, द्रुतको चटक=गौरैया, दविराम को वक=बगुला, लघुको चातक=पपीहा, लविरामको कोयल और गुरुको वायस=कौआ और प्लुतको कुक्कुट=मुर्गा उच्चारण करता है।

❋ अङ्ग निदर्शक सारिणी ❋

संख्या	नाम	देवता	मात्रा	उच्चारक पक्षियोंके नाम	चिन्ह	वज़न
१	अणुद्रुत	चन्द्रमा	चौथाई	तित्तिर	˘	I)
२	द्रुत	शिव	आधी	चटक	०	II)
३	द्रुतविराम	कार्तिकेय	पौन	बगुला	०̆	III)
४	लघु	देवी	एक	पपीहा	।	१)
५	लघुविराम	बृहस्पति	डेढ़	कोयल	।̆	१II)
६	गुरु	गौरीपति	दो	कौआ	ऽ	२)
७	प्लुत	ब्रह्मा, विष्णु महेश	तीन	मुर्गा	ऽ̄	३)
`	काकपद				+	

नोट—यह काकपद केवल सम के निशान में लिया जाता है किन्तु मार्गीय ताल में यह प्रस्तार के रूप में लिया जाता है।

अथ ग्रहा:

अङ्गों के पश्चात् ग्रहों के लक्षण लिखे जाते हैं।

श्लोक--समोऽतीतोऽनागतश्च विषमश्च चतुर्विधः।
ग्रहास्तालेषु विज्ञेयाः सूक्ष्मदृष्ट्या विचक्षणैः॥

भावार्थ—सम, अतीत, अनागत और विषम ये चार प्रकार के तालों के ग्रह सगीत पारिजात ने माने हैं, किन्तु संगीत रत्नाकरने विषम ग्रह छोड कर केवल तीन ही ग्रहमाने हैं।

श्लोक--गीतादि समकालस्तु समपाणि समग्रहः।

भावार्थ—गीतादि और ताल साथ ही प्रारंभ हो उसे समग्रह कहते हैं।

श्लोक--गीतादौ विहिते यत्र ताल वृत्ति र्विधीयते।
अतीताख्यो ग्रहो ज्ञेयः सोऽवपाणिरिति स्मृतः॥

भावार्थ—गीतादि पहले शुरू हो और उसके पश्चात् ताल प्रारम्भ हो इस क्रिया को अतीत ग्रह कहते हैं इसका दूसरा नाम अवपाणि भी है।

नाट—अवपाणि का अर्थ है अवगत=जान लिया गया है पाणि=ताल।

श्लोक--पूर्व ताल प्रवृत्तिः स्यात् पश्चात् गीतादिरुच्यते।
अनागतः सविज्ञेयो स एवोपरिपाणिकः॥

भावार्थ—पहले ताल तत्पश्चात् गीतादि प्रारम्भ हो तो इस क्रिया को अनागत ग्रह कहते हैं, इसका दूसरा नाम उपरिपाणि भी है। (उपरि=पहले, पाणि=ताल अर्थात् पहले ताल की प्रवृत्ति हो)

श्लोक--आद्यन्तयोरनियमे विषमग्रह उच्यते।

भावार्थ—जिस गायन के आदि और अन्तका कोई निश्चय न हो ऐसी क्रिया को विषमग्रह कहते हैं।

नोट—विषमग्रह में ताल बराबर चलता रहता है, केवल गायन ही जहां से चाहे उठा सकते हैं और जहां चाहे आ सकते हैं, किन्तु तालका रूप नहीं बिगड़ना चाहिये अर्थात् ताल का क्रम बराबर चलता रहना चाहिये और क्रिया के समाप्त होने के बाद पूर्व प्रारंभित ताल के रूपमें मिल जाना चाहिए। विषम ग्रहका प्रयोग सर्वदा नहीं किया जाता।

ग्रहों के दूसरे नाम –

श्लोक—तालो वितालोऽनुतालः प्रतितालश्चतुर्विधः।
समग्रहो भवेत्तालो वितालोऽतीतकः स्मृतः॥
अनागतोऽनुतालस्यात् विषमः प्रतितालकः।

भावार्थ—समग्रह का दूसरा नाम ताल, अतीत का विताल, अनागत क अनुताल और विषम का दूसरा नाम प्रतिताल है।

अथ जातयः

श्लोक—चतुरस्रस्तथा त्र्यस्रः खण्डो मिश्रस्तथैव च।
संकीर्ण इति विज्ञेया जातयः क्रमशो बुधैः॥

भावार्थ—चतुरस्र, त्र्यस्र, खण्ड और मिश्र तथा संकीर्ण यह तालों की पाँच जातियां मानी गई हैं।

श्लोक—तथैव मात्रा विज्ञेयाः क्रमशस्तालवेदिभिः।
द्विगुणं द्विगुणायत्र लक्ष्य दृष्टयाम्र संभवम्॥

भावार्थ—उसी प्रकार क्रम से जातियों के अनुसार तालों की जाति की मात्रा जानना चाहिये

श्लोक—चतुर्वर्णैस्त्रिभिर्वर्णैः पंचवर्णैस्तथैव च।
सप्तवर्णैश्च नवभिः जातयः क्रमशः स्मृताः॥

भावार्थ—चतुरस्र की ४ मात्रा, त्र्यस्रकी ३ मात्रा, खण्ड का पाच, मिश्रका ७ और संकीर्ण की नौ मात्रा हैं।

जातियों के वर्ण—

श्लोक—चतुरस्रो ब्राह्मणः स्यात् त्र्यस्रः क्षत्रिय एव च,।
खण्डो वैश्यस्तथा मिश्रः शूद्र इत्यभिधीयते॥
संकीर्णजातिः संकीर्ण इत्येताः पंचजातयः।

भावार्थ—चतुरस्र जाति का वर्ण ब्राह्मण, त्र्यस्रका क्षत्रिय, खण्ड का वैश्य तथा *मिश्र का शूद्र और संकीर्ण का वर्ण संकर=अन्त्यज है।*

नोट—जिस ताल की जाति जानना हो उस ताल की मात्रा, का छोटे से छोटा रूप बनाना चाहिए, किन्तु ताल का छोटे से छोटा रूप वहां तक बनाना चाहिए जहां तक कि वह कहा जासके। उस छोटे रूप की मात्राओं की तुलना इन भिन्न २ जातियों की मात्राओं के साथ करके उस तालकी जाति का निर्णय करना चाहिए। जैसे त्रिताल १६ मात्राओं का है, इसका छोटे से छोटा रूप ४ मात्राओं का होता है और चतुरस्र जाति की मात्रा ४ हैं, अतः यह ताल चतुरस्र जाति का हुआ, इस प्रकार चौताल त्र्यस्र जाति का है, क्यों कि इसका छोटे से छोटा रूप ३ मात्राओं का होता है, दादरा और खेमटा भी त्र्यस्र जाति के हैं, झपताल और शूल ताल का छोटे से छोटा रूप ५ मात्राओं का होता है, अतः ये दोनों ताल खण्ड जाति के हैं।

यत, धमार, ब्रह्मताल, आड़ा, चौताल, रूपक और तेवरा ये सब ताल मिश्र-जाति के हैं। इनका छोटे से छोटा रूप ७ मात्रा का होता है। मत्तताल और लक्ष्मीताल का छोटे से छोटा रूप ९ मात्रा का हो सकता है, अत ये दोनों ताल संकीर्ण जाति में,

ठेका ठुमरी का मात्रा १६

+	।	०	।
१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६
धा धिन् ऽ क् धिन्	धा धिन् ऽ क् धिन्	धा तिन् ऽ क तिन्	ता धिन् ऽ क् धिन्

ठेका छपका का मात्रा ८

+	। ०	।
१ २	३ ४ ५ ६	७ ८
धिन् त धिन्	ऽ ति नग नग त तिन्	ऽ ति तक

ठेका अद्धा मात्रा ४

+	।
१ २	३ ४
धिन् त धिन्	ऽ ति धिन्

ठेका चंग या ख्यालका मात्रा ८

+	। ०	।
१ २	३ ४ ५ ६	७ ८
ता धिन्	नग धिन् ता तिन्	ऽ धिन्

सवारी मात्रा १४

+ ०	। ०	। ०	।
१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१३ १४
धिन्ना धिन् धिन्	धा धा तिन्ना	कत्ता दिन्ना कत्ता	किटतक् तिरकिट

पंचम सवारी मात्रा १६

+ ०	। ०	।	।	।
१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १०	११ १२	१३ १४ १५ १६
धिन् धिन् धा तिट	ना किट नागे तूना	कत्ता धीना	धीधी नाधी	नागे तिरकिट तूना कत्ता

कराल मंच ताल मात्रा १०

+	।	।
१ २	३ ४ ५ ६	७ ८ ९ १०
धा तिट	किट तक दिन् ता	तिट कत गदि गन

रुद्र ताल मात्रा ११

+ ०	।	।	। ०	।	।	।	। ०
१ २	३	४	५ ६	७	८	९	१० ११
धा दिन्	ता	कत	धा धा	दिन्	ता	कत	धा धुन्

रुद्र ताल मात्रा १५

+ ०	।	। ०	।	।	। ०	।	।	।	।	। ०
१ २	३	४ ५	६	७	८ ९	१०	११	१२	१३	१४ १५
धा दिन्	ता	तिट कत	गदि	गन	ध धा	दिन्	ता	तिट	किट	तिट गा

रुद्र ताल मात्रा १६

+ ०	।	। ०	।	।	। ०
१ २	३	४ ५	६	७	८ ९
धा दिन् धेत्	धेत्ता	दिन्ता धुंनं	ताधा	किटतक	दिन्ता कड़ान

।		।	।	।	। ०
१०	११	१२	१३	१४	१२ १६
धा	तादेत्	तगदेत्	ता	कड़ान	तेरकिट , तक धुन्

तिताला के सीधीलय के बोल।

```
 २       २      ३        ।४ ५    ६ ७ ८  ०९   १०     ११
१. गदिगन नगतिट गदिगन  धा धाधा धा धेते टेक ऽ त्ता गदिगन  न गधे

   ।                 +          ।                 ०
 १२  १३ १४ १५ १६  १  २       ३-  ४    ५ ६ ७  ८    ९
 ऽ द्धा ऽ दीं ऽ क ऽ त्ता धा गदिगन नगधे ऽ द्धा ऽ दीं ऽ क ऽ त्ता धा

              ।              +
१०    ११   १२   १३ १४ १५  १६   १
गदिगन न गधे ऽ द्धा ऽ  दीं ऽ क ऽ त्ता धा
```

एक्कड़ दून की लयमें

```
 +                         ।                       ०
 १     २      ३     ४      ५      ६     ७      ८     ९
२. कतृतिट धेधेतिट कताक  थुंकिट किटतक  दांदां किड़नग तिटकत धेधेतिट

                ।                        +
१०   ११   १२    १३    १४    १५     १६    १    २    ३
तक्रथुं ऽ कत गदिगन कत्तिट तिटधेधे तिगतिट धेनेनद धेधेतिट धेनेनद धेधेत्ता

       ।                  ०                      ।
 ४     ५       ६    ७  ८    ९     १०    ११ १२   १३   १४
ऽनधेधे तिटधेत्ता ऽनान धा  ऽ तात धाधेना ऽ नान धा ऽ तात धाधेना ऽ नान

       +
१५ १६   १
धा ऽ तात धा
```

नोट--यह बोल बराबर की लयमें समसे प्रारम्भ करने पर भी समपर आता है।

०　　　　　　　　　　　|　　　　　　　　　　+
६　　　　१० ११　१२ १३　१४　१५　१६　१
३. धिरधिरकिट तक्ता कतघेघे दिन् नगधे ऽ तृकत धिन्नड़ा ऽ नधा दिन्ता

|　　　　　　　　　　　　　०
२　३　४　५　६　७　　　　८　　९　　१०
कत्ते टेधा ऽ ता ऽ न धा धिरधिरकिटतक् धाधिरधिर किटतकृधा धिरधिर-

　　　　　　　　　|　　　　　+
११　१२　　　　१३　१४　१५　१६　१　२
किटतक् धा धिरधिरकिटतक् ता कत घेघे दिन् नगधे ऽ तृकत धिन्नड़ा

|　　　　　　०
३　४　५　६　७　८　९　१०　　　११　　१२
ऽनधा दिन्ता कत्ते टधा ऽ ता ऽ न धा धिरधिरकिटतक् धाधिरधिर किट-

|　　　　　　　　　+
१३　　　　१४　१५　　　१६　१　२　३　४
तकधा धिरधिरकिटतक् धा धिरधिरकिट तक् ता कतघेघे दिन् नगधे ऽ तृकत

|　　　　　　　　|
५　६　७　८　९　१०　११　१२　१३　　　१४
धिन्नड़ा ऽनधा दिन्ता कत्ते टेधा ऽ ता ऽ न धा धिरधिरकिटतक् धाधिरधिर

　　　　　+
१५　　१६　　१
किटतक् धा धिरधिरकिटतक् धा

जोड़ा

०　　　　　　　　　|　　　　　　　　　+
६　　　१० ११　१२　१३　१४　१५　१६　१
४. कत्तिरकिटतक् धा तगतागे तिन् किड़धे डत्तग धिटतगे ऽ नधा तिद्धा

　　　　　|　　　　　　　　०
२　३　४　५　६　७　　　　८　६
घेतिर किटता ऽ धा ऽ त धा कित्तिरकिटतक् ता कत्तिरकिटतक ता

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
कत्तिरकिटतक् धा कत्तिरकिटतक् ता तग तागे तिन् किड़धे ऽत्तग

| ०
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
धिटतगे ऽन्नधा तिद्धा घेतिर किटता ऽधा ऽतधा कत्तिरकिटतक् ताकत्तिर

| +
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
किटतक् ता कत्तिरकिट तक् धा कत्तिरकिट तक् ता तगतागे तिन् किड़धे

० |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
ऽत्तग धिटतग ऽन्नधा तिद्धा घेतिर किटता ऽ धा ऽ त धा कत्तिरकिटतक

+
१४ १५ १६ १
ताकत्तिर किटतक्ता कत्तिरकिटतक् धा

भड़ौवा छन्दका बोल

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
५. धादिन् ऽन्ता किड़धा तेटे कत्ते टेधा नाते टेता ऽकिड़धाकत् धाना ऽद्धा

| + |
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
र्दाक ऽ द्धा ऽ तरा ऽ नधा धुन्नत् तेटे ऽतिर किटतक् धा घिरकिट धुन्नत्

० | +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तेटे ऽतिर किटतक् धा घिरकिट धुन्नत् तेटे ऽ तिर किटतक् धा

जोड़ा

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
१. कत्ती ऽद्धा घेती ऽ त्ता ऽघे टेता नाते टेधा ऽ तिर किटतक् नादिन् ऽ न्ता
। + ।
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
ऽ द्धिर किटतक् धादिन् ऽन्धा कतघड़ा ऽनधा ऽघे तेटे धा किटतक् कतघड़ा
० । +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽनधा ऽघे तेटे धा किटतक् कत घड़ा ऽ नधा ऽ घे तेटे धा

नोट—इस बोल में कहरवालय और आड़ीलय कौव्वालीलय तथा सीधीलय का वर्ताव होता है।

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
७. धगे ऽ न्ना ऽ ड़ धगे ऽ नूता ऽ न धा ति द्धा किड़धा ऽ न किड़धा तिट
\+ । ० ।
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
कत गदि गन धा ती ऽ द्धा दी घे ऽन् ता धा ऽ क द्धा धिरधिर किट
\+ । ०
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
तक् धा धातु नाकिड़ धाति द्धा ऽ किड़ धा ति द्धा ऽ किड़ धाति द्धा
। + ।
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
धातु नाकत् धातु नाकिड़ धाति द्धा ऽ किड़ धाति द्धा ऽ किड़ धाति द्धा
० । +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धातु नाकत् धातु नाकिड़ धाति द्धा ऽ किड़ धाति द्धा ऽ किड़ धाति द्धा

जोड़ा

नोट—इस बोल में कहरवा लय और आड़ीलय तथा मड़ोवालय और सोधोलय इन सभों का वर्ताव होता है।

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४
गेदि ऽ नता ऽ न धिट कता ऽ न धे ति घा धड़ा ऽ न कुघा किट तक

\+ । ० ।
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५
धुन् धुन् धा ऽ दिं ऽ ता क ऽ ति ऽ द्धा ता ऽ धे घा कत्तिर किटतक् ता

\+ । ०
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १०
धाकिड् ताकत् धाकिड् धा ऽ किड़ धाक द्धा ऽ किड़ धाक द्धा धाकिड्

। + ।
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
ताकत् धाकिड् धाक द्धाक द्धा ऽ किड़ धाक द्धा ऽ किड़ धाक द्धा धा

० । +
७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किड् ताकत् धाकिड् धाक द्धाक द्धा ऽ किड़ धाक द्धा ऽ किड़ धाक द्धा ॥

बोल (लोम विलोम का)

नोट—जिस बोल में प्रारम्भ करने से कहने में जैसे अक्षर आते हों उसी बोल में समाप्त होने पर उलट के कहने से वैसेही अक्षर आवें ऐसे बोल को लोम विलोम का बोल कहते हैं।

\+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
८. धा तक धा ता नग दिग नाड़ा नन कत धा ता धा घेघे दिं दिं घेघे ता

। ० । +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
नधा नाना धा नगे नन गेन नगे तत गेन नगे नन गेन धा नाना धा नता

। ० । +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
घेघे दिं दिं घेघे धा ता धा तक नन ड़ाना गदि गन ता धा कत धा

बोल लोम विलोम का

\+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
९. धा नग दिग तक धा नता गेन तत कति कत गेन कत धा ता धा घेघे धा

। ० । +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
घेघे धा ता धा तक नग तक तिक तत नगे ता नधा कत गदि गन धा

नोट—इस बोल को बराबर की लय में तिताला और चौताला ताल में एक साथ कहने से दोनों ताल के हर एक सम पर (धा) आता है।

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
१०. धा किट किड़ नग नग तिट गदि गन धा किट कूडा ऽन् धा किट कूडा

॥ । ० ।
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
ऽन् धा दित् ता धुन् दि ढ्रिर किट तक् धा किट के ट्टे तक धुम किट तक्

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १
धा तक धु ड्डा धा दे त्ता ऽ धा किट नग ना तिट ता गदि ः

बोल बढैयां का खाली से शुरू

```
 '           ।              , +
 ६    १० ११  १२ १३   १४    १५     १६  १    २     ३
११. तगन्न धा तान धा ताधा तड़धा गदिगन धा गदिगन नगतिट गदिगन
    ।           ०                  ।
    ४ ५ ६ ७   ८  ६  १०   ११   १२    १३  १४ १५ १६
    धा ता ऽ तगेन्न धाता ऽन ताधा तड़धा गदिगन तगेन्न धाता ऽन ताधा
    +                ।              ०
    १    २      ३ ४   ५  ६  ७  ८   ९   १० ११ १२
    कड़धा गदिगन धा तगेन्न धाता ऽन ताधा तड़धा गदिगन धा तगेन्न धाता
    ।              ॥
    १३ १४  १५  १६    १
    ऽन ताधा तड़धा गदिगन धा
```

नोट—तड़धा; के ठिकाने किड़धा, निकलेगा क्यों कि तड़धा शब्द भी पखावज का है।

जोड़ा ग्यारहवीं मात्रा से शुरू

```
          ।                  +                 ।
   ११   १२ १३  १४ १५  १६    १   २ ३      ४    ५   ६
१२. तांगड़ धा दिन्नड़ धा दींदीं किड़धा दींगड़ धा किटतक् तड़धा दींगड़ धा
                               ।                  +
    ७ ८ ९  १०  ११     १२  १३   १४    १५  १६   १  २
    ता ऽ तांगड़ धादीं गड़धा दींदीं किड़धा किटतक् तड़धा तांगड़ धादीं गड़धा
          ।                  ०                   ।
    ३  ४   ५ ६   ७   ८    ९  १०   ११ १२  १३ १४
    दींदीं किड़धा धा तांगड़ धादीं गड़धा दींदीं किड़धा धा तांगड़ धादीं गड़धा
                +
    १५  १६   १
    दींदीं किड़धा धा
```

बोल वढैया का तेरहवीं मात्रा

```
     |                        +                     |                          ०
     १३      १४ १५  १६ १      २   ३   ४    ५     ६        ७    ८  ६
१३. किटतक् धेत् तान धा धित्ता धेत् तान धा  धित्ता  ऽ धित् तान धा दींगड़
                 |                                                          |
     १० ११   १२ १३      १४    १५  १६    १     २     ३   ४         ५
     धा तांगड़ धा किटतक् दींगड़ धातां गड़धा दींगड़ धाति द्धा किटतक् दींगड़
                        ०                              |                  +
     ६   ७      ८     ६   १० ११       १२   १३  १४   १५   १६   १
     धाता गड़धा दींगड़ धा ति द्धा किटतक् दींगड़ धातां गड़धा दींगड़ धाति द्धा
```
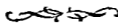
जोड़ा पन्द्रहवीं मात्रा से शुरू

```
               +                         |                          ०
     १५     १६ १     २   ३        ४    ५    ६    ७      ८       ६    १०
१४. गदिगन कत् धान  धा  किड़धा कत् धान धा  किड़धा ऽ किड़ धान  धा
            |                          +                                |
     ११     १२ १३     १४ १५    १६          १    २        ३    ४    ५
     किड़ता धा किड़धा ता किड़धा गदिगन धातां गड़ता  धाति द्धा  ताकिड़
                      ०                        |
     ६      ७      ८      ९     १०    ११  १२        १३        १४    १५
     धागदि गनधा  तांगड़  ताधा तिद्धा ता  किड़धा गदिगन  धातां  गड़ता
          +
     १६    १
     धाति  द्धा ॥
```

टुकड़ा चक्करदार
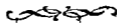
+   ।   ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
घड़ान् किटतक् तगतिर किट तक् गेदि ऽ न्ना नाना नाना तगतिर किटधुम

।   +   ।
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
किटतक् घड़ान् धिरधिर किटतक् तातिर किटतक् ता ता किट तक तगृघड़ा

०   ।
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
ऽ नूधा तूना कत् धा तिरकिट तगृघड़ा ऽ नूधा तूना कत् धा तिरकिट

+   ।   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
तगृघड़ा ऽनूधा तूना कत् धा ऽ घड़ान् किटतक् तगतिर किटतक् गेदि ऽ न्ना

।   +   ।
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
नाना नाना तकतिर किट धुम किटतक् घड़ान धिरधिर किटतक् तातिर

०   ।   +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किटतक् ता ता किट तक तगृघड़ा ऽ नूधा तूना कत् धा तिरकिट तगृघड़ा

।   ०
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
ऽ नूधा तूना कत् धा तिरकिट तगृघड़ान् ऽनूधा तूना कत् धा ऽ घड़ान्

+   ।
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटतक् तगतिर किटतक् गेदि ऽ न्ना नाना नाना तकतिर किटधुम किटतक्

०   ।   +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
घड़ान् धिरधिर किटतक् तातिर किटतक् ता ता किट तक तगृघड़ा ऽनूधा

।   ०
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
तूना कत् धा तिरकिट तगृघड़ा ऽ नूधा तूना कत् धा तिरकिट

।   +
१३ १४ १५ १६ १
तगृघड़ा ऽ नूधा तूना कत् धा

जोड़ा

\+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
घ्ड़ान् धातित् धातिर किटतक् धेत्धे ऽ त्धेत् ताता ताता कत्तिर किटतागे

| + |
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
तिरकिट कड़ान् तिरतिर किटतागे तातिर किटतागे थुन् थुन् तिट तिट कत्

o |
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धिलां ऽ गधा धिरधिर किटतक् धा तूना कत्धिलां ऽ गधा धिरधिर किटतक्

\+ | o
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
धा तूना कत्धिलां ऽ गधा धिरधिर किटतक धा ऽ घ्ड़ान् धातित् धातिर

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
किटतक् धेत्धे ऽ त्धेत् ताता ताता कत्तिर किटतागे तिरकिट कड़ान् तिरतिर

| o |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
किटतागे तातिर किटतागे थुन् थुन् तिट तिट कत्धिलां ऽ गधा धिरधिर

\+ |
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटतक् धा तूना कत्धिलां ऽ गधा धिरधिर किटतक् धा तूना कत्धिलां

o | +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
ऽ गधा धिरधिर किटतक् धा ऽ घ्ड़ान् धातित् धातिर किटतक् धेत्धे ऽ त्धेत्

| o
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
ताता ताता कत्तिर किटतागे तिरकिट कड़ान् तिरतिर किटतागे तातिर किटतागे

\+ |
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
थुन् थुन् तिट तिट कत्धिलां ऽ गधा धिरधिर किटतक् धा तूना कत्धिलां

o | +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धा ना धिलां ऽ गधा धिरधिर किटतक् धा

नोट—संस्कृत में इसको दंडक छन्द कहते हैं।

टुकड़ा बिजली का

(छन्द गीतांगी या झूलना भी इसको कहते हैं)

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४
तड़ित तड़ तड़ धेते ट घेघे तेट धागेन चड़ान् तुना कतेटे धा घह रा त विज्जु
| ० | +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
घटा न घेघे नन धा त घेघे नन धा त घेघे नन धा ॥

टुकड़ा बराबर की लय का

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
तिर किट तक तत् धिर धिर तिर किट धा ऽ तिर किट तक
\+ | ०
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
ता किट तक तिन् ऽ तिर किट तिर किट तक तिर किट तक तिर किट
| +
१३ १४ १५ १६ १
तित् ऽ तिर किट धा ॥

—:o:—

टुकड़ा शिखर्णी छन्द का तिहाई सहित

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
(ता धिं) धिड़ धा कद्धा तृि द्धा ऽ क्र धेटे तिट गिन धा तिन गिना ऽ
\+ | ० | +
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽ क ति चा ना तित ता ऽक्र धेटे तेटे धा ऽ क्र धेटे तेटे धा ऽ क धेट तेटे धा ॥

टुकड़ा भुजङ्गप्रयात् छन्दका तिहाई सहित

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
(ता धिन्) किड़ धित्ता ऽ न किड़न गतिर किटता ऽ तिर किट ऽ किड़ धित्ता

। + ।
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
ऽ कीड धित्ता ऽ किड़ धाधा ऽ न धा ऽ किड़ड़ धित्ता ऽ किड़ धित्ता

० ।
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
ऽ किड़ धाधा ऽ न धा ऽ किड़ धित्ता ऽ किड़ धित्ता ऽ किड़ धाधा

\+
१६ १
ऽ न धा ॥

गत पंजाबी आड़ी दून की लय में

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
धगेत् तकिट धगन गधिन धागेतिर किटघेन घेड़ना गेधिन घ्ड़ान ऽधा धाघे

। + ।
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
ऽ ड़नग घेन घेड़नग तिरकिटतू नाकत तकती ऽ तक ताके ड़नग तकति

० ।
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
गेनग तिरकिटत तगेन धागेतिर किटघेन घेड़ना गेधिन धागेतिर किटघेन

\+
१५ १६ १
घेड़ना गेधिन धा

गत पंजाबी आड़ी

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
घेड़ ऽ न गति ऽ-ता ऽ घे ड़ न ऽ ग दि ऽ ग्घे ड़न ऽ ग तिट ऽ क

\+ । ० ।
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
ता कि ऽ ट कत ऽ क धातिर ऽ किट घेन ऽ ग दीग ऽ न धागे ऽ ना

। + ।
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
गेघे ऽ न धागे ऽ न धागे ऽ न ताक ऽ ति न गे ऽ न ताक ऽ ति नगे ऽ न

० । + ।
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
तक ऽ त क त ऽ क तिन ऽ ति नती ऽ न घेन ऽ ति टघे ऽ न तिट ऽ घे

० । +
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
नति ऽ ट तिरकि ऽ ट घे ऽ त् तिर ऽ किट घेत् ऽ तिर किट घे ऽ त् घे न

। ०
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
ऽ ति ट घे ऽ न ती ट ऽ घे न ति ऽ ट तिरकि ऽ ट घे ऽ त् तिर ऽ किट

। + ।
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
घेत ऽ तिर किट घे ऽ त् घेन ऽ ति ट घे ऽ न तीट ऽ घेनति ऽ ट

० । +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तिरकि ऽ ट घे ऽ त् तिर ऽ किट घेत् ऽ तिर किट घे ऽ त् धा

त पंजाबी ३

०   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागे ऽ ना गेघे ऽन घेड़ ऽ ना गेति रकिट धा ऽड़ धगे ऽन धगे ऽन तगे ऽन

\+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४
ऽ ऽते नते ऽन धगे ऽन घेना ऽ ऽ ऽघे नघे ऽन घेन ऽघे नकेऽन तेन ऽ तेनतेऽन

। ० । + ।
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
कति ऽट कता ऽ ऽ ऽते टेते ऽटे कति ऽट कताऽ घेते ऽटे घेना ऽ घेते

० ।
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
ऽटे घेना ऽ घेते ऽटे घेड़नगदिन तकतिरकिटतक् घिरकिटतक् घिरकिटतक्

\+
१६ १
घिरकिटतक् धा

---

० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धा ऽनधिकि ऽट धातिरकिट धकि ऽट तकि ऽट घेना ऽ तकि ऽट घेना ऽ तक

| ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
ऽ तक तऽक तकि ऽ टघेना ऽ तक ऽ तक त ऽक तकि ऽट घेना ऽ धगऽधग

| ० | +
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
ध ऽ ग धगे ऽ न धगे ऽ न तग ऽ तग त ऽ ग तगे ऽ न तगे ऽन धगऽधग

| ० | +
४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
ध ऽ ग धकि ऽटधकि ऽ ट तग ऽ तग त ऽ ग तकि ऽ टतकि ऽ ट धिं ऽ त

| ० | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
धागे ऽ न तिं ऽ तातगे ऽ न धिं ऽ तधागे ऽ न तिं ऽ ततागे ऽन धिंऽधिं

| ० | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
ऽ धिं ऽ धिं ऽ तधागे ऽ न ति ऽ तिं ऽ विं ऽ तिं ऽ ततागेऽन धिंऽतधगे

| ० | +
४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽ न धा ऽ धिं ऽ त धग ऽ नधा ऽ धिं ऽ तधगे ऽ न धा

बोल धनाक्षरी छन्द का

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३
धाति ऽ द्धा ऽ न तिट घेतिर किटधा तिट तिट कति टता ऽ न किट धातिर

+ | ० |
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
किटधे तिट तिट कत कृधा ऽ न कत धा ऽ कत धा ऽ कतधा कत कृधा ऽन

+ | ० | +
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
कत धा ऽ.कत धा ऽ कत धा कत कृधा ऽ न कत धा ऽ कत धा ऽ कत धा

नोट-इस बोल में तिहाई का हर एक हिस्सा अलग २ बन्दिश का

बोल घनाक्षरी छन्द का

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
धागे नत किट धेन धगे नधा ऽ ड़ धेन धेन गदि गन धेन तिरकिट तुना कत

\+ । ०
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
तक ताकिट तकधिर किटधिर किटतक् तान किटतक धिधिं धिधिं धातिर

। + ०
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
किड़धा तेटे धा ऽ तेटे धा ऽ तेटे धा धातिर किड़धा तेटे धा ऽ ते टे धा ऽ ते

। +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
टेधा धातिर किड़धा तेटे धाते टेधा तेटे धा

बोल घनाक्षरी छन्द का

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
कातिर किटधे तेटे कातिर किटधे तेटे कत कत का तिर किटधे तेटे कत

। + । ०
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
धेतिर किटतक् तातिर किटतक् ता ऽ धा ऽ कातिर किटधे तेटे कत धा

। + । ०
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
कत धा कत धा तिट कातिर किटध तेटे कत धा कत धा कत धा तिट कातिर

। +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किटधे तेटे कत धा कत धा कत धा

बांट कहरवे छन्द का

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१. { धिगेनधि गेन धाड़ा तिगेनतो गेन ताड़ा धिगे नधि गेन धाड़ा तिगे नति
१५ १६
गेन ताड़ा ॥

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
२. { नाधि ऽ कृधि नाड़ा धिन नाति ऽ कृ ति नाड़ा तिन नाधि ऽ कृधि नाड़ा
।
१२ १३ १४ १५ १६
धिन नाति ऽ कृति नाड़ा तिन ॥

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
३. { घेना गेधा गेधा तिन केना गेता गेता तिन घेना गेधा. गेधा तिन केना
१४ १५ १६
गेता गेता तिन ॥

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
४. { घेन त धा घेन त धा घे ना ऽ न धा धा केन त धा केन त धा घेना ऽ न
१५ १६
धा धा ॥

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
५. { धा गधि ना धिन् धा गधि ना धिन् ता गति ना धिन् धा गधि ना धिन् ॥

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
६. { धिन् तधिं ऽ धि नत तिन् ततिं ऽ ति नत धिन् ताधिं ऽ धि नत तिन्
१४ १५ १६
ततिं ऽ ति नत ॥

बांट आड़ी लय

\+ । ०

१. { धाधा ऽ घेन धागेतु नाकत्ता धातिरकिट धागेन धागेतु नाकत्ता ताता ऽके
तागेतु नाकत्ता धातिरकिट धागेन धागेतु नाकत्ता ॥

२. { धतिरकिट धागेन धागेतु नाधेन धातिरकिट धागेन धागेतु नाकेन तातिरकिट
तागेन तागेतु नाधेन धातिरकिट धागेन धागेतु नाकेन ॥

३. { धातिरकिट धागेन धातिरकिट धागेन धातिरकिट धागेन धागेतु नाकेन
तातिरकिट तागेन तातिरकिट तागेन धातिरकिट धागेन धागेतु ना घेन ॥

४. { धाधा गधेन ताधा गधेन घेनता गतिन तेना चकिट ताता गतेन धाधा
गधेन घेनता गतेन घेना चकिट ॥

५. { घेनधा गेतिन गेनधा गेधिन तिनधा गेधिन गेनधा गेधिन तिनधा गेधिन
घेनधा गेधिन धाधा गेधिन धाधा गेधिन धा ॥

\+ | o
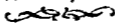
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

धगध गधग धगेन धगेन तगतगतग तगेन तगेन धगध गधग धगेन धगेन

|

१३ १४ १५ १६

तगत गतग तगेन तगेन ॥

\+ | o

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११

धागेते टघेन धागेतु नाकत्ता तागेते टघेन धागेतु नाकत्ता धागेते टघेन धागेतु

|

१२ १३ १४ १५ १६

नाकत्ता तागेते टघेन धागेतु नाकत्ता ॥

\+ | o

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११

धगेन धगेन धागेतु नाकत्ता धागेते टघेन धागेतु नाकत्ता तगेन तगेन तागेतु

|

१२ १३ १४ १५ १६

नाकत्ता धागेते टघेन धागेतु नाकत्ता ॥

\+ | o

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११

४. धगध गधग धागेन धागेन धागेतु नाकत्ता तागेतु नाकत्ता तगत, गतग तगेन

|

१२ १३ १४ १५ १६

तगेन धागेतु नाकत्ता तागेतु नाकत्ता ॥

\+ | o

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

५. धागेते टघेन धागेतु नाकत्ता धातिरकिट धागेन धागेतु नाकत्ता तागेते टकेन

११ १२ १३ १४ १५ १६

तागेतु नाकत्ता धातिरकिट धागेन धागेतु नाकत्ता ॥

+ १ २ ३ । ४ ५ ६ ७ ८ ९
६. धातिर किट धागेन धातिरकिट धागेन धागेन धगेन धागेतु ना कत्ता तातिरकिट

। १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तगेन तातिरकिट तगेन धातिरकिट धगेन धागेतु नाकत्ता ॥
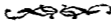
बांट कहरवे के छन्द का दून की लयमें

+ १ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ ० ९
१. धाक्र धिनधा धिनधा धेनगेन धागेनागे धेनगेन धागेत्रक तुनाकत ताक्र

। १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तिनता तिनता तेनगेन धागेनागे धिनगेन धागेत्रक तुनाकत ॥

+ १ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ ० ९
२. धाक्र धिनधा धिनधा धेनधेन धागेनधिन कधिन त्रकधेन धेड़नकग ताक्र

। १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तिनता तिनता तेनगेन धागेनधि नकधिन त्रकधिन घेड़नग ॥

+ १ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ ० ९
३. धाक्र धिनधा ऽ द्धा धेनगेन ऽ त्रक तुनाकत धागेनधि नकधिन् ताक्र

। १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तिनता ऽ ता तेनगेन ऽ त्रक तुनाकत धागेनधि नकधिन् ॥

+ १ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ ० ९
४. ऽक्र धिनधा धाधेन गेनतक ऽत्रक तुनाकत ऽ धि नकधिन् ऽक्र

।
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तिन्ता तातेन गनतक ऽ त्रक तुनाकत ऽ धि नकधिन् ॥

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
५. ऽधि नकधिन् धागेनधि नकधिन् ऽ ति नकतिन् तागनति नकधिन् ऽधि

।
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
नकधिन् धागेनधि नकधिन् ऽ ति नकतिन् तागेनति नकधिन् ॥

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
६. ऽधि नकधिन् ऽ धिधि नकतिन् ऽ ति नकतिन् ऽ धिधि नकधिन् ऽति

। +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
नकतिन् ऽ धिधि नकधिन धाधि नकधिन् धाधि नकधिन् धा ॥

\+ ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
७. { धा कुधे नकधेन धागेन धिं ऽ धिनागे ताकुते नकतेन धागेनधिं ऽ धिनागे

० ।
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धा कुधे नकधेन धागेन धिं ऽ धिनागे ता कुते नकतेन धागेन धि ऽ धि नागे

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
८. { धाकुधे नकधेन धाकुधे नकधेन ता कुते नक धेन धाकुधे नक धेन धा कुधे

।
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
नकधेन धाकुधे नकधेन ता कुधे नक धिन धा कुधे नकधिन

\+ ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
९. धेनकधे नकधेन धागेकुधे नकधेन केनकते नकधेन धागे कुधे . नकधिन

।
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धेनकधे नकधेन धागे कुधे नक धेन केनकते नक धिन धागे कुधे नक धेन

\+ ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७..
१०. धागेक्धे नकधिन तागेक्धे नकधिन धागेक्धे नकधेन तागेक्ध

० ।
८ ९ . १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
नकधिन ऽ धि नकधेन धा ऽ धे नकधेन धा ऽ धि नकधेन धा

बांट कौवाली के छन्द का दून की लय में

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१. ताधी ऽ कृता ताधी ऽ कृता ताती ऽ कृता ताधी ऽ कृता धाती ऽ कृधा

।
११ १२ १३ १४ १५ १६
धाती ऽ कृता ताती ऽ कृधा धाती ऽ कृधा

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
२. धाक्र धिन्धिन् धाती ऽ कृता ताक्र धिंधि धाती ऽ कृधा धाक्र धिंधि धाती

।
१२ १३ १४ १५ १६
ऽ कृती ताक्र धिंधि धाती ऽ कृधी

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धिंता ऽ कृधा तिद्धा ऽ ड़्धा तिंता ऽ कृधा तिद्धा ऽ ड़्धा धिंता ऽ कृआ

।
११ १२ १३ १४ १५ १६
३. तित् ता ऽ ड़ता तिता ऽ कृधा तिद्धा ऽ ड़धा

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
४. धाधी ऽ गृधी ताती ऽ गृती ताधी ऽ गृधो धाती ऽ कृती धाधो ऽ गृधो धा

। +
१२ १३ १४ १५ १६ १
धाधी ऽ गृधी धा धाधी ऽ गधी।धा

त्रिताले के ठेके के कई प्रकार

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१. धा त्रिक धिन् ता ना धि धि ना ता त्रिक तिन् ता ऽ धिं धिं ना

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
२. धिं तिरकिट धिन् ना ना धि धिन् ना तित् तिन् ना तागे ताते निते नागे

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
३. धिं धिं धिन् ना ना धि धिन् ना ना तिं तिन् ता नाति ऽद्धा तिरकिट धिन्

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
४. धा धिं धिं धा धिं धिं धिं धा धा तिं तिं ता ताता तीकिड़ तिन्ना तिरकिट

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४
५. धि धिं धा तिरकिट धागे नधा ऽगृधि नाड़ा ति तिं ता तिरकिट धागे नधा

१५ १६
ऽक्रति नाड़ा

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
६. धागे नधि नाकड़ धिन्ना धागे नधा ऽगृधि नाड़ा तागे नति नाकुड धिन्ना

।
१३ १४ १५ १६
धागे नधा ऽगृधि नाड़ा

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३
७. धा धाति नाति धाड़ धाधि नाधि नाती धाड़ ता ताती नाती ता धाधी

१४ १५ १६
नाधी नाती धाड़

\+ ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२
८. गेदि ऽ न्ता नाधि ऽन्ता नाति ऽ न्ता नाधि नाड़ा गेदि ऽ न्ता नाधि ऽ न्ता

।
१३ १४ १५ १६
नाति ऽन्ता नाति नाड़ा

बोल एक ताला के

\+ । । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३
१. कुध तिट धिट कुध तिट धिट कुध तिट कुधे टेधे तेट कुधा तिट धिट कुधा

। । + ।
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
तिट कुध कुध तिट धिट कुधे टेधे तिट धिट धा तिट कुधे टेधे तिट धिट धा

। +
८ ६ १० ११ १२ १
तिट कुध टेधे तिट धिट धा

\+ । । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १ २
२. धा ता धा किड़धा दिन्ता क द्धा तांगड़ धा दींगड़ धा तांगड़ धा दिन्ता

। । +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १ २ ३
किड़धा दिन्ता क द्धा दिन् धा दिन्ता क द्धा दिन्ता क द्धाकत गदिगन

। । +
४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १ २ ३
धातां गड़धा दिगड़ धा दिंगड़ धा किड़धा किटतक् दींगड़ धा दींगड़ धा

। । + ।
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५
ता धा ता धा तांगड़ धा दींगड़ धा किड़धा किटतक् दींगड़ धा तगेन्न धा

। +
६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १
तिटकत गदिगन धाकत धेनकत धाकिड़ धाकिड़ धाकि——

तिहाई के साथ एकताले के ठके के कई प्रकार।

\+ १ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ । ९ १० ११ १२ + १
धिं धिं धा धा तू ना तिर किट धातिर किट्तक् तगतिर किटतक् कड़ान्

२ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ । ९ १० १२ ११ १२ + १ २ ३ ४
धाकड़ा ऽ नधा कड़ान् धा धिं धिं धा धा तू ना किट तक धा गधि नक

। ५ ६ ७ ८ । ९ १० ११ १२ + १ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ । ९
धिं ना धिं धिं न्ना ऽ ऽ ति नक तिन् ना धिं धिं न्ना धिं धिं धा धा

१० ११ १२ + १ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ । ९ १०
तू ना तिर किट धागे तिरकिट कड़ान् धाकड़ा ऽ नधा कड़ान् धा धिं धिं

११ १२ + १ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ । ९ १० ११ १२ + १
धा धा तू ना तिट तिट दिन् नन नन नन कड़ा धा कड़ा ऽनध कड़ान् धा
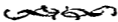
एकताले के ठेके में अतीत, अनागत, विषम और सम की क्रिया

\+ | | + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५
धिं धिं धा धा तू ना धागे त्रक धेन धेन धागे नधि नक धिन् धा ऽ धि नक

| + | |
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धिन् धा ऽ धि नक धिन् धा धिं धिं धा धा तू ना तागे त्रक धा ऽ धि नक

\+ | | +
११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४
धिं धिं धा धिं धिं धा धा तू ना कत् तेट धागे नधि नक धि धिं धा तधिं

| |
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ +
धिं धा धा तू ना केटे नाधिं ऽ धिं धा

नोट:—इस ठेके में पहले अतीत ग्रह की क्रिया की गई है जिसका आरंभ दूसरी आवृत्ति की बारहवीं मात्रा से हो कर तीसरी आवृत्ति की बारहवीं मात्रा पर यह समाप्त हो जाती है। अतीत के बाद अनागत ग्रह की क्रिया आती है जो चौथी आवृत्ति की दूसरी मात्रा से आरंभ करके पांचवीं आवृत्ति की दूसरी मात्रा पर पर समाप्त की जाती है। इसके बाद विषमग्रह की क्रिया आती है जो पांचवीं आवृत्ति की साढ़े चौथी मात्रा से आरंभ करके उसी आवृत्ति की साढ़े बारहवीं मात्रा पर समाप्त कर दी जाती है। इस ठेके को सम्पूर्ण रूप से लेने से समग्रह की क्रिया होती है जो पांच आवृत्ति की है।

(इन ग्रहों का विवेचन इस भाग के पाँचवें पृष्ठ में देखिए)

ऐक ताल के बाँट ।

\+ । ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
१. धाग धाति ऽ न्न धाग धाति ऽ न्न ताग ताति ऽ न्न धाग धाति ऽ न्न

\+ । ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
२. धाग धाग धातिं ऽ न्न ताग तातिं ऽ न्न ताग धाग धाग तातिं ऽ न्न

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
३. धाग धातिं ऽ न्न ताग तातिं ऽ न्न ताग धा धिं ऽ न्न धाग तातिं ऽ न्न

\+ । । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
४. धाग ताग ताधिं ऽ न्न धाति ऽ न्न धा धातिं ऽ न्न धा धातिं ऽ न्न धा

\+ । ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
५. धाग धातिं ऽ न्न धिन् तातिं ऽ न्न ताग धातिं ऽ न्न धिन् ताधिं ऽ न्न

\+ । ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
६. धिन् धाति ऽ न्न तिन् ताधिं ऽ न्न तिन् धाधिं ऽ न्न धिन् धातिं ऽ न्न

\+ । ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
७. धाधिं ऽ न्न तातिं ऽ न्न ताधिं ऽ न्न धातिं ऽ न्न धाधिं ऽ न्न तातिं ऽ न्न

\+ । । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
८. धा ऽ -ता धाधिं ऽ न्न तातिं ऽ न्न धा ऽ -ता धाधिं ऽ न्न तातिं ऽ न्न धा
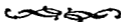
बोल झपताला के सिधी लयके

\+ । ० । + ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३
१. क चेटे घेन तेटे कातिर किटधा तेट तेट दिग तागे तिरकिट तकता कते

० । +
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
ट ता ऽ न धा तिरकिट धातिर किटधा तिरकिट धा ॥

\+ । ० । + ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४
२. तिरकिट तकता दिग तागे गदि गन धा कते टता नगे न ता ऽ न धा ति

० । + ० । ०
५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
द्धा कते टता नगे नता ऽ न धा ति द्धा कते टता नगे नता ऽ न धा

\+
१० १
ति द्धा ॥

\+ । ० । × ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४
३. कत कत् तेट तेट कातिर किटतक् तागे तेट धगे नत केट धागे दिन् दिन्

। ० × ० । ०
५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
नरा ऽ न् कते टता ऽ न थुं तड़ ऽ न्ना थु ड्रा घेता ऽ न केता ऽ न धा

\+ । ० । ×
१० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
तिरकिट घेता ऽ न केता ऽ न धा तिरकिट घेता ऽ न केता ऽ न धा ॥

———

बोल दून की लय में

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
४. धागेतिट तागेतिट कतकधि केटकत धागेनत किटधागे तिटकुधा ऽ नकत्
+ । ०
९ १० १ २ ३ ४ ५ ६
धादिं ऽ ता कत्ति ऽ द्धा ऽ घिरघिर किटतक्धाति द्धा ऽ घिरघिर
। +
७ ८ ९ १० १
कितटक् धाति द्धा ऽ घिरघिर किटतक् धाति द्धा ॥

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
५. दिनतक तेटकत कतिटत गेनतग कातिरकिटधा विरकिट धिन्तरा ऽ न्धा
+ । ०
९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७
कत्तेट घनतेट कुधद्ध किटकत धिलांग धा कुत ऽ द्धकिट कतधिलां ऽ गधा
। +
८ ९ १० १
कुधद्ध किट कत धिलांग धा ॥

(जोड़ा)

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
६. घेनकत घेघेतेट घेदेनत किटकत घेनाधा ऽ ड्घेन कतिटधु किटकत गेदिन
+ । ० ।
१० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
नगतिट कतिटता ऽ नधा तिचा धाकति टतान धाति चाधा कतिटता
+
९ १० १
ऽ नाधा तिचा धा ॥

७. तिरकिटधेत्ता तिरकिटधेत्ता तिटधड़न्नधा दिन्ताकत्ता धीकिटधानधुन् गेदानदिगदिन् ता।तिरकिटधेत् ताधादिन् ताकिड़धा दिन्ताकड़दिग दिन्तादिग-दिन् ता तड़न्ता ऽ न्धातोधा किटतकदींगड़धाति द्धातड़न्ता ऽ न्धाताधा किटतकदींगड़धाति द्धातड़न्ता ऽ न्धाताधा किटतकदींगड़धाति द्धा ॥

बोल आड़ी के लय का

८. कतक तकत कतिट तगेन कतिट तगेन कतक तकत तगेन तगेन तागेति टकिट तागेति टतागे तान धा तान धा कतिट तगन कातिरकिट धीकिट घेना धाड़ घेनधा ऽ घेन धान वड़ान धा ऽ घेनधा ऽ घेन धान वड़ान धा ऽ घेनधा ऽ घेन धान वड़ान धा ॥

(जोड़ा)

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
९. तगत गतग तकिट कतिट कतिट तकिट तगत गतग कतिट धादिन्ता
\+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
धिटति टधिट धिटति टधिट धान धा कड़ान धा कतिट धान तागेति टकिट
। ० । + ।
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५
कतिट धाड़ कतधा ऽ कत धान तान धा ऽ कतधा ऽ कत धान तान धा
० । +
६ ७ ८ ९ १० १
ऽ कतधा ऽ कत धान तान धा ॥

गत पंजाबी आड़ी

\+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
१०. धागेन कधेन धाघ ड़ान घेनध ड़ान घेनगि नतक त्रेघेन् नकिट तकत कतक
। ० । ।
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
तिनत कतक घेनक ताड़ घेनघे नतक तिरकिट तक् धिरकिट तक् धा ॥

\+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
११. कातिन कधिन घेनघे ड़नक कतक धातेटे घेनग दीगन धगे दिगेन दिगना
। ० । +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
नाकिट दिगना नाकिट धागेति टधागे नितिट ततिट घेनघे नघेन धाधा
। ० । +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
ऽधा किनति नकिन तिनत कतक केनक तकिट केनक तकिट धगेन धगेन
। ० । +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
धाधा ऽ धा घेत्ता धाड़ त्रेघेन् नकिट त्रेकेट धाकिटतक् धा ॥

बोल भड़ौवा के छन्द का ।

\+ । । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
कत्ते टेधा नाते टेता ऽ किड़ धाति द्धाकड़ा ऽ न्धा ऽ तिर किटतक् धा धा
। । +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
कड़ाऽ न्धाऽ तिर किटतक् धा धा कड़ा ऽ न् धा ऽ तिर किट तक् धा ॥

(जोड़ा)

\+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
तग्घड़ा ऽ न्धा धुन्नत् तेटे ऽ धा तिद्धा कतघड़ा ऽ नधा ऽ किट तक् ताधा
। ० । +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
कत्घड़ा ऽ न्धा ऽ किट तक्ता धा कत्घड़ा ऽ न्धा ऽ किट तकता धा ॥

कहरवा के छन्दका दूनकी लयमें

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
घेनाधा ऽ ड़धा घेड़नग दिनतक धेनघेड़ नगधेन घेड़नग दिनतक तिटतिट
\+ । ०
१० १ २ ३ ४ ५ ६
तिनतिन तागेतिरकिट तूनाकचा धागेनधा गेनधिन धागेतिरकिट तूनाकचा
। +
७ ८ ९ १० १
धिनधागे तिरकिटधिन धागेतिरकिट तूनाकचा धा ॥

(जोड़ा)

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
कतिटता ऽ नधा तिटधिलां ऽ गऋत कतितग तिटकति तगतिट किटतक

\+ । ०
६ १० १ २ ३ ४ ५ ६
धुन्धुन् तिटतिट कतिरकिटधा तिटकत कतिटक तिटधेन कतिटधा ऽ नधा ·

। +
७ ८ ६ १० १
किटतक तिटतागे तिरकिटतकता कत्तिरकिट धा ॥

झपताला का बांट बराबर की लयमें

\+ । । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
१. धागे तिरकिट धिन गिन धिन् धागे तिन गिन तागे तिरकिट धिन गिन

। ० । + । ०
३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० १ २ ३ ४ ५ ६
धिन् धागे धिन गिन धागे धिन गिन धागे धिन गिन धिन् धागे तिन गिन

। +
७ ८ ९ १० १
धा धिन धा धिन धा ॥

\+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० १ २
२. धातिर किटधि नक धिन धिन धागे धिन गिन तातिर किटधि नक धिन

। ० । + ।
३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० १ २ ३ ४ ५
तिन धागे धिन गिन धिर धागे तिन गिन धातिर किटधि नक धिन धातिर

० । + । ०
६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटधि नक धिन धातिर किटधि नक धिन धिन धागे तिन गिन तातिर

| + | o
८ ६ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६
किटति नक तिन तातिर किटति नक तिन धातिर किटधि नक धिन तिंन

+ | o | +
१० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० १
धागे धिन गिन धा ऽ धिन गिन धा ऽ धिन गिन धा ॥

+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १०
३. धिन गिन तागे नधि नक तिन गिन धागे नधि नक ॥

+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धिन धागे तिन गिन धिन तिन धागे धिन गिन तिन ॥

+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १०
धिन गिन तगेन नत गेन तिन गिन धगे नध गेन ॥

+ | o | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० १
धिन धा ऽ धन धा ऽ धिन धा ऽ धन धा ॥

+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १०
४. धिन् धिधी नक तेन गेन तिन् धिधी नक धेन गेन ॥

+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धागे नधि नक तिन गिन तागे नति नक तिग गिन ॥

+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १०
धिन कति नक तिन धिन तिन कधि नक धिन तिन ॥

+ | o | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० १०
धिन तिन धा ऽ धिन तिन धा ऽ धिन तिन धा ॥

बांट आड़ी लयके

```
    +                  |                           ०              |
    १         २     ३     ४          ५     ६       ७             ८
१.  धातिरकिट धगेन तगेन तातिरकिट  तगेन धगेन धातिरकिट तातिरकिट

    ९     १०
    तिगेन धगेन ॥

    +          |                  ०            |
    १    २    ३    ४     ५     ६     ७   ८     ९    १०
२.  धिन्ध गतिन गिन्ध गधिन तिन्धि ऽ गिन् तिन्ध गधिन तिनधि नगिन ॥

    +        |              ०         |
    १    २    ३    ४    ५    ६    ७    ८    ९    १०
३.  धगत गतिग तगध गधिग तगति गतग धिगध गतग तिगध गतग ।

    +        |                ०         |              +
    १    २    ३    ४    ५    ६    ७   ८    ९    १०   १
४.  तगत गतग तिगति गतिग धगत गतिग धात गतिग धात गतिग धा ॥
```

ताल झपताला की तिहाइयां हर एक मात्रा से सम तक की

तिहाई १ मात्रा से सम तक

```
    +            |                        ०             |
    १      २     ३     ४       ५        ६      ७      ८       ९
    तिटकत गदिगन धाति द्धातिट कतगदि गनधा तिद्धा तिटकत गदिगन

     +
    १०  १
    धाति द्धा ॥
```

तिहाई २ मात्रा से सम तक

```
+       |          o        |
१   २    ३     ४ ५    ६     ७  . ८
धी ) तिऽकत गदिगन धा ऽ तिट कतगदि गनधा ऽ तिटकत गदिगन धा ॥
```

तिहाई ३ मात्रा से सम तक

```
+                  o       |          +
१ . २   ३     ४    ५  ६     ७   ८  ९    १०  १
धी ना ) किटतक धाति द्धा किटतक धाति द्धा किटतक धाति द्धा ॥
```

तिहाई ४ मात्रा से सम तक

```
+  |              o          |                 +
१ २ ३   ४     ५   ६     ७     ८    ९     १०     १
धी ना धी ) धिनतरा ऽ क द्धाधिन् तरान् कद्धा धिनतरा ऽ नक द्धा ॥
```

तिहाई ५ मात्रा से सम तक

```
+   |       o         |       +
१ २ ३ ४   ५   ६ ७     ८   ९ १०   १
धी ना धी धी ) धाति द्धा ऽ धा तिद्धा ऽ धाति द्धा ॥
```

तिहाई ६ मात्रा से सम तक ।

```
+   |       o       |        +
१ २ ३ ४ ५   ६     ७ ८     ९ १०    १
धी ना धी धी ना ) धिलांग धा धिलंग धा धिलांग धा ॥
```

तिहाई ७ मात्रा से सम तक।

```
+   |     o        |               +
१ २ ३ ४ ५ ६   ७      ८      ९    १०   १
धी ना धी धी ना ती ) कृधान् धा कृधा ऽ नधा कृधान धा ॥
```

तिहाई ८ मात्रा से सम तक ।

```
+   |     o      |                   +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७   ८     ९       १०     १
धी ना धी धी ना ती ना ) धातधा ऽ धात धा ऽ धात धा ॥
```

तिहाई ९ मात्रा से सम तक।

+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
धी ना धी धी ना ती ना धी) धा धा धा ऽ धा धा धा ॥

तिहाई १० मात्रा से सम तक।

+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
धी ना धी धी ना ती ना धी धी) तधा तधा तधा ॥

झपताला की दून तिगुन और चौगून

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धीना धीधी नाती नाधी धीना धीना धीधी नाती नाधी धीना ॥

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
ग धीनाधी धीनाती नाधीधी नाधीना धीधीना तीनाधी धीनाधी नाधीधी
९ १०
नातीना धीधीना ॥

+ । ०
चौगून १ २ ३ ४ ५ ६
धीनाधीधी नातीनाधी धीनाधीना धीधीनाती नाधीधीना धीनाधीधी
।
७ ८ ९ १०
नातीनाधी धीनाधीना धीधीनाती नाधीधीना ॥
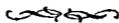
❋ अशुद्धम् शुद्धम् ❋

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
	टाइटिल पृष्ठपर	प्रयच्छति	नियच्छति
३	१३	१	०
६	८	नातक	तीतक
६	६	अनागतोऽनुताज	अनागतोऽनुताजम्
११	११	१४ डतृगत	१४ ऽ ततृग
११	१२	६ कतृतिरकिटतक	६ कतृतिर किटतक
२१	८	१४ ेडनग	१४ घेडनग
२२	८	७ घेनति	७ घेनति
२४	७	११ नधा	११ [illegible]

हिन्दी साहित्य के चार रत्न

बिहारी-सतसई, सटीक—(टीका०—स्व० लाला भगवानदीन जी) हिंदी-संसार में शृंगार-रस की इसके जोड़ की कोई भी दूसरी पुस्तक नहीं है। यह अनुपम और अद्वितीय ग्रंथ है। तृतीय परिवर्द्धित तथा संशोधित सचित्र संस्करण का मूल्य। १॥)

This book is sanctioned as a reference book for Hindi Teachers in High Schools of Central Provinces and Berar.

—Vide Order No. 6801, Dated 28-9-26

विनय-पत्रिका सटीक—(टी० वियोगी हरि) गोस्वामी तुलसीदास जी की सर्व श्रेष्ठ रचना यही विनय पत्रिका है। विनयसा भक्तिज्ञान का दूसरा कोई ग्रंथ नहीं है। इसमें गोस्वामी जी ने अपना सारा पांडित्य खर्च कर दिया है। (द्वितीय संस्करण) ७०० पृष्ठों की पुस्तक का मूल्य २॥)

This book is sanctioned as a reference book for Hindi Teachers in High Schools of Central Provinces and Berar.

—Vide Order No. 6801, Dated 28-9-26

आंख और कविगण—(संपादक—पं० जवाहर लाल चतुर्वेदी) हिंदी साहित्य में यह आंख पर की गई कविताओं का पहला संग्रह है। इसमें लेखक की ओज भरी मधुर हृदय-द्रावक फड़फड़ाती हुई अनोखी टीका—टिप्पणी के साथ प्राचीन और अर्वाचीन कृतिविद्य कवियों की कल्पनातीत—कविता का रसास्वादन कर आप तृप्त हो जायँगे। यहां केवल एक सम्मति देते हैं।

आंख पर संसार के सभी कवियों ने सभी भाषाओं में विचित्र-विचित्र उक्तियां कहीं हैं। संस्कृत और हिंदी का तो कहना ही क्या है। इन भाषाओं के कवियों ने तो जो विषय लिया उस पर जहां तक मानव कल्पना की पहुंच हो सकती थी पहुँच गए। ऐसी ऐसी उक्तियां सम्पादक महोदय को जहां मिली, आपने संग्रह की हैं रसिक सज्जनों को यह पुस्तक अपने पास अवश्य रखनी चाहिए।

—कृष्णदेवप्रसाद जी गौड़ (आज, काशी) मूल्य १)

पद्माकर की काव्य-साधना—(लेखक—अखौरी गंगाप्रसाद सिंह) यह ग्रंथ हिंदी के आलोचना-साहित्य का अद्वितीय रत्न है। इसमें पद्माकर का जीवन वृतांत, उनके ग्रंथों का आलोचनात्मक परिचय, उनकी काव्य-साधना की मीमांसा, और अंत में उनकी सरस सूक्तियों का संग्रह दिया गया है। इसकी लेखन-शैली हिंदी के लिए सर्वथा नवीन है। आलोचना जैसे नीरस विषय को भी इतने प्रभावोत्पादक रूप में लिखा गया है कि काव्य से भी अधिक सरस और उपन्यास से भी अधिक आनन्दप्रद बन गया है। साथ ही तुलनात्मक पद्धति के अनुसरण से ग्रंथ बहुत ही पांडित्यपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक हो गया है। साहित्य के विद्यार्थियों के लिये विशेष उपयोगी है। अनेक साहित्य महारथियों ने इसकी मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। मूल्य सजिल्द पुस्तक का १।।।) मात्र।

मिलने का पता:—साहित्य-सेवा सदन, काशी।

पुस्तक मिलने का पता —

पं० मन्नू जी औदीच्य मृदङ्गाचार्य,

किशुनदास मकुन्ददास,

बरतन के व्यापारी,

गोपालमन्दिर, बनारस सिटी।

बी के शास्त्री द्वारा ज्योतिष प्रकाश प्रेस, विश्वेश्वरगंज,

बनारस सिटी में मुद्रित। ६५७

श्रीः

ताल-दीपिका

[तबला प्रकरण]

चतुर्थ भाग

अथ नील सरस्वत्याः ध्यानम्

माणिक्य वीणा मुपलालयन्तीं मन्दालसां मंजुल वाग्विलासाम् ।
माहेन्द्र नीलद्युति-कोमलांगि मातंग कन्यां मनसा स्मरामि ॥
स रि ग म प ध नि स ता न्वां वीणा संक्रान्त चारु हस्तां ताम् ।
नीलाब्ज स्थिव मृदुलां कुचभरतान्तां सरस्वतीं वन्दे ॥

लेखक—

मन्नू जी मृदङ्गाचार्य,

गोपाल मन्दिर, चौखम्भा, बनारस ।

प्रथमावृत्ति १०००] सन्-१९५२ [मूल्य ४) रु०

श्रीयुत रमावल्लभ मिश्र (बरेली) तथा श्रीयुत रामकृपालु गुप्त (पीलीभीत), न लोगों के उत्साह से मैंने 'ताल दीपका' के चतुर्थ भाग को प्रकाशित किया। मिश्र जी का अथक परिश्रम सराहनीय है। भूतपूर्व, जैसे गुरुकुल में रहके गुरु शिष्य ा शुद्ध स्नेह और मर्यादा का पालन करते हुए शिक्षा प्राप्त होती थी, उसी प्रकार आपने नियम को निबाहा। अब 'ताल दीपिका' के पञ्चम और षष्ठम भाग के प्रकाशन का भार जनता के ऊपर है। आज से सौ वर्ष पूर्व नृत्य-कला की कौशलता की क्रिया का विशेष स्पष्टीकरण और ११—१३—१५ मात्रा इत्यादि के ाल के बोलों का विवेचन पञ्चम व षष्ठम भागों में किया जायगा।

श्री मन्नू जी
मृदगाचार्य
बनारस।

भूमिका

संगीत से मानव जीवन का ही नहीं अपितु प्राणी मात्र का आत्मिक सम्बन्ध है। गाना और रोना सब ही को आता है किसी को कम और किसी को ज्यादा। कोई शास्त्रीय संगीत पसन्द करता है और कोई निम्नस्तर के फिल्मी गाने। परन्तु संगीत लगता सबको अच्छा है। यदि किसी को शास्त्रीय संगीत नहीं रुचता तो यह संगीत की कमी नहीं है, वरन् उस व्यक्ति की रुचि उचित वातावरण और शिक्षा के अभाव से परिष्कृत नहीं हुई है, ऐसी बात है। जिस प्रकार उच्चकोटि की कविता, चित्रकला अथवा शिल्प कला सभी जन साधारण के लिए सुगम नहीं होती है ठीक उसी प्रकार उच्चकोटि का शास्त्रीय संगीत सभी के लिए सुगम नहीं है। क्योंकि उसके लिए जो परिष्कृत कलामय वातावरण चाहिए उसका हमारे देश में एक शताब्दी से अभाव रहा है। संगीत केवल गायिकाओं के कोठे तक सीमित हो गया था। सभ्य जनता यथा सम्भव उससे दूर ही रही। साहित्य में जिन कवियों का चोटी पर स्थान है उनके गेय पद भी गाने पर लोगों को नहीं रुचते थे। उनकी मांग गजल और कव्वाली तक ही सीमित थी परन्तु समय ने करवट बदली देश के दो त्यागी महानुभावों श्री विष्णु दिगम्बर जी तथा भातखण्डे जी ने भगीरथ परिश्रम करके संगीत को उच्च आसन पर बिठाया। संगीत का जो ज्ञान कुछ व्यक्तियों तक ही सीमित था उसको पुस्तक का रूप देकर रागाध्याय को जनता के सामने रख दिया। परन्तु काम इतने से नहीं चला। संगीत तीन चीजों से बना है गान, वाद्य और नृत्य। स्वराध्याय का काम तो चल गया परन्तु ताल और लय का वह विषय जो संगीत का व्याकरण है और जिसके बिना स्वर का कोई रूप ही नहीं बन सकता वह अभी तक अगम्य था। उसपर कुछ हिन्दू कत्थकों और मुसलमान तबला बजाने वालों का अधिकार था। एक तो ताल, लय का कोई रूप लिखना ही कठिन और फिर इसके ज्ञाताओं के लिए काला अक्षर भैंस बराबर। ऐसे समय में श्रीयुत परम पूज्य आचार्य मन्नू जी ने देश के संगीत के प्रेमियों के लिए इसका बीड़ा उठाया। आज भारत

प्रसिद्ध श्री कुदऊसिंह जी की शिष्य परम्परा में से हैं। गान तथा मृदंग का पूर्ण ज्ञान करने के बाद आपने तबला सीखा और भारतवर्ष भर में घूमकर तबले के सभी प्रसिद्ध घरानों के बाज का सम्यक् अध्ययन किया आपने करीब ३० वर्षों तक तबले के विभिन्न बाजों का संकलन किया है। आपका उदार हृदय को संगीत के आचार्यों की कृपणता से सदा दुःख रहा है। आप हिन्दू विश्वविद्यालय में संगीत कालेज के मृदंग और तबला विभाग में प्रोफेसर थे। वहां पर विद्यार्थियों को जिस उदारता से आपने शिक्षा दी है वह सराहनीय है। इसी भावना से आज से २२ वर्ष पूर्व आपने 'ताल दीपिका' पोथी लिखी जिससे विद्यार्थी स्वयं उसको पढ़कर तबला सुगमता से सीख सकें। इसके पिछले तीन भागों में बहुत सुन्दर विषय दिया है। अब उस पोथी का चतुर्थ भाग छपकर आया है। मैं समझता हूँ कि ताल के यह गम्भीर विषय जिनको तबले के बड़े २ उस्ताद भी नहीं जानते थे उनको इसमें लिखकर आपने संगीत और देश की बड़ी सेवा की है। विशेषतया यह पोथी विश्वविद्यालय की तबले विषय की परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। ताल के विषय में कर्नाटक तथा उत्तरीय पद्धति की विवेचना करनेवाली ऐसी कोई पुस्तक नहीं थी। यह पोथी देश के संगीत की अमूल्य निधि साबित होगी।

जिन एक बोल अथवा पेशकार के लिए पेशेवर उस्ताद लोग हजारों रुपया चाटने के बाद बतलाने में कृपणता करते हैं। ऐसे सैकड़ों बोल सभी घरानों के इस पोथी में दिए हैं। दिल्ली, पंजाब, बनारस, लखनऊ सभी बाज इसमें दिए गए हैं। नाच, स्तुति तथा तन्त्रकारों का अलग बाज लिखकर तो लेखक ने जिज्ञासु के लिए सामिग्री दी है।

मैंने भी हिन्दू विश्वविद्यालय में रहकर आप से ही संगीत का ज्ञान प्राप्त किया है। इसकी भूमिका मैं क्या लिखूं, मेरा ज्ञान ही क्या परन्तु गुरुदेव की आज्ञा। इस पोथी के (प्रूफ) संशोधन का कार्य भी मुझे सौंपा था। अतएव इसकी त्रुटियों का पूरा उत्तरदायित्व मेरा है और पाठकगण मेरे अज्ञान को क्षमा करेंगे।

रमावल्लभ मिश्र

आलमगीरीगंज बरेली।
मकर सक्रान्ति २००९

विषय-सूची

तबला के निर्माण का इतिहास

तबला यह शब्द उर्दू न हिन्दी और न संस्कृत का है। यह शब्द अरबी के तबल से बना है। १९ वीं शताब्दी में अमीर खुसरू ने मृदंग को दो, हिस्सों में बाँट कर तबला के रूप में परिवर्तन किया। मुसलमानी सभ्यता के समय गणिकाओं के गायन का अधिक प्रचार था। उनके साथ मृदंग और सारंगी बजा करती थी। खड़े होकर के गायन वा नृत्य करने के समय मृदंग को गले में लटका अथवा बाँधकर बजाने में असुविधा होने के कारण तबले का निर्माण किया है। तार यन्त्र और कुछ तालों का भी निर्माण किया जैसे वीणा की नकल सितार, झपताला, धमार, दीपचन्दी इत्यादि ताल की रचना की जैसा तबले का रूप है वैसे ही शब्द बनाते हुए, मृदंग के कुछ शब्दों को लेते हुए तबले में शब्द निकालने की रीति की रचना की। जिसमें ठाँकी के शब्द बजाने में सुविधा हो।

उदाहरण:—

१   १   २   ३
धिना, तिरकिट, तिना, तिरकिट, इत्यादि। धिनाड़ा तिरकिट धिन् तिरकिट धिना

४   ५   ६   ७   ८
ड्डा तिरकिट तिनाना तिरकिट धिन् तिरकिट धिना ड्डा तिरकिट।

ऐसे शब्द को लय के साथ बाँध कर क्रिया करने को बाँट कहते हैं। और भी कई प्रकार के शब्द को लयके साथ बाँधते हुए पेशकारा, लग्गी, अंगुस्ताना और गत इत्यादि और स्याही पर भी शब्द निकालने की क्रिया इसी प्रकार की गई है। उदाहरणः—घातिर किट, तक तूना, तातिर किट, तक तूना। इस प्रकार के शब्द की रचना तबले में मध्य, द्रुत लय में भी सरलता के साथ निकल सकती है। किन्तु इस प्रकार रचना किये हुए शब्द मृदंग में मध्य, लय में भी निकलना कठिन हो जाता है।

कला विवेचन

ध्रुव का, सर्पिणी, कृष्णा, पद्मनी, च विसर्जिता ।
निक्षिप्तका, पताका, च कला स्यात्पतिताष्टमो ॥
स शब्दा, तु ध्रुवा, ज्ञेया सर्पिणी वाम गामिनी ।
कृष्णा, दक्षिण तो गन्त्रो पद्मनी, सा दधो गता ॥
विसर्जिता, वहिर्याता निक्षिप्ता कुञ्च नात्मिका ।
पताका, तूर्ध्व गमना त्पतिता करं पात नात् ॥
ध्रुव पाते प्रयोज्यास्ता नासा पादौ कदा चनां ।
लघौ तु ध्रुवका ज्ञेया ध्रुवका पतिता गुरौ ॥
ध्रुव का सर्पिणी कृष्णा स्तिस्र एताः प्लुत मताः ।
तत्र मार्ग प्रभेदेन कला भेदान्प्रचक्ष्महे ॥

इस प्रकार सगीतज्ञ विद्वानों ने कला के ८ भेद कहे हैं उनके नाम ध्रुवका, सर्पिणी कृष्णा, पद्मनी, विसर्जिता, विक्षिप्तका, पताका और पतिता ये सब कलायें शाब्दिक कला के अन्तंगत प्रयोग में लाई जाती हैं। शब्द के साथ ध्रुवका, कला, बाँयी ओर चलने वाली सर्पिणी, दाहिनी ओर जाने वाली कृष्णा तथा नीचे को जाने वाली पद्मनी बाहर की ओर जाने वाली विसर्जिता कला कहलाती है। हाथों को सिकोड़ने से होने वाली कला विक्षिप्ता, ऊपर जाने वाली पताका और हाथ के गिराने से पतिता कला होती है।

सूचना—क्रिया की निपुणता को कला कहते हैं।

इन सब कलाओं का प्रयोग सर्वदा ध्रुव पद अर्थात् शाब्दिक क्रिया में हुआ करता है। नि शाब्दिक क्रिया के आवाप इत्यादि चारों भेदों मे शब्द नहीं होता। ध्रुव का कला लघु (।) मे ध्रुव का और पतिता गुरू (ऽ) में तथा ध्रुव का सर्पिणी, और कृष्णा ये तीनों कलायें प्लुत मे ऽ होती हैं अब यहाँ मार्गीय भेदों से कला के भेदो को कहता हूँ।

तदर्धार्ध प्रभेदेन शास्त्रतः सम्प्रदायतः ।
नुक्का पतिता चित्रे वार्तिके त्वा दिमे उभे ॥

मुक्तये केव ध्रुव का कला के भेद शास्त्र और संगीत कला की क्रिया दोनों के मता-नुसार क्रम म आधे आधे हैं। अर्थात् ध्रुव, का, के आधे तौल के समान सर्पिणी, सर्पिणी, की भांति निष्क्राम, इसी प्रकार क्रम से अन्य कलाओं की तौल कही गई है। विशेषतः कलाओं का प्रयोग नृत्य कला की क्रिया में अधिक स्पष्ट होता है।

सूचना प्रवाप, अर्थात् एक समय में एक क्रिया को छोड़ना और दूसरी क्रिया को पकड़ना संस्कृत भाषा के साहित्य में आवाप कहते हैं।

लय विभाग

क्रिया नतर विश्रांतीर्लयः स त्रिविधो मतः ।
द्रुतो मध्यो विलम्बश्च द्रुतः शीघ्र तमो मतः ॥
द्विगुण द्विगुणौ ज्ञेयो तस्मान्मध्य विलम्बितौ ।
मार्ग भेदाच्चिर क्षिप्र मध्य भावैर नेकधा ॥

क्रिया के आरम्भ होने के पश्चात होने वाली विश्रांति (ठहराव) को लय कहते हैं। लय तीन प्रकार की मानी गई है द्रुत (जल्द) मध्य, न बहुत धीरे न जल्द, और विलम्बित, (धीरे) दूसरा प्रकार, द्रुत, लय शीघ्र होने वाली क्रिया को कहते हैं। मध्य, लय द्रुत लय से दूनी विश्रांत वाली क्रिया को कहते हैं। विलम्बित, लय, मध्य लय से दूने विश्रांति वाली क्रिया को कहते हैं। इन भेदों मे एक मात्रा के भीतर भी द्रुत, मध्य और विलम्बित लय काल के अन्तर गत होसकता है। उपरोक्त क्रम के अनुसार मार्ग भेदों से भी लय, चिर क्षिप्र और मध्य भावों मे कई प्रकार की होती है। जैसे दक्षिण मार्ग मे चिर भाव, (स्थाई)-चित्र मार्ग में क्षिप्र भाव, (जल्दी) और वार्तिक मार्ग-मे (मध्य) न बहुत जल्दी न धीरे भाव, का लय के अनुसार मात्रा प्रमाण से—होगी। विश्रान्ति काल के एक ही समान रूप रहने पर भी उन २ क्रियाओं द्वारा निदर्शित जैसे मार्ग भेदों से लय के भी भेद होसकते हैं। इसी प्रकार यदि भेद किये जायें तो द्रुत मे भी द्रुत मध्य, द्रुत विलम्बित, मध्य मध्य, विलम्बित

मध्य, विलम्बित मध्य, विलम्बित द्रुत इत्यादि अनेक भाग होते जायेंगे किन्तु इनका उपयोग संगीत में अनुर कारी होने से इन से काम नहीं लिया जाता। केवल अक्षर पद और वाक्य में द्रुत, मध्य और विलम्बित लय संगीत के लिये स्पष्ट उपयोगी मानी गई है।

यति वर्णन

लय प्रवृति नियमो यति रित्य भिधीयते ।
समा, श्रोतो वहा चैव मृदगा च पिपीलिका ॥
गोपुच्छा, चेति विबुधैर्यतिः पञ्च विधो दिता ।

यति लय की प्रविति अर्थात् चाल क्रम (गति) के नियम को कहते हैं। यति, पाच प्रकार की मानी गई है। समा, श्रोतो वहा, मृदगा पिपीलिका, और गोपुच्छा।

आदि मध्या वसानेषु लयै क्तवे समा त्रिधा ।

आदि मध्य और अन्त इन भेदो से समा, यति भी तीन प्रकार की होती है। आरम्भ, बीच, और अन्त, तीनों स्थानों पर बराबर एकही की लय होना यही समा, यति, का रूप है। समा, यति, का सूक्ष्म रूप आरम्भ।, बीच।, और अन्त।, तीनों स्थान पर गति समान हो।

१ (आदि) २ ३ ४ ५ (मध्य) ६
समा, यति का स्थूल रूप, धागेतिट धागेतिट तागेतिट तागेतिट धागेतिट किटधागे

७ ८ ९ १० (अन्त) ११ १२ १ २ ३
तिट।कट तागेतिट किटत गे, तिटकिट गदिगनधा (धा, धा, धा,)

चिर मध्य द्रुत लयैयु क्ता स्रोतो वहा मता ।
अन्या स्थिर मध्याभ्यां मध्य द्रुत वतो परा ॥

श्रोतोवहा जो क्रम से आदि में विलम्बित लय. बीच में मध्य लय और अंत में द्रुत लयहो उसे श्रोतो
(आदि) (मध्य) (अन्त) १(आदि) २
वहा कहते हैं। श्रोतो वहा, का सूक्ष्म रूप ऽ, ऽऽ, ।।।, स्थूल रूप-धाकिट तकिटत,
३ ४ (मध्य) ५ ६ ७ ८ (अन्त)
काकिट, धाकिटतक धुमकिट धुमकिट तक, धुमकिट तक धा किटधुम किटतक, तकिटतका
९ १० १ २ ३
किट तक् गदिगन धा, किटतक् गदिगनधा किटतक् गदिगन धा। धा, किट, धा धा धा धा,

सूचना – कुछ संगीतज्ञ विद्वानों का मत है कि स्रोतोवहा में बीच की लय विलम्बित, आदि में मध्य. लय और अन्त में द्रुत लय हो श्रोतोवहा कहते।

(मध्य) (विलम्बित) (द्रुत) १ (आदि) २ (मध्य)
सूक्ष्म रूप–ऽ, ऽ, ।, श्रोतोवहा का स्थूल रूप-धातिरकिटतक, कतधेन,
३ अन्त) ४
किटतकधा किटतकधा किटतकधा।

मृदंगा, तु द्रुता द्यन्ता, मध्ये मध्य लयान्विता ।
तथै वान्या द्रुता द्यन्ता, ज्ञेया मध्ये विलम्बिता ॥

मृदंगा आदि और अन्त में द्रुत, लय, बीच में मध्य, लय कुछ अन्य विद्वानों के मतानुसार आदि अन्त में द्रुत लय और बीच में विलम्बित लय।

१ आदि) २ ३(मध्य) ४
मृदंगा पहली, स्थूल रूप—धातिरकिट धिरकिट तक् तिरकिट धा, दिन्दिन् तिटतिट
५ (अन्त) ६ १ (आदि)
कातिरकिट तिरकट धिरकिट तक् धा। मृदंगा दूसरी तिरकिटतक् धिरकिटतक् तिरकिट
२ ३ ४(मध्य) ५ ६ ७ (अन्त) ८
धिरधिरकिटतक् धातिरकिटतक्, धा, धा, तू, ना कतिरतक् धा, कत्तिर किटतकधा,
९
कत्तिरकिट तक् धा।

मृदगा तीसरी, मध्य, और आदि में द्रुत, लय अन्त में विलम्बित लय इस प्रकार
दगा के तीन भेद हैं।

१ (आदि) २ (मध्य) ३ (अन्त)
स्थूल रूप—किटतक् गदिगनधाकिटतक्, गदिगनधा किटतक् गदिगन, धागेतिट,
५ ६
धागेतिट, क्रिडधातिट, गदिगन।

पिपीलिका गती अर्थात चींटी की चाल

पिपीलिकातुकथिता, मध्येद्रुत विलम्बिता।
अग्रन्तमध्याचैवान्या, प्रोक्तामध्येद्रुतान्विता॥
मध्ये मध्यान्विता ग्रन्त, विलम्बित लयापरा।

जो लय आदि अन्त में विलम्बित और बीच में द्रुत लय रहती है। उसे पिपीलिका कहते हैं। ऐसी ही कल्पना करके कोई लोग (कुछ विद्वान) आदि अन्त में मध्य लय और बीच में द्रुत लय तथा कोई लोग आदि अन्त में मध्य लय और बीच में विलम्बित लय मानते हैं।

१ (आदि) २ ३ (मध्य) ४ ५
पिपीलिका पहली धातिरकिटतक, ताऽऽ, धिनतरानधातनाकत, कतिटधा, ऽनतिट,

१ (आदि) २ ३ ४ ५ (मध्य), ६ ७
पिपीलिका दूसरी—धागे तिट, नागे तिट, धगेनधकिटधागे, तिटकिट क्टितक, किट
(अन्त)
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १ (आदि) २ ३
तक धाऽ किट तक धाऽ किट तक धाऽ। पिपीलका तीसरी—किट तक ताऽ, क्रिटतक
(मध्य) (अन्त)
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ताऽ, धा ऽ दिन् ता, क ड्राति ड्राऽ क ड्राति ड्राऽ क ड्राति ड्रा।

सूचना—समा यति अर्थात् जहां पर जल का प्रवाह स्थिर गति के साथ बहता हो समा यति कहते हैं। श्रोतो वहा जैसे झरने का प्रवाह, मृ-गा मृदग के आकारके समान पिपीलिका चींटी क गति के सदश और गोपुच्छा अर्थात गऊ क पुच्छ के समान हैं और भी अनेक प्रकार की यति यथा लय की गति होती है, उनका विवेचन आगे किया गया है

यति, वर्णन

मध्या रम्भा विलम्बान्ता, गोपुच्छातु यतिर्मता ।

गोपुच्छा, जो गति मध्य, लय से आरम्भ होकर क्रमश विलम्बित लय होता जावे ऐसी गति को गोपुच्छा यति, कहते हैं।

१(आदि) २ ३ ४ ५ ६
गोपुच्छा, पहली, स्थूल रूप—धाकिट तकिटत काकिट घुमकिट तकिटत काकिट
(अन्त)
७(मध्य) ८ ९ १० ११ १२
दिन ऽ, ता ऽ ऽ धा

गोपुच्छा दूसरी—द्रुत मध्य विलम्बैस्याद्गोपुच्छा, द्रुत मध्यभाक ।

गोपुच्छा, दूसरी, और तीसरी, जो लय की गति क्रमश द्रुत, मध्य, और विलम्बित, होती जावे उसे भी गोपुच्छा कहते हैं, अथवा, आरम्भ म द्रुत, और मध्य, लय की गति, क्रमश होती जावे उस भी गोपुच्छा कहते हैं।

१ (आदि) २ (मध्य) ३ (अन्त) ४ ५
गोपुच्छा, दूसरी, स्थूल रूप—धिनतिरकिटतकता, कतधन नागेतिट, धाधिम
६ ७
ता धा

१ २ ३ ४
गोपुच्छा, तीसरी, (स्थलरूप)—कत्तिर किट तकधा, धेधेतिट धागेतिट, गदिगन
५
नागेतिट ।

दूनी, यथि—मात्रा द्वै गुण्य गरया दचेत् ।
द्रुत मित्य मिधीयते ॥

सूचना—मात्रा जब डबल गति के साथ होती है अर्थात् स्थान स्थाई ही रहता है। किन्तु मात्रा की गणना डबल होतो है ऐसी गति को द्रुत (दूनी लय कहते हैं)

"ताल चौताला के दूनी लय का बोल

+		०		|		०	
१	२	३	४	५	६	७	८
धागेतिट	धागेतिट	तागेतिट	तागेतिट	किड़धाकिट	धागेतिट	गादिगन	नागेतिट

|	|			+
९	१०	११	१२	१
कतिटत	गेनधा	किटतगे	नधान	धा

१ २ ३

सवाई, यथि—चतुर्थांश श्चैक मात्रा मिलिता यति मास्थिता ।
लयस्य विकृति जाता सपादैक उदाहृता ॥

मात्रा और मात्रा का चौथाई हिस्सा दोनों मिलकर जो गति, होती है उसे सवाई लय कहते हैं ।

+			०
१	२	३	४

ताल चौताला के सवाई लय की गति का (स्थूल रूप)—धा तक तिट किट

	|	०		०	|		|			
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५
तक	तिट	किट	तक	धा	दिन्	तग	तिट	किट	तक	धा

ताल चौताला के सवाई लय का बोल

+							+
१	०	|	०	|	|		१
धावकदिन्	वककिट	तकदिन	तातिटकत	किटतक	दिऽन्	कत	धा

डेढ़ी यति—मात्रैक मात्रार्धा शश्च मिलिता गति मास्थिता ।
लयस्य विकृतिः स्याहा मात्राश्चैकार्द्ध ईरिता ॥

मात्रा और मात्रा का आधा हिस्सा मिलकर जो गति होती है उसे डेढ़ी लय, (यति) कहते हैं।

एपात्वा भास युक्ताश्चेन्त्तदावै सर्पिणी भवेत् ।

यही एकार्ध अर्थात एक और आधी मात्रा के साथ जब लय की गति सर्प के चाल सदृश्य होती है, तब इसे आड़ा लय, कहते हैं और त्रीतीय, भूलना भी कहते हैं ।

ताल चौताला के डेढी लय का बोल

+		०		|			०	|
१		३		५			७	९
धागे	नागेतिट	कतिट	धादिन्ता	किड़धा	किड़धा	दिन्ता	कतिटधानधा	दिन्ताकतिटव

|	+
११	१
गेनधातिरकिट	धा

ताल चौताला के, आड़ा लय का बोल

+		०		|		०		|	|
१		३		५		७		९	११
धान	धिकिट	तकिट	थुकिट	कतिट	तगेन	कातिरकिटधी	किटकतिट	नतकिड़	धान

+
१
धानधा

पौने दूनी, यति = मात्रा श्चैकोन पदांश सहिता गति— मास्थिता, ।
यतिर्लय, समा योगात् एको नांशान्भि—ईरिता ॥

मात्रा और मात्रा का पौन हिस्सा मिलकर जो गति होती है। उसको ऊनांश कहते हैं अर्थात, पौने दूनी—लय कहते हैं।

"ताल चौताला के पौने दूनी लय का बोल"

+		०		|		०	|
१		३	५	६		७	९
धाकिट	ताकिटत	काकिट	किटतकधुम	किटतकि	टतकाकिटकिट		ताकिटत

|	|
११	१
कातिटगादिगन	धा।

छन्द भुजंग प्रयात

यचौं मैं प्रभूते यही हाथ जोरी।
फिरै आप-ते न कबौं बुध्दि मोरी॥
भुजंग प्रयातो पमो चित्त जाको।
जुरै ना कदा भूल कै संग ताको॥

"बोल तिताला ताल का छन्द भुजंग प्रयात"

+				|				०				|
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
कृधान	कतत	धान	धाक्र	तान	कतत	धान	धाकृ	धान	कतत	धाकृ	धान	कतत

			+
१४	१५	१६	१
धाकृ	धान	कतत	धा

झूलना, छन्द तीन प्रकार का

झूलना, गीतिका, गीतांगी, गीता और अन्य नाम बैताल भी कहते हैं। झूलना प्रथम और गीता का एक रूप है गीतिका और गीतागी का एक रूप है। प्रथम, झूलना, का सूक्ष्म रूप (ऽ।)

स्थूल रूपः—मुनि राम गुनि, बान युत गल,
झूलन प्रथम मति मान ।
हरि सम विभु, पावन परम ।
जन हिय बसत, रति जान ॥

ताल तिताले में, प्रथम झूलना और गीता का बोल

+				|				०					
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
केति	कति	टधा	ऽकि	टक	तिट	वागे	नागे	तधा	ऽत	धा	तधा	ऽतधा	

		+
१५	१६	१
तधा	ऽत	धा

गीतिका और गीतांगी का सूक्ष्म रूप (।ऽ)

स्थूल रूप—रत्न रवि कल धार कैलग, अन्त रचिये गीतिका ।
क्यों बिसारे श्याम सुन्दर, यह धरी अन रीतिका॥

ताल तिताले में गीतिका और गीतांगी का बोल

+				|				०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
केतिट	क्तकिटतक	कतिट	धाक	ढान	धावा	तगेन	क्रिटधिट	कतिट	धाक

११	१२	१३	१४	१५	१६
ढाक	तिट	धाक	ढाक	तिट	धाक

द्वितीय झूलना

सैंतिस यगंत यति, दोप दप दोप मुनि ।
जान रचिये द्वितीय, झूलना को ॥

आठ मात्रा के तिताला ताल में द्वितीय झूलना का बोल

+				०				+
१	२	३	४	५	६	७	८	९
कातिरकिटधा	ऽनकिट	तिटकतिटधान	कतिट	ताऽनधिट	तिटधगे	नधा	तिरकिटधा	

तृतीय झूलना

तीन दस झूलना अन्त मुनि झूलना दोय पद तोमरो भेद भायो ।
राम भजु बावरे राम भजु बावरे राम के नाम को वेद गायो ॥

तिताला ताल में तृतीय झूलना का बोल

+				।				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
धान	धाकिट	कविट	तगन	नातिट	तगेन	कतिट	धातिट	धानित	धान	कतिट	तान

।				+
१३	१४	१५	१६	१७
धिकिट	धान	तान	धान	धा

अश्व गति छंद

आटीक, सेन्दु परिघोटी पदाति जुपि वाटी, सुरक्षति जुपां ।

ताल तेवरा में अश्व गति छंद का बोल दुनकी लय में

\+ १ २ ३ ४ ५ ६
धानधाकि ऽधादिन्ता कदि धकिटनकि टतकिटधा दिन्ताकिड़धा किड़धा दिन्त
\+ ७ ८
कतिटधान धा

शिखरिणी छंद

यदा पूर्वो ह्रस्वः कमल नयने, पञ्चक परा ।
स्ततो वर्ण पञ्च प्रकृति सुकुमारांगि लघवः ॥
त्रयोन्ये चोपान्त्याः सुतनु जघना भोग सुभगे।
रसै रुद्रैर्यस्या भवति विरतिः सा शिखरिणी ॥

ताल तिताला, बोल शिखरिणी छंद में

\+ १ २ ३ ४ | ५ ६ ७ ८ ० ९
कतिटधा किटनागे ता तकिटधि किटकिट तिटकता ऽकतित नातिट किटता
| १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ + १
कतिटधि किटतक धाकति टधिकिट तकधा कतिटधि किटतक धा

सूचना—घनाक्षरी छन्द तीन प्रकार का है और मनहर छन्द भी इसीके एक रूपान्तर को कहते हैं।

छंद मनहर

आठो याम जोग राग, गुरु पद अनुराग, भक्ति रस प्याय मन हर लेत हैं।

ताल तिताला आठ मात्रा बोल मनहर छंद

+		|		०		|		+		|	
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४
कत्तिटधा		ऽन	तिट	घेन	तिट	तिट	तिट	कातिरकिटधा		ऽन	घेन

०		|		+
५	६	७	८	१
तिट	किट	तिट	तिट	धा

घनाक्षरी छंद

सुंदर सुजान पर मंद मुसकान पर, बाँसुरी की तान पर ठौंरन ठगी रहे ।
मूरति विशाल पर, कंचन सी माल पर, हंसन सी चाल पर खोरन खगी रहे ॥

ताल तिताला आठ मात्रा का बोल घनाक्षरी छंद का

+		|		०		|		+		|
१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३
कातिर	किटधा	ऽन	तिट	तिट	कृधा	तिट	धिट	कृधा	तिट	धा

०		|		+
४	५	६	७	८	१
कृधा	तिट	धा	कृधा	तिट	धा

रूप घनाक्षरी छंद

राम राम राम लोक नाम है अनूप रूप घन अक्षरी है भक्ति भव सिंधु हर जाल ।

ताल तिताला ८ मात्रा का बोल रूप घनाक्षरी छंद

+		|		०		|	
१	२	३	४	५	६	७	८
कातिर	किटधा	तिट	किड़धा	तिट	कत	कातिर	किटतक

+		|		०		|		+
१	२	३	४	५	६	७	८	१
तागे	तिट	कत	कत	कातिर	किटतक	तागे	तिट	धा

देव घनाक्षरी छंद

राम योग भक्ति मेघ जानि जपें महा देव
धन अक्षरो सो उठे दामिनी दमकि दमकि

देव घनाक्षरी छंद में ८ मात्रा के तिताले का बोल

+		|		०		|		+
१	२	३	४	५	६	७	८	१
गेदिनता	तिटकिट	तागे नागे	तिटकता	का तिरकिटधा	ऽनतिट	किटगदि	नागेदिन	धा

छंद दण्डक

तेवरा, मत्तेभविक्रीड़ित और अन्य नाममुनि शेखर भी कहते हैं—

सुमरीना मयि लागती विलसति, मत्तेभविक्रीड़िता ।
मति ओछी जस भारती तस रहैं भारावहा पीड़िता ॥

छंद तेवरा वा दण्डिका का बोल ताल तिताला

+				|				०				|				+
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१
धागे	न	धाग	दिन्ता	कत	क्रु	धानी	धानी	धागेन		धागे	दिन्ता	कत	क्रु	धाऽी	----	---

दूनकी लय में छन्द तेवरा

+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
धाकि टतकधुमतिर किटतकधाकि टतक धुमतिरकिटतक

० | +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
ताकिटतक धुमतिर किटतक धाकिटतक धुमतिर किटतक धाकिट तकधुम

| ०
५ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
किटतकि टतका किटतक धुमतिर किटतक धाकिट तकधुम किटतकि टतका

| +
१२ १३ १४ १५ १६ १
धुमतिर किटतक धाकिट तकधा किटतक धा

गण्डका

ताल चामरध्वजं पयोधर च कुण्डल शरंविधाय ।
नूपुरं च नायकं सपक्षिराज गन्ध चामरनिधाय ॥
रूपमन्त्यगा विधेहि वर्णिता च पन्नगेन्द्र पिंगलेन ।
गंडका कवीन्द्र मण्डलो विनोदकारिणी सुमंगलेन ॥

बोल ठेका एक ताला

+ |
१० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
धान धाकिट कतिट नातिट गेनेना नातिट कतिट ता कतिट तानता

| ० +
८ ९ १० ११ १२ १
धाऽति टतान ताधाक तिटता नता धा

चम्पकमाला वा कहरवा छंद कहते हैं

वन्वि गुरू स्यादाद्य चतुर्थं पचमषष्ठं चान्त्यमुपान्त्यम ।
इंद्रियवाणै यत्र विरामः सा कमनीया चम्पकमाला ॥

बोल ठेका, एक ताला

+				।		
१	२	३	४	५	६	७
कतिटता	ऽनकिट	कातिरकिटधि	किटधिट	धगेना	ऽनतिट	नगेनता

	।					+
८	९		१०	११	१२	१
ऽनधा	दिन्	दिन्	तिटतिट	धाकत	धाकत	धा

चर्चरी वा झपताला छंद

हारयुक्त सुवर्ण कुण्डलपाणि शङ्ख विराजिता ।
पाद नूपुरसंगता सुपयोधर द्वयभूषिता ॥
शोभिता वलयेन पन्नगराज पिंगल वर्णिता ।
चर्चरी तरुणी वचेतसि चाकसीति सुसंगता ॥

बोल ठेका एक ताला

+				।			
१	२	३	४	५	६	७	८
धागेतिट	धागेतिट	किटतागे	तिटधागे	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

।				+
९	१०	११	१२	१
धकिट	किटता	धगेनध	किरकिट	ता

प्रस्तार–नियम

न्यस्यात्प माद्यान्महतो धस्ताच्छेषं पथोपरि ।
प्रागूने वाम संस्थास्तु संभवे महतो लिखेत् ॥
अल्पान संभवे तालपूर्त्यै भूयोऽप्ययं विधिः ।
सर्वाण्य वधिरा लेख्यः प्रस्तारो यं द्रुते लघौ ॥
गुरौप्लुते समस्ते च व्यस्ते व्यस्ते त्वणो नमः ।
एवं तालस्य विबुधैर्दश प्राणा निरूपिताः ॥

जिस किसी ताल का प्रस्तार (रूप) लिखना हो उसका पहिले छोटा से छोटा रूप लिखे अर्थात् पहिले कहे हुए तालों के अंग में छोटा से छोटा स्थूल रूप अणु (◡) का ही माना गया है, जो एक मात्रा का चतुर्थ हिस्सा होता है। उससे आरम्भ करे। पश्चात् क्रम से बड़ा-बड़ा रूप, अर्थात् लघु (।) गुरु (ऽ) प्लुतादि (ऽ) का रूप निर्माण करते हुए कोई भी ताल के प्रस्तार का रूप निश्चित कर सकता है।

यदि इस क्रम के अनुसार ताल पूर्ति होने में कुछ बाकी रह जावे तो ताल के अंगों में से बड़े रूप को अर्थात् लघु गुरु प्लुतादि से लिखना आरम्भ करे। फिर भी ताल का प्रस्तार बनाना असम्भव मालूम पड़ता हो तो अणु (◡) द्रुतादि (०) को रखते हुए ताल का प्रस्तार निश्चित करे।

प्रस्तार का दूसरा प्रकार

जिस ताल का प्रस्तार लिखना हो उसकी मात्राओं को गिने और अणु मान कर लिखे। ताल के अनुसार क्रमशः लघु, गुरु और प्लुत रखता जाय। इस प्रकार लघु, गुरु और प्लुत के प्रस्तार की विधि है। चाहे ऊपर लिखे हुए ताल का एक ही अंग लेकर हो अथवा इन एक के साथ ताल का दूसरा अंग भी मिलकर प्रस्तार होता है। किन्तु एक अणु या एक

द्रुत में होना असम्भव है। यदि एक लघु का प्रस्तार लिखना हो तो पहिले एक लघु लिखे पश्चात् अणु, द्रुत इत्यादि लिखना जाय। ऐसा करने पर यदि प्रस्तार असम्भव जान पड़े तो उक्त ताल के अवयवानुसार भाव लेकर लिखता जाय। इसी प्रकार गुरु और प्लुत इत्यादि की क्रिया होती है।

उदाहरणार्थ मान लो चौताल का प्रस्तार लिखना है और ताल के अंग मे सबसे छोटा रूप अणु होता है। अतएव चौताल मे १२ अणु हुए, चौताल मे पहला और दूसरा ताल ४ अणु का तीसरा और चौथा ताल दो अणु का है, अतः इसका प्रस्तार इस प्रकार लिखा जायगा।

पहला,	४	अणु	=	१ लघु	।	यह चिन्ह उपरोक्त परिभाषा के अनुसार एक के पश्चात् एक लिखे जॉयगे।
दूसरा,	४	,,	=	१ लघु	।	
तीसरा,	२	,,	=	१ द्रुत	०	
चौथा,	२	,,	=	१ द्रुत	०	

इस प्रकार ताल के अंग मे से बड़ा रूप लेकर छोटे रूप को संग रखते हुए चौताल का प्रस्तार रूप बना है।

चौताल का प्रस्तार रूप—लघु २, द्रुत २, ।।००

दूसरा प्रकार—ताल के अंग मे मे केवल एक ही बड़ा रूप लेकर, सदानन्दः, एक ताल का रूप बना है। जिसमे तीन मात्रा मानी जाती हैं। एक ताल, या सदानन्दः ताल मे, एक लघु है तो त्र्यस्य जाती का माना जाता है और इसमे ताल एक ही है। सदानन्दः, एक ताल, का प्रस्तार, रूप, लघु ।,

कर्णाटक देश के प्रचलित तालों का प्रस्तार

सूचना—रूप और उनका स्थूल रूप का निर्माण किया है मैं प्रमाण सहित।

ध्रुवो, मठ्यो, रूपकं, च झंपा, त्रिपुट, एव च ।
अटताले, क ताले च सप्त तालाः प्रकोर्तिताः ॥
(इन्हीं तालों के दूसरे नाम)
इन्द्रनीलो, महावज्रो, निर्दोपः सीर, कोकिलः ।
आवर्तकः सदानन्दः, इत्येषां लक्ष्म कथ्यते ॥

ताल के अंग में बड़ा रूप अर्थात् लघु (।) को लेकर इन हर एक ताल के ५-५ ताल बने हैं । लघु, त्रस्य, जाति यथा तीन मात्रा चतुरस्य ४ मात्रा, खएड ५ मात्रा, मिश्र ७ मात्रा, संकीर्ण ९ मात्रा, ताल के अग में लघु एक अग है, जो क्रया परत्व इन भिन्न-भिन्न मात्राओं का हुआ करता है। ऊपर लिखे हुए तालों का प्रस्तर रूप, ध्रूव, इन्द्रनील, मठ्य, महावज्र, रूपक, निर्दोपः

झम्पा,	सीर,	। ०,	ध्रूव,	इन्द्रनील	।०।।
त्रिपुट,	कोकिल	।००,	मठ्य,	महावज्र	।०।
अट,	आवर्तः	।।००,	रूपक,	निर्दोप	०।
एक,	सदानन्दः	।,			

इंद्रनोल वा ध्रूव ताल ११ मात्रा

+	०		।		।			।	०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
धा	दिन्	ता	धेत्	ता	दिन्	तिट	क्टि	धा	क	ढा

ध्रूव ताल १४ मात्रा

+		०		॥		॥		०		।			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
धा	तिट	धा	दिन्	ता	धा	तिट	किट	दिन्	ता	धेत्	तिट	गदि	गन

इंद्रनील ताल ताल १७ मात्रा

+			०				।०					॥			०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
धा	धा	धा	क	ढा	ता	तिट	किट	धा	कत	किट	तिट	कत	दिन्	ता	तिट	धा

ध्रुव ताल २३ मात्रा

+ ०	।	। ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७	८ ९	१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धा किट धा दिन् ता क ढ्ढा	दिन ता	तिट कत गदि गन दिन ता तिट

।	।
१७ १८ १९ २०	२१ २२ २३
कत किट तागे नागे	तिट दिन ता

ध्रुव ताल २९ मात्रा

+ ०	।	।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	११	१२ १३ १४ १५ १६
धा तिढ्ढा दिन तिट धा किट तक दिन ता	तिट	धागे नागे दिग तागे तिट

०	। ०
१७ १८ १९ २०	२१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९
कन गेन तिट ता	धा गे तिट ता गे तिट दिन तागे धागे

महवज् या मव्य, ताल ८ मात्रा

+ ०	।	। ०
१ २ ३	४ ५	६ ७ ८
धा दिन ता	तिट कत	क्रिट तक दिन

मव्य, ताल १० मात्रा

+ ०	।	। ०
१ २ ३ ४	५ ६	७ ८ ९ १०
धा किट धा गे	दिन ता	तिट कत गदि गन

मव्य ताल १६ मात्रा

+ ०	।	। ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७	८ ९	१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धा तिट तिट कत गेन धागे तिट	किट धिट	तागे नत किट तक दिन ता तिट

महावज्र ताल १२ मात्रा

+			०		।		।	०			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
धा	धा	दिन	दिन	ता	ऽ	तिट	कत	गेन	तिट	किट	तक

महवज्र ताल २० मात्रा

+						०			।		।				
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
धा	ऽ	तिट	धा	दिन	ता	तिट	कत	दिग	नागे	नागे	धागे	नागे	किट	ता	तिट

०			
१७	१८	१९	२०
गेन	धिट	किट	तक

निर्दोष व रूपक ताल ५ मा०

+		।		
१	२	३	४	५
धा	किट	ता	तिट	ता

रूपक ताल ६ मात्रा

+		।		०	
१	२	३	४	५	६
धा	तिट	धा	दिन्	ता	तिट

रूपक ताल ७ मात्रा

+		।			०	
१	२	३	४	५	६	७
धा	ति	ट्ठा	तिट	धा	दिन	ता

रूपक ताल ९ मात्रा

+		।						०
१	२	३	४	५	६	७	८	९
धा	तक	धा	तिट	धा	किट	तक	धा	दिन्

रूपक ताल ११ मा०

+		।				०			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
धा	कत	किट	तक	दिन्	ता	तिट	किट	कत	किट	ता

सोर व झम्पा ताल ६ मा.

+		०	|	|	
१	२	३	४	५	६
धा	किट	गेन	किट	तक	ता

झम्पा ताल ७ मा.

+	०			|	|	
१	२	३	४	५	६	७
धा	गे	न	ता	तिट	किट	तक

झम्पा ताल ८ मा.

+			०		|	|	
१	२	३	४	५	६	७	८
धा	ता	किट	तक	गदि	गन	ता	किट

झम्पा ताल १० मा

+					०		|	|	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
धा	ऽ	दिन	ता	ऽ	तिट	धा	तिट	कत	गदि

झम्पा ताल १२ मा०

+									|	|	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
धा	धा	तिट	धा	दिन्	ता	तिट	कत	गेन	तिट	कत	गदि

त्रिपुट व कोकिल ताल ७ मा.

+					|	
१	२	३	४	५	६	७
धा	दिन्	ता	तिट	कत	गदि	गन

त्रिपुट ताल ८ मा०

+	०			|		|	
१	२	३	४	५	६	७	८
धा	तिट	ता	किट	तिट	कत	गदि	गन

त्रिपुट ताल ९ मात्रा।

+			०		|	|		|	
१	२	३	४	५	|	६	७	|	८	९
धा	तिट	किट	तक	दिन्	|	ता	तिट	|	किट	तक

त्रिपुट ताल ११ मात्रा।

+				०			|	|		|	'	
१	२	३	४	५	६	७	|	८	९	|	१०	११
धा	गेन	तिट	कत	गेन	किट	तक	|	धा	ति	|	ढा	तिट

त्रिपुट ताल १३ मात्रा

+						०			|	|			
१	=	३	४	५	६	७	८	९	|	१०	११	१२	१३
धा	धेन	ना	धेन	ना	किट	तिट	कत	धेन	|	ता	किट	तक	ता

अट, वा आवर्तः ताल १० मात्रा

+			|	|			|	|		|	
१	२	३	|	४	५	६	|	७	८	|	९	१०
धा	धेन्	ता	|	तिट	गेन	ता	|	किट	धिट	|	तिट	कत

अट ताल, १२ मात्रा

+	०			|	|		०		|	|		|	|	
१	२	३	४	|	५	६	७	८	|	९	१०	|	११	१२
धा	धा	दिन	ता	|	किट	धा	दिन्	ना	|	तिट	कत	|	किट	तक

अट ताल, १४ मात्रा

+			०		|				०		|	|		|	|	
१	२	३	४	५	|	६	७	८	९	१०	|	११	१२	|	१३	१४
धा	ऽ	ढा	गे	दिन्	|	ता	तिट	धा	दिन्	ता	|	तिट	कत	|	गदि	गन

अट ताल, १८ मात्रा

+				०			|			०				|		|	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८
धा	धा	निट	धा	तिट	कत	धेन	ता	किट	तक	गदि	गन	तिट	ता	गेन	तिट	धिट	ता

अट ताल २२ मात्रा

+						०			|							०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८
धा	धा	गे	तिट	ता	धा	गे	तिट	किट	तक	धिट	तिट	गेन	तिट	किट	तक	धेत्	ता

|		|	
१९	२०	२१	२२
तिट	कत	गदि	गन

एक वा सदानन्द; ताल, ३ मात्रा

+		
१	२	३
धा	दिन्	ता

एक ताल ४ मा०

+			
१	२	३	४
धा	किट	धा	दिन्

एक ताल ५ मा०

+		०		
१	२	३	४	५
धा	धेन	ना	तिट	किट

एक ताल ७ मा०

+			०			
१	२	३	४	५	६	७
धा	तिट	धा	दिन	ता	तिट	कत

एक ताल ९ मा०

+								
१	२	३	४	५	६	७	८	९
धा	तिट	धा	दिन्	ता	ता	गे	धा	दिन

तबले के आदि वर्णों का निर्माण:—(मृदंग के ही आदि वर्णों का अनुसरण किया गया है) तबले का रूप तथा उस पर सुविधानुसार निकालने का ध्यान रखते हुए तबले के आदि वर्णों का निर्माण किया गया है ।

"धा, ना, ता, क, ति, ट्टे, ग, दे, तत, धि, यह दस वर्ण तबले के आदि वर्ण हैं इनके अतिरिक्त दो और वर्ण भी हैं जिनका प्रयोग अधिकतर नाच के बाज में होता है यह हैं "थो" और "ल्हा"। इनके अलावा जो शब्द तबले में बजाए जाते हैं उनका आविष्कार इन आदि वर्णों से ही हुआ है जैसे तु थों से, विं ग से, र ट्टे से आदि ।

पाठकों के ज्ञान के लिए हम यहां मृदंग के वर्णों के बारे में भी कुछ लिखते हैं ।

मृदंग के आदि वर्णों का विवेचन

दक्षिणन्तु मितं सार्धं रेका दश भिरंगुलैः ।
पाटाश्च तद्वि थों टें हें नं दें मित्यत्र कीर्तिताः ॥

त, थ, धि, थों, टे, हे, नं, दे यह अक्षर दाहिने ओर से निकलते हैं इन्हीं को पाटाक्षर कहते हैं और इनको आदि वर्ण भी कहते हैं ।

"पाटा नन्यत्रभवन्ते"
इह स्यु पट होक्ताश्च वर्णा षोड्‌प का दयाः ॥

त, ट, ल्हा, द, ध, ला, क और ग यह अक्षर बाएँ ओर से निकलते हैं इस प्रकार यह १६ वर्ण कहे गए हैं ।

किन्तु मृदंग में भी १००० वर्ष के लगभग से ही कि बाएँ पर आटा लगाया जाता है अतएव अब केवल ग और का ही निकलता है । शेष यह वर्ण बाएँ पर खरन (स्याही) लगाने से ही निकलते हैं (त, ट, ल्हा, द, ध, ला) इसका प्रमाण अभी भी उपस्थित है कि मिथिला में मृदंग का परिवाचिक नाम मुरज है । मुरज के बाएँ ओर खरन

ही लगाई जाती है और वह काष्ट (लकड़ी) का ही होता है, गट्टे उसमे चतुष्कोण (चौखूँटे) लगते हैं।

तबले मे बाज पाँच प्रकार का होता है (१) टॉकी का (२) स्याही का (३) टॉकी स्याही मिला हुआ (४) स्याही का काम भी टॉकी पर ही करना (५) स्याही का बन्द काम अर्थात् "मूंदी"।

(१) व (४) दिल्ली बाज के नाम से प्रसिद्ध हैं।

(२) व (३) बनारस के नाम से प्रसिद्ध है।

पंजाब की गत प्रसिद्ध है जो भूलना को बन्दिश से सम्बन्ध रखती है और इसे गत पंजाबी भी कहा करते हैं। इसम प्राय टॉकी व स्याही का बाज (खुला) मिला हुआ रहता है दिल्ली मे स्याही पर भी जो काम होता है वह बन्द होता है जिसे मूंदी कहते है। स्याही पर खुले बाज को खुली कहते हैं। दिल्ली मे अगुस्ताना, पेंच, पेशकार, गत लड़ी बजते हैं। प्रायः दिल्ली का बाज इन बातों से प्रसिद्ध है।

बनारस मे चॉट, स्याही के खुले हुए बोल, टुकडे, गत, परन इत्यादि बजते हैं। कत्थक नृत्य के साथ भी बनारस का ही काम व्यवहार मे लाया जाता है यही कारण है कि बनारस के लोग ही प्राय. नृत्य की अच्छी सगत करते हुए देखे गए हैं।

देहली और बनारस के बीच मे होने के कारण लखनऊ, बरेली, रामपुर, मेरठ इत्यादि में देहली और बनारस दोनों का मिला जुला बाज बजता है। इधर लग्गी, पेशकारा, गत, टुकडा, पल्लू इत्यादि विख्यात हैं।

सूचना—जिस प्रकार के बोल जिस जगह प्रधान रूप से व्यवहार मे लाए जाते हैं उसके परिचय का हेतु लेकर विवेचन कर दिया गया है इसका यह अभिप्राय नहीं कि दूसरी जगह वह व्यवहार मे नहीं लाए जाते या वहां के विद्वान नहीं जानते।

तिहाई, मोहरा, गत, बॉट, बोल, परन, टुकड़ा इत्यादि की परिभाषा का विवेचन

तिहाई

कुछ अक्षरों के नियत शब्दों को तीन बार क्रिया करके सम पर आने को तिहाई कहते हैं। यथा:—तिट कत गदि गन धा तिट कत गदि गन धा तिट कत गदि गन धा।

मोहरा

लय की गति के साथ जिन शब्दों की भी क्रिया आरम्भ करके पुनः सम के साथ मिलाते हैं ऐसी क्रिया को मोहरा कहते हैं, किन्तु गाने में स्थाई जिसे कहते हैं चाहे ख्याल अथवा धुरपद की हो जिन शब्दों से आरम्भ करते हैं उन्हीं शब्दों को लेकर पुनः सम पर आते हैं ऐसी क्रिया को मोहरा कहते हैं परन्तु ताल अध्याय में बोल आरम्भ करके पुनः कोई भी शब्द लगाकर सम पर आने को मोहरा कहते हैं।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
यथा:—धागे न धा तिट धिट तरान क ऽ ध्धी ऽ ऽ धुं ऽ न् त धा

बोल

जिन शब्दों की गति स्थाई के शब्दों से अधिक सम्बन्ध रखते हुए कुछ दूरी को लेते हुए एक सी अथवा भिन्न प्रकार की चाल व शब्दों का परिवर्तन करते हुए लय के साथ तिहाई के साथ या बिना तिहाई के सम पर आवे ऐसे शब्दों की रचना को बोल कहते हैं।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७
यथा:—धागेतिट धागेतिट तागेतिट तागेतिट कुधाकिट कुधाकिट धिंधिरकिट तक
८ ९ १० ११ १२ १
तागेतिट धतगे ऽ न्न क्रतत धेत्ता गदिगन धा।

परन

तबले में तबले के आदि वर्णों अथवा और अक्षरों को लेते हुए क्रिया करने को परन कहते हैं। परन प्रायः बड़ी बन्दिश होती है।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
यथाः—धा विट धाधा धिन गिन तूना कत्ता धादिंऽना गिन धिट विट

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १
धिरकिट गिगिऽना किट धार्ती धा तूना तक तक तक धावाधा

टुकड़ा

जिन शब्दों की गति की चाल खण्ड करती हुई सम से उठकर तिहाई देती हुई अथवा बिना तिहाई के सम पर आवे ऐसी क्रिया को टुकड़ा कहते हैं (चाहे वह गत बोल इत्यादि का हो) वही चीज आरम्भ से तीन या नौ बार कहने का चक्करदार टुकड़ा कहते हैं।

१ २ ३ ४ ५ ६ ६ ८ ९ १० ११ १२
यथाः--धातिर किटतक ता धा तिर किटतक ता धि त्ता धि त्त गि ऽना धा

१३ १४ १५ १६ १
तिरकिट तक ता ऽ धा ऽ न धा।

पल्लू

जिन शब्दों की गति की चाल बिना खण्ड किए तीन बार कहकर सम पर आवे ऐसी क्रिया को पल्लु कहते हैं।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ . ९ १०
यथाः—धाधा धित्ता धित्ता तिटकत गदिगन धा तिटकत गदिगन धा तिटकत

११ १२
गदिगन धा

चौपल्ली

चौपल्ली दो प्रकार की होती है (१) बोल एक ही हों खण्ड उसके चार चार मालूम होते चले जायें। (२) बोल एक ही हों मात्रा की गति ठा, दुगुन तिगुन चौगुन अथवा ठा दुगुन चौगुन हो।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
उदाहरण:—(१) धाकिट धाधिता किड़धा धिन्तातक। काकिट धाधिन्ता किड़धा धिन्ताकत।

९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
किड़धा-धाधा-धाधा कविट ताऽन। किड़ ता ता ता ता ता धाकिट धाऽन।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
(२) तिट कत गदि गन धा तिटकत गदिगन धा तिटकतगदिगनधा तिटकत

१२
गदिगन धा।

अगुश्ताना

यह शब्द फ़ारसी का है। जो शब्द उंगली से निकलने वाले टाँकी का वर्ताव करते हुए स्याही पर भी केवल उंगली से ही निकलते हैं ऐसी क्रिया को अंगुश्नाना कहते हैं।

यथा:—तृक धिन गिन धिन नादिन्ना धिन गिन धाधिन् ऽ ताधिन गिन धिन् तधि नकधिन धागे नागे धिने गिन।

फ़रद अथवा एक्कड़

प्राचीन विद्वान प्राय: बन्दिशों की रचना जोड से करते थे। जिस बोल अथवा गत का जोड़ नहीं बनता था उसको फरद अथवा एक्कड़ कहते हैं।

गत

तबले के शब्दों की ऐसी बन्दिश जिसमें बहुत से शब्द प्रयोग किए जावें और कई प्रकार की लय का व्यवहार किया जावे। इसमें शब्दों की रचना पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। कई लोग इसमें खाली और भरी का भी प्रयोग करते हैं अर्थात् एक बार धा का और दूसरी बार ता का प्रयोग करते हैं। गत में तिहाई प्राय: नहीं होती है। इसमें स्याही और टाँकी दोनों प्रकार के अक्षरों का प्रयोग मिला हुआ होता है। गत पेशकारे की भी होती है। उदाहरण आगे बहुत से हैं।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
पेशकारा गत यथा:—धा दी घिड़ नग ति त्ता गिन तिट धागिन-धागिन धा

बॉट

तबले की थोड़े से शब्दों की बन्दिश जो स्याही और टॉकी पर लय परिवर्तित करते हुए बजाई जाती है। इसमें खाली भरी का प्रयोग होता है अर्थात् एक बार घा के साथ और एक बार ता के साथ बजाया जाता है।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
यथा:—धीना ऽद्धा तिर किट धीना तिरकिट धीना ऽद्धा तिरकिट तीना ऽत्ता
११ १२ १३ १४ १५ १६
तिरकिट धिन तिरकिट धीना ऽद्धा तिरकिट।

पेंच

बॉट पेश्कार अथवा कायदे की बन्दिशों को अक्षर बदल बदल कर विभिन्न लयों में उनके बार बार वर्ताव करने को पेंच कहते हैं। पलटे में पेंचों के अक्षर भी बदलते हैं।

रेला

थोड़े से शब्दों की बार बार रटते हुए कहने की चाल की क्रिया को रेला कहते हैं। इसमें प्रायः शब्दों का परिवर्तन नहीं होता।

१ २ ३ ४ ५
यथा:—धा तिरकिट तक धा तिरकिट तक धा तिरकिट तक तूना किटतक ता
६ ७ ८
तिरकिट तक ता तिरकिट तक धा तिरकिट तक तूना किट तक।

लड़ी

इसे घनाक्षरी छन्द भी कहते हैं। जिन शब्दों का रूप एक दूसरे से मिलते हुए लगातार चला जावे ऐसी क्रिया को लड़ी कहते हैं। यथा—

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
तकिट तकिट धिकिट धिकिट तकिट तकिट तक धिकिट धिकिट तक धिकिट
९ १० ११ १२ १३ १४ , १५ १६ १
तकिट तकिट धिकिट तक कत कत तक कत तक तक कत धाकत धाकत धा।

लग्गी

लग्गी अर्थात् (बाँस) नीचे मोटा होता है ऊपर पतला होता चला जाता है इसी प्रकार जो भी शब्द एक से कुछ दूरी को लेते हुए आगे दूसरे छोटे शब्दों को रखते हुए अर्थात् पहिले की दूसरी से कम दूरी लेते हुए हों इस प्रकार के शब्दों के निर्माण की क्रिया को लग्गी कहते हैं।

दूसरा प्रकार—मध्य लय की गति को लेते हुए शब्दों की रचना को करते हुए द्रुत गति की चाल शब्दों को छोटा करते हुए क्रिया करने को लग्गी कहते हैं। उदाहरण—

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
लग्गी नं० (१) दींग किट तक ना तिरकिट तिरकिट तीना तित् तिरकिट तक धिर किट तक

१० ११ १२ १३ १४ १५
कत् तिरकिट तक धिर किट तक धा ऽ तिरकिट तक धिर किट तक धा ऽ

१६ १
तिरकिटतक धिरकिटतक धा

लग्गी न० (२) धागे ना धा तिरकिट धागे ना धा तिरकिट, धागेन धागेन धागे नागे तागेन धातीना तगेन तगेन धागे नागे धागेन धाधीना, धीक् धीना धिनगिन धागेन ताग् तीनाड़ा तीक् तीना तिन गिन धागेन धाग् धीनाड़ा, धीक् धीना धीक् धीना धीक् धीना नाधी धीना, तीक् तीना तीक् तीना तीक् तीना नाधी धीना,

उठान अथवा आमद

तबले के शब्दों की ऐसी रचना जिसमें तीन लयों का अर्थात् बराबर दून और चौगुन का व्यवहार करके सम पर एक दम आया जाता है। इसमें प्रायः तिहाई नहीं होती है। तबले में लहरे के साथ अथवा संगत करने के समय प्रारम्भ में आमद बजाई जाती है। कहीं २ तिया लगा कर भी आते हैं किन्तु तिया की भी गति का परिणाम भाजन इस परिभाषा के ही अनुसार होना चाहिये।

क़ायदा तबला

द्वितीय प्रकार से बजाने की रीति

(ठेका धीमा तिताला) मात्रा १६ ताल ३

\+   ।   ०   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१—धा धा ते टे धा धा तू ना ता ता ते टे धा धा धी ना

\+   ।   ०   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
२—धा धा ते ट्टे धा धा तु न्ना ता ता ते ट्टे धा धा धि न्ना

\+   ।   ०   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
३—धा धा तिर किट धा धा तु न्ना ता ता तिर किट धा धा धि न्ना

\+   ।   ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
४—धागे तिट धागे तिट धागे नागे तुन्ना कत्ता तागे तिट तागे तिट धागे नागे

१५ १६
धिन्ना कत्ता

\+   ।   ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
५—धागे तिरकिट धागे तिरकिट धागे नागे तिरकिट धिन्ना तागे तिरकिट तागे तिरकिट

१३ १४ १५ १६

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
६—धागे नधा तिरकिट धागे नधा तिरकिट तुन्ना तिटतक तागे नता तिरकिट तागे

।
१३ १४ १५ १६
नता तिरकिट धिन्ना किटतक

नोट—इन कायदों के भीतर 'ता' और 'धा' थाना टाकी पर निकलेंगे। तिन्ना और धिन्ना तर्जनी के अग्र भाग से स्याही पर निकलेंगे और तर्जनी के आरम्भिक भाग से टॉकी पर गिराते आघात करते हुए भी निकलते हैं।

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
७—तिरकिट तुन्ना किटतक तिरकिट तुन्ना किटतक धिन्ना किटतक तिरकिट तिन्ना

।
११ १२ १३ १४ १५ १६
किटतक तिरकिट तिन्ना किटतक धिन्ना किटतक

\+ ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
८—घन किन्ना किटतक घेनु किन्ना किटतक तुन्ना किटतिक केने किन्ना किटतक

।
१२ १३ १४ १५ १६
केने किन्ना किटतक तिन्ना किटतक

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
९—धातिरकिट तक धातिरकिट तक धातिरकिट तक तुन्ना किट तक तातिरकिट तक तातिर

।
१२ १३ १४ १५ १६
किट तक तातिरकिट तक धिन्नाकिट तक

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
१०—धिन्ना तिन्ना किटतक धिन्ना तिन्ना किटतक तुन्ना किटतक तिन्ना धिन्ना किटतक

|
१२ १३ १४ १५ १६
तिन्ना धिन्ना किटतक तिन्ना किटतक

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
११—धाधा तेटे कधिऽधी ता ता धिन्ना ताता तेटे कति ऽ धी धा धा तिन्ना ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
१२—तिरकिट तक तिरकिट तक धिर धिर किट तक धा ऽ तिरकिट तक तित्त धिरकिट

|
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तक धिरकिट तक तिरतिर किटतक ता ऽ धिरकिट तक धित्

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
१३—धातिर किटतक धातिर किटतक तातिर किटतक तूना किटतक तातिर किटतक तातिर

|
१२ १३ १४ १५ १६
किटतक धातिर किटतक धीन्ना किटतक

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१४—तदन्न किटतक धिरधिर किटतक तिरकिट तक तिरकिट तक तिन् धदन्न किटतक

|
११ १२ १३ १४ १५ १६
धिरधिर किटतक धिरकिट तक धिरकिट तकधिन्

\+ ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
१५—धिन्नाऽन्धा तूना किटतक तिरकिटतक तिरकिटतक तिन् धिन् नद्दा ऽ न्धा तूना

|
१२ १३ १४ १५ १६
किटतक धिरकिट तकधिर किटतक धिन्

आड़ी लय

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१६—धग दीगन धग दीगन धातिरकिट घेतेटे घेनग दीगन तग चीगन तग तीगन तातिर-

१४ १५ १६
किट केतेटे केनग दीगन

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१७—दिनतक तिनतक धातिर किटतक धिरधिर किटतक धातिर किटतक तिनतक तिनतक

११ १२ १३ १४ १५ १६
तातिर किटतक तिरतिर किटतक कातिर किटतक

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१८—धातिट घेड़नग दिनतक धातिट घेड़नग दिनतक धातिर किटतक तातिट केड़नग।

११ १२ १३ १४ १५ १६
तिनतक तातिट क्रिड़नग तिनतक तातिर किटतक

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१९—तिरकिट तकतिर किटतक तिरकिट ताता तिरकिट धिरकिट धिन् धिरकिट तकधिर

११ १२ १३ १४ १५ १६
किटतक धिरकिट धाधा धिरकिट तिरकिट तिन्

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
२०—धातिर किड़धा तिट घेन घेड़ नागे तूना कत्ता तातिर किडता तिट केन केड़ नाग

१५ १६
धीना कत्ता

कोकिला, १७ मात्रा

+ ०	|	| ०	|	|
१ २ ३ ४	५ ६	७ ८ ९ १०	११ १२	१३ १४
धा धेने नग धे	धेने नग	धेने नग तेने नग	तिट किट	तक गदि

०
१५ १६ १७
गन धा दिन

आड़ा पन्न ताल, १५ मात्रा

–	| ०	|	|	├
१ २	३ ४ ५ ६	७ ८ ९ १०	११ १२ १३	१४ १५
धिन् तिरकिट	धिन्ना धिन् धिन्	धा धा तुन्ना	कत ती धि धी	नाधि धीना

वीर पंच ताल, २० मात्रा

| ०	|	| ०	|
१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६
धा ऽ दिन् ता	तिट धा तिट कत	गदि गन दिन् ता	किट तक धिट तिट

| ०
१७ १८ १९ २०
गेन किट तक दिन्

शक्ति ताल, १० मात्रा

+	|	|	|	|
१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०
धा धा	देत तिट	किट तक	ता देत	थुन थुन

मोहन ताल, १२ मात्रा

+	| ०	| ०	| ०	| ०	| ०
१	२ ३	४ ५ ६	७ ८	९ १०	११ १२
धा	धा तागे	तिट कत ता	तिट कत	गदि गन	तग धेत

जय मंगल ताल, १३ मात्रा

+ ०	| ०	|	|	|	|	०	|	|	|
१ २	३ ४	५ ६	७	८	९	१०	११	१२	१३
धा धा	किड़धा	तिट कत	गेना	गेना	गेन	किड़	धा	दिन	ता

शंकर ताल, ११ मात्रा

+	| ०	|	|	| ०	|	|	|	|
१	२ ३	४	५	६ ७	८	९	१०	११
धाकिट	तकथुन किटतक	धादिन	धाकिट	तादेत ताधा	तिटकिट	धादिन	तकधा	दिनता

मदन ताल, ३ मात्रा

+	| ०
१	२ ३
धा	तिट कत

पट ताल, २ मात्रा

+ ०
१ २
धातिट तकिट

लक्ष्मी ताल दूसरा, १८ मात्रा

+	|	| ०	|	|	| ०	|	|
१	२	३ ४	५	६	७ ८	९	१०
धा	दिन	ता तिट	ता	धा	किट तक	धा	धेन

|	|	|	|	|	|	| ०
११	१२	१३	१४	१५	१६	१७ १८
ता	किट	धेत	ता	तिट	कत	गदिगन

वसन्त ताल, ९ मात्रा

+	|	|	|	०	|	०	|	०
१	२	३	४	५	६	७	८	९
धा	दिन	ता	धेत	ता	तिट	कत	किट	तक

मत्त ताल, ९ मात्रा

+ ०	।	। ०	।	।	। ०
१ २	३	४ ५	६	७	८ ९
धा तिट	नागे	तिट कत	किट	तिट	कत गेन

रास ताल, १३ मात्रा

+ ०	।	। ०	।	।	। ०	। ०	। ०
१ २	३	४ ५	६	७	८ ९	१० ११	१२ १३
धा दिन	ना	किट ता	धा	दित	ध किट	तक किट	तक दिन

ताल धीमा तिताला, के ठेके कई प्रकार से निकालने की रीती।

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१ धा धिन् धिन् धा ऽ धिन् धिन् धा ऽ तिरकिट तिन ता ऽ धिन् धिन् धा।

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
२ ऽ धिन् धिन् धा ऽ तिन् तिन् ता तिरकिट ना तिर किट धा तिरकिट धिन्धा
१४ १५ १६
ऽ तिन् धा ऽ धिन्

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
३ धा तिन् तिन् ता ऽ धिन् धिन् धा ऽ तिना कैने घेन तेटे नाते टेघा तिरकिट।

\+ ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
४ तिन् तिन् ता ऽ धिन् धि[illegible]
१६
धिरकिट तक थुन।

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
५ ता धिन् धिन् ता ऽ धिन् धिन् नाना घेने तेने घेने नातिरकिटतिर किटधिरकिटतक्
१४ १५ १६
धुन दिन ऽकन्ता धा।

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
६ ना धिन् धिन् ना ऽ तिन् नाना तित किक् किक् तित् ता तिरकिट नातिर किटधा
१६
तिरकट।

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
७ तिरकिट धिन् धिन् धा ऽ तिरकिट तिन् नाना तित् घेने तेटे तिरकिट धा तिर किटता
१५ १६
ऽदिन ऽन्ता।

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
८ ना तिन् तिन् ना ऽ धिन् धिन् ना ऽ घेने गेने तिरकिट तकधिर किटतक् तिरकिट
१४ १५ १६
नातिरकिटतिर किटधिरकितक् धुन।

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
९ धा धिन् धिन् धाधा ता तिन् तिन् ताता तिरकिट धिना तिना तिरकिट धिना नातिर
१५ १६
किटधा तिरकिट॥

अदीख, की उठान, ताल तिताला

० । + ।
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
तित् ता ऽ किक् केने तेटे किट नागे किट ता ऽतिरकिट धिरकिटतिरकिट धिरकिट,

०
६ ७ ८ ९ १० १ १२ १३ १४
तकधिन कत् तिन् ऽ ऽ किटतक धा तकधिन्किटतिर किट धा धिन्नड़ातधा ऽतू

+
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
ना किटतक तिरकिट तकधिर किटतकधा ऽ धिन् नड़ान् धा ऽ तूना किटतक तिरकिट

०
७ ८ ९ १० ११ १२ १३
तकधिर किटतकधा ऽ धिन्नड़ान्धा ऽ तू नाकिटतक तिरकिटतकधिर किटतकधा

+
१४ १५ १६
ऽ तिरकिटतक् धिरकटतक् धातिरकिट तक् धिरकिटतक् धा तिरकिटतक् धिरकिट तक् धा

तबले के आरम्भ की आदि परन ताल त्रिताला

+ ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
धाधा तेट्टे धाधा तुन्ना धाधा तिरकिट धाधा तुन्ना तिरकिट तकतिर किटतक तुन्ना

१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
धातिर किट तक धातिर किटतक धातिर किटतक तुन्ना किटतक धाधिड़ नगधा

०
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
धिड़नग धागे तिट धिड़नग दिन तक धिरधिर किटतक धाधिड़ नगतिर किट तक

०
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
धाधिड़ नगतिर किटतक धिर धिर किटतक धाधिड़ नगतिर किट तक गदी किटतक

+
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
तिरकिट तकतिर किटतक धातिट धागे धाधा तिट धागे तिटधा धाकिटधा धातुन्ना

०
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
धातिर किट तक धाधा धाधिड़ नगदिन तक तक घड़ान धाधिड़ नगदिन तक तक

१४ १५ १६ १
घड़ान दिन कत धिरधिर किटतक धा

चार याग, ताल धीमा तिताला

\+   .   २
१   २   ३   ४   ५   ६   ७   ८   ९   १०   ११
धिन्ना किटतक तघ्धा ऽन्नधा तुन्ना किटतक घेड़नग धाति किटतक घेड़नग नगतिर

| + |
१२   १३   १४   १५   १६   १   २   ३   ४   ५   ६
किटतक धीधेड़ नगना घेड़नग दिनतक तिरकिट तकतिर किटतक तिरकिट तिन् ऽ

० | +
७   ८   ९   १०   ११   १२   १३   १४   १५   १६   १
ता धा ऽ कत् ऽ ऽ धड़ नग तगे ऽन्न धा

फरद, ताल तिताला

\+
१   २   ३   ४   ५   ६   ७
धागेनदिन ऽन्नाकिट धाता ऽनधा धाधाकिटतक दिकिटतकघेड़ नगतिरकिटतक

०
८   ९   १०   ११   १२
कड़ानकिटतक नगतिरकिटतक तगतिरकिटतक तिरकिटतकधिर किटतकतिरकिट

| +
१३   १४   १५   १६   १   २
तकधिरकिटतक धिरधिरकिटतक धा घेड़नग तिरकिटतकधिर किटतकतिरकिट

|
३   ४   ५   ६   ७   ८
तकधिरकिटतक धिरधिरकिटतक धा घेड़नग तिरकिटतकधिर किटतकतिरकिट

० |
९   १०   ११   १२   १३   १४
तकधिरकिटतक धिरधिरकिटतक धा घेड़नग तिरकिटतकधिर किटतकतिरकिट

\+
१५   १६   १
तकधिरकिटतक धिरधिरकिटतक धा

बोल. ताल त्रिताल छन्द, चम्पकमाला वा कहरवा

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
क्धाकिट धिटगदि गननागे तिटता कृतकधि किटक द्धिलांग ताकिड़ ताता कतकृधे

। + ।
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
टेधिकिट कतधा दिगंड़ घागेतिट कतधेन तिरकिट तक तक्कधि किटक तादीं केड़नग

० ।
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
धेतिटकि टधगेन नादेघेघे किटतक गदिगन धा धातिर किटतक दीधेनध किटतक

\+
१६ १ २ ३ ४
कतदिन, (दून की लय) तिरकिटतकधिर किटतकतिरकिट तकधिरकिटतक धाती

। ० ।
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
धा ऽ तिरकिटतकधिर किटतकतिरकिट तकधिरकिटतक धाती धा ऽ तिरकिटतकधिर

\+
१४ १५ १६ १
किटतकतिरकिट तकधिरकिटतक धाती धा

जोड़ा

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धाधुम तिरकिट तकतागे तेटकड़ा ऽनकिट तकतागे तेटकेड़ नागेतिर किटतागे तेटकेड़

। —
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४
नागेदि ताधुम तेरकिट तकतागे तिटकड़ा ऽनकेट तकतागे तेटकेड़ नागेतिर किटतागे

। ० ।
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
तिटकिड़ नागेतिर केटधागे तेटकिट तकतागे तेटधुम केटकेट तकतागे तिटकेट तकतागे

\+
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
तेटघेघे तेटधुम किटकिट तकलागे तेटकड़ा ऽनकेट तकलागे तेटतेर किटतक धादिन
० | +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४
धाण दित्ता किड़घा वड़धा दींगड़ धा कुधा दींगड़ धादिन धाकत कुधादींगड़ धादिन
| ० |
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
ता कत्तेटे धाकव कुधादींगड़ धादिन ता कत्तेटे धाकव कुधादींगड धादिन ता
\+
१६ १
कत्तेटे धा

गत, छन्द कहरवा और चम्पक माला भी कहते हैं [ताल तिताला]

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धेना ऽधा ऽड़ धेन तिट धड़ा ऽन दीं घिड़ नग ता कत कता ऽधा ऽन कत
\+ | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
दिन्न दी ऽन्न धा वड़ा ऽन कत कत धि त्ता कुधि नक् धे त्ता कड़ा ऽन् धेत् धग
| ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
नक धेत् धेत् कत कुधि ऽन्न धाति धाऽ नता ऽन दिग दि न्न' कुधा ति धा

जोड़ा

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
कता ऽ ता ऽ न कन तिट कड़ा ऽ न तित् किट् नक धा तिट केना ऽ ता ऽ न किट
\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धां त्रधि ऽ न्न ता नरा ऽ न धा तक कत ता कुवि धेन कत ता घड़ा ऽन् कत
\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धागे नक धेत् धेत कत कधि ऽन्न नाति ताऽ नधा ऽन गिदि गि न्नक धा ति धा

गत, बेढब, गति की दून की लय में ताल, तिताला,

.घेतिरकिट धीकिट के तागे तातिरकिट धीकिट दीगेने नागे धगेन धकिट केतागे

नागेन धाकिट कतक धान धेनून घेनेक दींगेन घेने दिङ्ग ऽगन घेतिरकिट धीकिट

कतक धीकिट करां टेकत कतिरकिटतक तगेन धान धातगे नधान धा तगेन धान धा

छन्द, दण्डिका, वा तेवरा ताल तिताला

धानधाधि त्ताकुधादित्त तानताधित्त धाकुताताित धाऽधाऽतित ताकुधातित तानताधित्

त्तानधा दित्तानताधित् धानधाकत्त ताऽनधाकत धानधाकत

बोल सीधी, गति, का (दून की लय का) ताल तिताला

धिटधिटतागेतिट धिठतगेन्नतिट दिगेन्नेधादिन धाकिटतकिटध किटधिटतगेन्न धाधिटतगे

धाधिटतगेन्न धाधिटतगेन्न धा

गत ताल तिताला

धाधा ऽनधा किटतक तिरकिट गिदी गन नागे तिट घेड़नक दिनतक ताकिटत किटतक

| | | | | + | | | | । | | |
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
धिरधिर किटतक ता घेड़कता घेड़नक ता' घेड़नक ता घेड़नक ता घेत्ता

० । +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
गदिगिन घेत्ता गदिगिन घेत्ता गदिगिन धा तकिटत किटतक धिरधिर किटतक

। ० ।
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
ताघेड़ नकता घेड़नक ताघेड़ नकता घेड़नक ता घेत्ता गदिगन घेत्ता गदिगन घेत्ता

+ । ०
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
गदिगिन धा ताकिटत किटतक धिरधिर किटतक ता घेड़नक ता घेड़नक ता घेड़नक

१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ता घेत्ता गदिगन घेत्ता गदिगन घेत्ता गदिगन धा

टुकड़ा, गत, का ताल त्रिताला १३ मात्रा से आरम्भ

।
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
घेन विट नाविटता गेदिन्नता कत् ऽधुं ऽधीं ऽके नाकिटतक् ता तिरकिटतक ताक ऽतुके

० +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
नाकिटतक् तातिर किटतक ताक ऽतुके ना किटतक् ता।तर किटतक् ताक ऽतुके नाता धा

चौल, गीतांगी, छन्द का, वा गीतिका ताल तिताला ९ मात्रा से आरम्भ

० ।
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धगेन धागे दिन् दीन्त नानाकिटतक तिरकिटतक तानधुंगा धाधुंगा किड़धा दिन्ता

+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
तकिटधुकिट गेनकतगदिगन धाघड़ान् धाधाघड़ान धा ऽधिरकिट धाघडान् धाधाघड़ान् धा

+
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽधिरकिट धाघड़ान् धाधाघड़ान् धा धाधाघडान धा धाधाघड़ान धा

बोल, प्रथम भूलना वा गीता, ताल तिताला

+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
कुधा धिन् धा गेन धागे तिट तागे न धा धिर धिर किटतिक धा धा ऽक तिट धा कुत

। ० । +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
क दिंग नक तिट धागे न ठित् धा घेन क तत् धिर धिर किटतक तातिर किटतक धाग

। ०
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
(दून की लय) धाता किट तक तित् तगेन तक धिरधिरकिटतक् धाकुधा किटतक ठितत गेन

। +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तक धिरधिरकिटतक धाकुधा किटतक तितत गेनतक् धिरधिर किटतक् धाकु धा

जोड़ा

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धा कु धा तित् घेन क तक धिन धा विर किट तक धा कत धा धागे न तित्

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
क तिट घेन तिट घेन क दिन ऽक वि टकु धागे टिट धा गेन धिन तक

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
(दून की लय) धा घेनक तित् गिदिगन धा तधा कत धगेन धागे तित् धा गदिगन धा व

| |
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धा कत धगेन धागे तित् धा गदिगन धा तधा कत् धगेन धागे तित् धा

ताल तिताला बोल ९ मात्रा से आरम्भ

० | +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
कत्तिट घेघे तिट कताऽक धित् धित् धिटधिट घेघे तिट गेधिगिन नगतिट कातिर किटधि

| ० |
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ ११ १३
किटधागे तिटकिट गदिगन कृधद्धि किटधागे तिद्धा कृधान धाता ऽनधा ताधा किटधा धागेतिट

+ |
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
गेधिगेन दिगनन किटतक धिकिट तगेनधागे तिटगेदि ऽवान धा नानाकिटतक् |धकिटत गेनधाग

० | +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तिटगेदि ऽवान धा नानाकिटतक् धिकिटत गेनधागे तिटगेदि ऽवान धा

ताल, तिताला, क, ग, घ, धा, वर्जित बोल एक हत्थी

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
तिट तिट नाते टेता ऽ तेनेता ऽते नेना तिट ता नरा ऽन तरा ऽन नाते टेता ऽते टेवा ऽते

| ० | +
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
टेता नाते टेवा ऽतेटे ता ऽते टेता नाने टेता ऽते टेवा ऽते टेता ता

टुकड़ा, ताल, तिताल।

\+ ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
किट थुन नातेटता किटतिट कातिरकिटतक धिरधिरकिटतक घातिर किटतक गेदिन्ता नादिन्ता

० । +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किटतागे तिरकिटतकता धागेनत गेनधति धातेटेता नातेटेता गेदिनता किटताग तिरकिटतकता

। ०
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
क्टितिकधति धाकड़ान्धा ऽकड़ा ऽकऽन् तातिर किट ताकिटतक तिद्धा कड़ा ऽन्धाक ऽद्धाक

। +
११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽत्ता तातिरकिटतक तकताकिटतक धा तिद्धा ऽक्ड़ान् धा ऽक ड़ा

टुकड़ा, ताल, तिताला

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धाकिट तकधुम किटतक नगतिर किटतक नगतिर कड़ान कधा गेन धाग तिट धाग ना गेति

\+ । ० । ।
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
टधा गेन धागे तिट घेने धा ऽधा ऽत धा घेने धा ऽधा ऽत धा घेन धा ऽधा ऽत धा ॥

टुकड़ा

\+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
धाते टेता तेटे धाक धाते टेधा क्रधा गेदि गेन धक धा नक धातू नाक ऽत्त धाते टेता तेटे

। ० । +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
क्रधा ऽन धा कता धाते टेधा क्रधा ऽन धा कनूता धा तेटेधा क्रधा ऽन धा ॥

बोल, ताल, तिताला

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
धागे विट धागे नंधा कुधा ऽतु ना कुधा तुना ऽक्ु धागे धाकिट्तकधुम किटतक (किटतक

\+ | ० |
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
धुन् धुन् ऽ किटतक् थुं थुं नाते टेता ऽधा दिन्वा किड़धा दिन्ना कत्ते टेधा दिन्ता कत् तेटे

\+ | ० |
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
धादिन् वा किड़धे ऽद्धा दिन्वा घेने नाधा तुना घेने नाधी ऽकता नाधी ऽकता नाधी ऽकता धा)

नोट—इस बोलमें १५ मात्रा से ब्रेकेट के अन्दर के अक्षरदो बार और कहने से सम पर आता है

रवाब की परन १

\+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटतकतड़धा किटतकतड़धा दिंगड़धाधा दिगंड़धादिन् धाकिदताकिट तकातकथुन दीं-

० |
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
गड़तकिटतकाकत्धेत्ताकधि द्धाकिड़ना ऽधित्तागदिगनधेनानगधेत ऽकिटतक तकिटतकाधुमकिट

\+
१
तकगदिगनधा

[२]

\+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
किड़धेत्ता किड़धेत्ता किड़धादीगंड़ धातांगड़धा किटतकताकिटतकाधाथुन दीगड़तकिटतका

० +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धादिन् धाधाविद्धाकिड़ताऽधेत्ता किड़धेत्तधेतादिगंन ऽ नगधेत धुमकिटधाकिट तक्कदिगंड़कत द्धा

ताल, तिताला रबाब की परन

```
+                                          |
१          २          ३          ४          ५                 ६          ७
किटतकधेत्ता किटतकधेत्ता तड़धादिंगड़ धादिन्ताधा किटतकतकिटत  काधादिन् धाकिट
               ०                           |
   ८          ९        १०       ११        १२       १३       १४       १५
तकिटतकाकततित ताकधि द्धाकिड़ता ऽकिड़धा किड़धेत तेनाकिटतक ऽ तिटकत कातिटकतातिट
१६           +
             १
किटधुमकिटतक धा
```

जोड़ा परन न० ४

```
+                                          |
१       २       ३              ४              ५               ६             ७
धातिद्धा गेदिन्ता किड़धाकिटतक दींगड़ताधा धुमकिटनकिटतकाकिटतक धाकिटतकिटत
       ०                                       |
८      ९        १०       ११        १२        १३        १४        १५        १६
काकिटतक ताकिटतकधाकिटतक ऽ तीधा गदिगनधेनाधिटकत् ऽ किटतक दिगंनकिटतक धाधिट
      +
      १
किटतक धा
```

रबाब की छोटी• परने

```
+                      |                          ०
१       २       ३       ४       ५       ६       ७   ८   ९         १०   ११   १२
किड़धेताऽनकिड़ तकधा ताधा किडधेत् धेत्धेत् ताता ताता धाकिटधा ऽ नदीं गड़धा ऽता
|                +
१३  १४  १५  १६  १
ऽ धा ऽ ता ऽ धा ऽता धा
```

\+ + | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
तगेन्न धा किड़धेत् ता किड़धा धातां गड़धा ताधा किटतका ऽ धान धाताऽनधा किड़धा

\+
१४ १५ १६ १
धा ऽ तक धातक धातक धा

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
किड़धेत्त घेड़नग तकथुन ताता तकतक तकतक धाधा धाधा तकधिलां ऽगकिट तकता

| +
१२ १३ १४ १५ १६ १
धेत्ता किड़धा ऽता ऽधा ऽधा धा

\+ + | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
धातक धाता तकती कड़ान किड़धा ताधा कतदिग टकता धेत्तगे ऽन्नाधा ऽता ऽनधा ऽ

\+
१४ १५ १६ १
धा ऽनधा ऽता ऽनता धा

अंगुश्ताना, ताल तिताला

\+ | ० | + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
धा ऽ ते ट धा धा ते टे घेड़ नग दिन तक तग तिर किट तक ता ऽ किट तक ता किट

० |
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तक तिरकिट तकतिर किटतक तकिट तकतिर किटतक धातिट घेड़नग दिनतक

अंगुश्ताना, ताल, तिताला

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
दीं किट तक दिन घेड़ नग तूना कत्ता धग नधा तिरकिट धेन घेड़ नग तूना कन्ता

+ १ २ ३ ४ | ५ ६ ७ ८ ० ९ १० ११ | १२ १३ १४ १५ १६
तक धेन तक धेन तक धन तूना कत्ता धगे नधा तिरकिट धेन धेड़ नग तूना कत्ता

जोड़ा

+ १ २ ३ ४ | ५ ६ ७ ८ ० ९ १० ११ | १२ १३ १४ १५
ती केड़ नग धेन धेड़ नग तूना कत्ता तगे नता किटतक धेन धेड़ नक तिरकिट

+ १ २ ३ ४ | ५ ६ ७ ८ ० ९ १० ११ | १२ १३ १४ १५ १६
कत्त धेन कत धेन कत धेन किटता तिरकिट तगे नता किटतक धेन कन गेन तूना कत्ता

[पेंच] — ताल, तिताला

+ १ २ ३ ४ | ५ ६ ७ ८ ० ९ १० ११ १२
धागे नधा तिरकिट धागे नधा तिरकिट धाधा तिरकिट धागे नधा तिरकिट तूना

१४ १५ १६ + १ २ ३ | ४ ५ ६ ७ ८ ० ९
तक तिरकिट तकता तिरकिट तागे नता तिरकिट तागे नता तिरकिट धाधा तिरकिट धागे

११ | १२ १३ १४ १५ १६
तिरकिट तूना किटतक तिरकिट तकता तिरकिट

+ १ २ ३ ४ | ५ ६ ७ ८ ० ९ १० ११ १२
तागे नता किटतक तागे किटतक किटतक धाधा किटतक तागे नता किटतक धिन्ना

१४ १५ १६ + १ २ ३ | ४ ५ ६ ७ ८ ० ९
तक तिरकिट कतता तिरकिट धागे नधा किटतक धागे नधा किटतक ताता तिरकिट तगे

११ | १२ १३ १४ १५ १६
तिरकिट धिन्ना किटतक तिरकिट कतता तिरकिट

वीणा के साथ, तार परने, ताल तिताला

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धिन्तिर किटतक ता ऽ कत धिन् नड़ा ऽन घेनतरा ऽन कत् ता तिरकिट धा ऽता धा

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धातिर किटतक ता ऽ कत घेन दिन् ऽ धाक ऽद्धा ऽता ऽता धा ऽता धा ऽता धा

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
कतविर किटतक धा ऽ किट धिन् नरा ऽकिट तकधा तित्ता धाकिट तकधा तित्ता धाकिट

\+
१५ १६ १
तकधा तित्ता धा

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
घेतिर किटतक धा ऽ तिट नड़ा ऽन विन् नाते टेता नाते टेधा ऽकिट तकता ऽकिट

\+ | ० | +
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तकधा ऽकत ऽकिट तकति द्धा तिद्धा ऽतिद्धा तकति धा तिद्धा ऽतिद्धा तकति द्धा तिद्धा ऽतिद्धा

लग्गी, ताल तिताला

\+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
घेनेनाना धिन्तिरकिटतक धुन्कऽतदिन्ऽन्ता किटतकधाति तिरकिटतकधिरकिटतककत

० | +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धिन्तरानधा ऽकऽत् दिन्ता धाकत ऽ धिरकिटतकधा ऽ धिरकिटतक धा ऽधिरकिटतक धा

लग्गी, ताल तिताला

\+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
ऽधिरकिटतक धिन्नड़ान्धा कदिनताऽदिन्ता ऽदिनता ऽदिनता धाधिननड़ानधा कदिन्ता

०　　　　　　　　　　　　　　　　|　　　　　　　　　　　　　　+
९　१०　११　१२　　　　१३　१४　१५　१६　१
ऽदिन्ता ऽदिन्ता ऽदिन्ता धाधिन्नड़ान्धा कदिन्ता ऽदिन्ता ऽदिनता ऽदिन्ता धा

लग्गी; ताल तिताला

+　　　　　　　　|
१　२　३　४　५ ६　७　८　९ १०
धिन्तरान्धा कतते टेता ऽकिटतक धा कद्दिन्नड़ान किटनकथुन कऽत्ता धा कत्तिर

|　　　　　　　　　　　　　　　　　+
११　१२　१३　१४　१५　१६　१
किटतकधाक ऽतधाऽत्ता धाकत्तिरकिटतक धाकऽतधा ऽताधा कत्तिरकिटतकधाक ऽतधाऽता धा

लग्गी, ताल तिताला

+　　　　　　|　　　　०　　　　|
१　२　३　४　५　६　७　८ ९　१०　११　१२　१३ १४
किट किन्ना नातिर किटतिर किटतक तिन्ना तिन् ऽ ऽ दिन् ऽ कत् थुन् किटतक

+
१५　१६　१
नतिर किटतक धा

+　　　|　　　　०　　　|
१ २ ३ ४　५ ६　७　८　९　१०　११ १२ १३ १४　१५　१६
दिन् ऽ ऽ तिरकिट कत् तिरकिट नातिर किटथुऽन् कऽता धा केन नाते टे ताऽतिर किट

+　　|　　　　　०　　　　|
१　२ ३ ४　५　६　७　८　९　१०　११　१२　१३ १४
तक थुन ऽ ऽ ऽक ऽत्ता तिरकिट नातिर किटतक धा तिरकिट नातिर किटतक धा तिरकिट

+
१५　१६　१
नातिर किटतक धा

+　　|　　　　०　　　　|
१　२　३　४　५　६　७　८ ९ १० ११　१२　१३　१४ १५ १६
घेने तिट नाते टेता ऽतिर कितेक दिन् ऽ ऽ कत ऽतिर किटतक घिरकिट धा ऽ कत

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धुन विना ऽतिर किटतक धा कत धुन विना ऽविर किटतक धा कत धुन विना ऽविर किटतक धा

पेशकारा, गत, ताल तिताला

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धिन्धा ऽ धिन्धा धाधा तींग तिंदा कत्ता तींग तिंदा कत्ता तिरकिट घेन घेन धागे

\+ | ० |
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
नधा तिरकिट धागे नधा तिरकिट धिना तींग तिंदा कत्ता तींग तिंदा कत्ता तिरकिट घेन घेन

१४ १५ १६
धागे नधा तिरकिट

जोड़ा

| ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तिन्ता ऽतिनता ताता गेन केदि गिन्ता धीक धिन्ता कत्ता त्रक गेन तागे तागे नता त्रक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तागे नता त्रेक तीना धीक धिन्ता किन्ना धीक धिन्ता किन्ना त्रक गेन तेन तागे नता त्रक

पेशकारा, ताल तिताला

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धीक धिन्ता त्रीक धिन्ता ऽत्ता धीक धिन्ता ऽत्ता तीक तिन्ता त्रीक धिन्ता ऽत्ता धीक

१५ १६
धिन्ता ऽत्ता

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
२—धीक धिन्ना धीक धिन्ना त्रीक धिन्ना ऽत्ता त्रीक धिन्ना ऽत्ता त्रीक धिन्ना ऽत्ता त्रीक
१५ १६
धिन्ना ऽत्ता

+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
३—तीक तिन्ना धीक धिन्ना त्रीक धिन्ना ऽत्ता त्रीक धिन्ना ऽत्ता त्रीक धिन्ना ऽत्ता त्रीक
१५ १६
धिन्ना ऽत्ता

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
४—त्रीक धिन्ना ऽत्ता त्रीक धिन्ना ऽत्ता धीक धिन्ना त्रीक धिन्ना ऽत्ता धीक धिन्ना ऽत्ता
१५ १६
त्रक धिन्ना

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
५—ऽत्ता त्रीक धिन्ना ऽत्ता धिन्ना ऽत्ता धाधी ऽकधिन् ना त्रीक धिन्ना ऽत्ता धाऽ
१४ १५ १६
धीक धिन्ना ऽत्ता

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
६—त्रीक तिन्ना ऽत्ता त्रीक तिन्ना ऽत्ता तीक तिन्ना त्रीक तिन्ना ऽत्ता तीक तिन्ना ऽत्ता
१५ १६
त्रीक तिन्ना

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
७—ऽत्ता त्रीक तिन्ना ऽत्ता तिन्ना ऽत्ता ताती ऽकतिन् ना त्रीक तिन्ना ऽत्ता धीक
१४ १५ १६
धिन्ना ऽत्ता त्रक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
८—धिन्ना ऽत्ता त्रक धिन्ना ऽत्ता धिन् ऽत्ता त्रक धिन्ना ऽत्ता त्रक धिन्ना ऽत्ता धिन्ना
१५ १६
ऽत्ता धीक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
९—धिन्नात्रकधिन्नाऽत्रकधिन्ना ऽत्ताधीक धिन्ना त्रक धिन्ना ऽ त्रक धिन्ना ऽत्ता तीक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१०—तिन्ना त्रक तिन्नाऽ त्रक तिन्नाऽत्तातीक तिन्ना त्रक तिन्ना ऽ त्रक तिन्ना ऽत्ता धीक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
११—धीक धिन्ना त्रक धिन्ना त्रक धिन्ना त्रक धिन्ना धीक धिन्ना त्रक धिन्ना ऽत्ता धीक
१५ १६
धिन्ना ऽत्ता

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१२—तीक तिन्ना त्रक तिन्ना धीक धिन्ना त्रक धिन्ना तीक तिन्ना त्रक धिन्ना धीक
१४ १५ १६
धिन्ना धीक धिन्ना

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१३—त्रक धिन्ना धीक धिन्ना त्रक तिन्ना त्रक धिन्ना त्रक धिन्ना त्रक धिन्ना धीक
१४ १५ १६
धिन्ना त्रक धिन्ना

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१४—त्रक धिन्ना धीक धिन्ना धीक धिन्ना त्रक धिन्ना त्रक तिन्ना धीक धिन्ना धीक
१४ १५ १६

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१५ -धा त्रक धिन्ना धीऽकधि ताग्रकधिन्ना धीऽकधि धा त्रकधिन् ता धा त्रकधिन्
१५ १६
ताधी ऽकधी

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१६—तात्रक धिन्ना तात्र कधिन्ना धात्र कतिन् धात्रे ऽक्क धात्रे ऽक्क धीक धीना
१५ १६
धात्रे ऽक्क

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१७—धात्रे ऽक्क धीक धिना धात्रे ऽक्क धीक धिना तात्रे ऽक्क धीक धिना धात्रे
१४ १५ १६
ऽक्क तीक तिना

\+ ! ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१८—तात्रे ऽक्क धात्रे ऽक्क तात्रे ऽक्क धीक धिन तात्रे ऽक्क धीक तात्रे ऽक्क धीक
१५ १६
तात्रे ऽक्क

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१९—धात्रे ऽक्क ऽ ऽ तात्रे ऽक्क ऽ ऽ तात्रे ऽक्क धात्रे ऽक्क तीक तिना धात्रे ऽक्क

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
२० -तात्रे ऽक्क ऽ धात्रे ऽक्क ऽ तात्रे ऽक्क धात्रे ऽक्क तात्रे ऽक्क ऽत्रे ऽक्क ऽत्रे ऽक्क

पेशकारा का बाँट

\+ | ० |
२१—धीक धिंता त्रक धिंता त्रक धिंता त्रक धिंता धीक धिंता त्रक धिन्ता ऽ धीक धीन्वा ऽत्त

\+ | ० |
२२—तीक तिन्ता त्रक तिन्वा त्रक तिन्ता त्रक तिन्वा तीक तिन्ता त्रक तिन्वा ऽत धीक धिन्वा ऽत्त

\+ | ० |
२३—धीक धिन्ता त्रक धिन्ता तीक तीन्वा त्रक धिन्वा धीक धिन्वा त्रक धिन्ता तीक तिन्वा त्रक धिन्ता

\+ | ० |
२४—त्रक धिन्ता धीक धिन्ता त्रक धिन्वा धीक धिन्वा त्रक तिन्ता त्रक तिन्वा त्रक धिन्वा धीक धिन्ता

\+ | ० |
२५—त्रक धिन्ता त्रक धिन्ता धीक धिन्वा त्रक धिन्ता त्रक धिन्वा धीक धिन्ता त्रक तिन्वा धीक धिन्वा

\+ | ० |
२६—त्रक तिन्ता त्रक तिन्ता तीक तिन्वा त्रक तिन्ता त्रक तिन्वा तीक तिन्वा त्रक तिन्वा धीक धिन्ता

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
२७—धात्रे ऽक धिन्ता धात्रे ऽक धिन्ता धीऽकधी ऽत्रधि धात्रे ऽक धिन्वा धीऽकधि तात्रे
१४ १५ १६
ऽक धिन्ता धीऽक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
२८—तात्री ऽक धिन्धा धीऽकधि धात्री ऽकतिन् ताधी ऽकधि ऽधी ऽकधी ताधी ऽकधाता
१४ १५ १६
ऽधी ऽकधी ता

पेशकार बांट त्रिताल

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धाती धागे नधा तूक धाती धागे धेने गेने ताती तागे नत्ता तूक धाती धागे घेने घेने।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ • १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागे नधा तूक धाती तागे नता तूक ताती धागे नधा तूक धाती तागे नता तूक ताती।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धातूकधागेन धाती धातूकधागेन धाती तातूकतागेन ताती धाती धागे धेने घेने।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागेनधागेन धाती तागेनतागेन ताती धातूकधागेनधाती धाती धागे धेने घेने।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धात्रकधात्रक त्रक धात्रकधात्रक त्रक धात्रकधात्रक धागे धाती धागे धेने घेने।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागेत्रक धेने घेने धागे त्रक धेने घेने तागे त्रक तेने केने धाती धागे धेने घेने

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागे धागे धेने घेने धागे धागे धने घेने ताके ताके तेने केने धाती धागे घेने घेने

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागेनधागेन धागे त्रक धागे धेने घेने तागेनतागेन ताके त्रक ताके तेने केने।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
त्रक धागे धेने घेने त्रक धागे धेने घेने त्रक ताके तेने केने धाती धागे धेने घेने

\+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
त्रक त्रक धेने धेने त्रक त्रक धेने धेधे त्रक त्रक धे। धेने धाती धागे धेने धेने

\+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
त्रक धेने धेने त्रक धेने धेने धेने धेने त्रक त्रक धेने धेने धाता धेन धेने धेने

\+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धाती धिन धिन धिन धाती धिन धिन धिन धात्रक धात्रक धागे धाती धागे धेन धेन

\+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
ताती किन तिन किन ताती किन्न किन किन धात्रक धात्रक धाग धाती धाग धेने धेने

\+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धेने धेने धेने धेने धेने धेने,धाती धेने धात्रक धात्रक धागे त्रक धागे धेने धेने

\+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
ऽ ऽ धेने धेने धाती धागे धेने धेने ऽ त्रक तेने केने धागे धागे धेने धेने

\+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धेने धेने धाग ऽ धागे धागे धेने धेने धा ऽ धेने धेने धाती धागे धेने धेने

\+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
ऽ त्रक धेने धेने ऽ त्रक धेने धेने ऽ त्रक तेने केने धाती धागे धेने धेने।

सूचना—ऊपर वाले बोलों को एक बार जैसे धा के साथ लिखा है वैसे और एक बार ता लगा कर बजाया जा सकता है। जैसे ताती किन तिन किन ताती किन तिन किन तात्रक तात्रक ताक त्रक तागे तेने केने।

❀ नाचने वालों का इतिहास ❀

यों तो भारतवर्ष में कई प्रकार के नाच आजकल नाचे जाते हैं, और सभी प्रकार के नाचों का सम्बन्ध ताल और लय से होता है परन्तु कत्थक नृत विशेष रूप से सबसे सम्बन्धित है, इस लिये हम यहां पर कत्थक नृत्य के कलाकारों का इतिहास दे रहे हैं। कत्थक उत्तर प्रदेश के जिला प्रयाग के हल्दा हड़िया तहसील के रहने वाले थे। इन में से कुछ लोग महाराजा जयसिंह के साथ जयपुर चले गये थे। जानकी प्रसाद नाम के प्रसिद्ध कलाकार इन्हीं लोगों के वंश में राजस्थान में हुये। प्रकाश जी उत्तर प्रदेश के हड़िया तहसील के रहने वाले थे इन ही वंश परम्परा के कुछ लोग बीकानेर में चले गये थे। उसमें बिहारी लाल, पूरण लाल, हीरालाल, गोपाल जी हनुमान प्रसाद वगैरा प्रसिद्ध नाचने वाले हुए। गोपाल जी के पुत्र कृष्णकुमार आजकल अच्छे नाचने वालों में से हैं। जानकी प्रसाद की वंश परम्परा में पुरुषोत्तम जी, ललिता प्रसाद, गिरधारी मिश्र वगैरा हुए। इस वंश के मोहनलाल जी (मैंने मोहन लाल जी से भी नाच के टुकड़े पाये हैं।) नारायण प्रसाद आज अच्छे नाचने वालों में हैं। युक्त प्रान्त में जो नाचने वाले रह गए थे उनमें से प्रकाश जी के पुत्र दुर्गाप्रसाद तथा ठाकुर प्रसाद जी और उनके पुत्र बिन्दादीन जी, कालकाप्रसाद जी प्रसिद्ध नृत्यकार हुए हैं। कालकाप्रसाद के पुत्र अच्छन, लच्छू और शम्भूनाथ ने बिन्दादीन जी से ही शिक्षा पाई थी। यह तीनों वर्तमान समय के श्रेष्ठ नृत्यकार हुए हैं बिन्दादीन जी के शिष्य जयलाल भी नाच के अच्छे ज्ञाता थे।

नाच चार प्रकार का होता है। संगीत, प्रवलु या परमलु, लास्य और तांडव। इन में से संगीत और प्रवलु यहां प्राय कार्य में लिये जाते हैं। लास्य और तांडव नहीं लिये जाते हैं। लास्य पार्वती जी के नृत्य को और तांडव महादेव जी के नृत्य को कहते हैं। आजकल नृत्य के जो आचार्य हैं उन्हों ने नृत्यकला में संगीत और परमलु के नाम से क्रिया को विख्यात कर रक्खा है, इस लिये संगीत और परमलु के नाम को ही कार्य में लिया जाता है।

नृत्य के ठेके, व ताल

ताल, तिताला

+				।		-		०				।			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	२३	१४	१५	१६
ता	ऽ	थे	ई	थे	ई	तत्	ऽ	ऽ	ऽ	थे	ई	थे	ई	त	ऽत्

ठेका एक ताला, या चौताला,

+				।				।			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
ता	थेई	थेई	त	ऽत्	थेई	थेई	त	ऽत्	थेई	थेई	तत्

ताल झपताला

+		।			०		।		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
ता	थेई	थेई	तत्	ऽ	थेई	थेई	तत्	थेई	तत्

ठेका, शूल

+		०	'	।		।		०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
ता	थेई	थेई	तत्	तत्	तत्	थेई	तत्	थेई	तत्

ताल धमार

+			०		।		०					०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
धा	थे	ई	थे	ई	त	ऽत्	थे	ई	ऽ	थे	ई	त	ऽत

ठेका नेवरा

+			।		।	
१	२	३	४	५	६	७
थे	ई	थे	ई	तत्	ता	थेई

ताल आड़ा चौताला

| ० | ० | ० | ० | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धा ऽ थे ई थे ई ता थेई धा ता थेई तत् तत् थेई

गणेशजी की स्तुती, ताल, तिताला

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
कातिर किट धिकिट कत्त गदि गन कत घिन् तद्दा ऽन धा ऽ दिन् दिन् धा ऽ धा

| ० | + |
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
घेन धा घेन धा ऽ कुध किट क त्तिट कातिर किटधिकिट घेन धा ऽ गणा ऽना ऽम गण पति

० | + | ०
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
गणेऽश लम्बो दर सो हे भुजा ऽ चा ऽ र एक दन्त चऽन्द्रमा ललाऽट रा जै त्र छा वि ष णु

| + | ० |
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
महे श वा ऽ ल दं धुर पद गा वें अति विचिऽत्र गण ना थ आ ऽ ज मृ दं ग बजा वें

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
धिट धड़ा ऽप धिर धिर क्रुधाऽन दिन दिन दिन नागे नागे नागे धन धन तिन तिन ताके

| ० | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४
नाना तदि गन घ्रिग घ्रिग दिन दिन दिनागे दिनागे ता क्रुधा ऽ ब किटतक धरा ऽन तरा ऽन

| ० | +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धा किटतक धरा ऽन तरा ऽन धा किटतक धरा ऽन तरा ऽन धा

स्तुती, को निकालने वाला बोल,

+ | ० | + |
धेना धाड़ धेन तिट घड़ानदी घेड़नक ताकत् कता धानकत दिन्न दिन्न धा धड़ाव धा
० | + | ० |
कत् धेत्ता कुधिनकुधेत्ताक्ड़ान धेत् धगे नक धेत धेत् कतत्‌घेन्न धाति धान तान दिग दिन्न
+
कुधा दिद्धा

"स्तुती" कृष्णजी, ब्रह्मा, महेश,

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ ११
श्याम धाघन श्याम धा राधा हरी मोहन गोविन्द शंकर धा कृष्ण धाद्वार केश
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धा तड़तड़ गिड़गिड़ धिकधिक धा धिगधिलां ऽगधा ब्रह्मा बिश्नु महेश धा पंचुम रवीहनु
| + | ०
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
मान धा छोटे बड़े भैरो धा नाथ धाम कुन्द धा मथुरा नरहरी सीतल धाग धागे ताग धाग
| +
१२ १३ १४ १५ १६ १
धागे ताग धाग धागे ताग धा

संगीत, नृत्य [ताल तिताला]

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
क्ड़ान ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ कड़ा ऽन् तान ऽत्ता किटतक.
+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४
धा ऽ ऽ ऽ तिट कत गदि गन ता ऽ ऽ ऽ धा तिट तक धुम किट तक धेत्ता
| ० | + | ०
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
तग ण्ड़ा ऽन् धा किट तक ना चत रा ऽ धा ऽ दे ऽ धी ई हृ ऽ री ऽ मो ऽ ह

| + | ० | +
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
न श्या ऽ म सु ं द र घ न श्या ऽ म छ बी ऽ ले ये ज टा ऽ शं ऽ क री

| ० | + | ०
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
ऽ ब्र ऽ ह्म क मं ऽ ड ल वा ऽ ल मु ं कु ं ऽ द घ ने ऽ रो ऽ किट ऽ त क

| +
१३ १४ १५ १६ १
ता ऽ ता ऽ ता

संगीत का टुकड़ा "ताल त्रिताला

० + | ०
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
जग जग तं जै जग जग तं जै जगत कुं ऽ क जग त जै ऽ तक थुंन थुंन ऽ त्रान

| + | ० | +
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽ त्रान ऽ तत् थे ई ऽ त्रान ऽ त्रान ऽ तत् थे इ ऽ त्रान ऽ त्रान् ऽ तत थेई

संगीत के बोल "ताल तिताला"

+ | ० | - |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
हा थ से ह थे ली बा जे पां व से प द म छ न्द मु ख से मृ चं ग

० | + | ० |
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
बा जे घु ं घ रू घन कै ऽ या ऽ प्र गि धु न प्र गि धु न नू पुर के नू पुर के

+ | ० | + |
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
धु न ल च क म च क क रे क द म की छै ऽ या ऽ तु ल सी दा ऽ स सं

० | + | ० |
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १
ऽ गी ऽ त र घे त न वि चा ज त मृ दं ग त व ना च त क न्है

+ | ० | +
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
न्है या ऽ ऽ क न्है या क न्है या ऽ ऽ क न्है या क न्है या

यह बोल तोपका "ताल तिताला"

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
धा किट तक धुम किट तक धे ऽ द्ध न न न न न न न कि ता ऽ धु

| ० +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किट तक गेदा ऽन धा ऽ गेदा ऽन धा ऽ गेदा ऽन धा

प्रवलु या परमलु "ताल तिताला"

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १
थुन थुन तत् तत् तीधा दिगदिग थेई ता ऽ तीधा दिगदिग थेई ता ऽ थुन

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
तत् तत् तीधा दिगदिग थेई ता ऽ तीधा दिगदिग थेई ता ऽ थुन थुन तत् तत् तीधा दि

| ० | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
दिग थेई ता ऽ तीधा दिगदिग थेई ता तीधा दिगदिग थेई ता तीधा दिगदिग थेई ता

नृत्य का प्रवलु या परवलु "ताल तिताला"

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तत् तत् ता द्रग झुन झुन किकि कत थो थर्र ऽगं तक थुन थुन तीधा दिगदिग

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
थेई ऽ तत् तत ता दग भुन भुन भिभि कत थो थर्व ऽग तक थुन थुन तीधा दिगदिग थेई

| ० | + |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
ऽ तत् तत् ता द्रिग भुन मुन भिभि कत थों थर्व ऽग तक थुन थुन तीधा दिगदिग थेई

० | +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तक थुन थुन तीधा दिगदिग थेई तक थुन थुन तीधा दिगदिग थेई

प्रवल्हू या परमल्हू "ताल त्रिताल"

\+ | ० | + | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
हि घ क त म्ङि म्क क मु क त कु च ह ल ह ल पं ऽ न्द्र च म क च प ला

| + | ० | +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽ घ म क व मु ख मं ऽ द हं स त मो ऽ ह न बे नी मा ऽ ऽ ऽ धो

| ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽ बे नी मा ऽ ऽ ऽ धो ऽ बे नी मा ऽ ऽ ऽ धो

प्रवल्हू या परमल्हू नृत्य का "ताल त्रिताल"

\+ | ० | + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
त त त त ता ऽ किट कत गदि गन धा ऽ क ऽ द्धा ऽ गदि गन धा ऽ किट

० | + | ०
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
धे ऽ न्न ध ऽन न त क ऽ द्धा ऽ धा किट तकि टत का ऽ घुम किट तकि

| + | ०
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
टत ... किट घडा ऽन घम किट क ऽ

| | + | | ० | |
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
त्त धा ऽ तग तग दिग तिट धा ऽ धागे विट धुम किट धा ऽ धुम किट धा क

+ | ० | +
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
द्धा ऽ धा किट तक धुम किट तक गदि गन धा ऽ गदि गन धा ऽ गदि गन धा

कालीजी की स्तुती ताल त्रिताला

नोट—ब्रेकेट के अन्दर के लिखे हुए अक्षरों को तीन बार पढ़ कर फिर आगे के शब्द सवाई लय में पढ़ने से सम पर आता है।

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
(ह्री य खऽड्ग लिए त्रिशूल धाऽर का ली कल-क चं वा ली विग धेऽत्ता विधा

२ ३ ४ [सवाई लय]—१३ १४ १५ १६ १
दिगदिग थेई ऽ) ३, थेई ऽ थेई थेई थेई

नृत्य का बोल "ताल त्रिताला"

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
फ्रिकि धुन फ्रिकि धुन फ्रिगिन फ्रिगिन धुन धुना ऽन धुना ऽन कर तकि कीकी की

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
की कुलना नाचे नन्द जीको ललना नाचे नन्द जीको लल ना नाचे नन्द जीको लल ना

कृष्ण भगवान के नृत्य के समय की स्तुति खाली से प्रारम्भ

० | + | ०
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
नट वर ना चत स गी त गीऽत विविध भांऽति गति नई ऽ नई ऽ ता पर पग

| + | ० | | +
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
नू नू पुर वा जै थों द्रिग त्रां त्रां थे ई थों द्रिग त्रां त्रां थे ई थों द्रिग त्रां त्रां थेई

कड़ान, का, परमलु ताल, तिताला

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
१ कड़ान् धा कद्दा ऽक ऽतक्ड़ा ऽन्धा ऽक ऽद्दा ऽक ऽतक्ड़ा ऽन्धा ऽक ऽ धा

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
२ कड़ान् धाक द्दा कतकत ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽकद्दा कतकत् ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽक द्दा

६॥ मात्रा से आरम्भ

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ [] ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
३ कड़ा ऽन्धा ऽकत कत् ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽकत् कत ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽक द्दा

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
४– कड़ान् धाक ऽद्दा ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽक ऽद्दा ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽक द्दा

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
५– कड़ान्धा ऽक्ड़ान् धाक्ड़ा ऽन्धा ऽक्ड़ान् धाक्ड़ा ऽन्धा ऽक्ड़ान् धा

अनागत ग्रह का परमलु

१॥ मात्रा से आरम्भ और १॥ ही मात्रा पर समाप्त

+ | ० |
१ [] २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
६– कड़ान् धा कद्दा ऽक द्दा कतकत् ऽक्ड़ान् धा कद्दा ऽक धा कतकत् ऽक्ड़ान् धा

+
१५ १६ १ [] २
कद्दा ऽक द्दा कड़ान+धा

अतीत ग्रह का परमलु १६॥ मात्रा से आरम्भ और १५॥ मात्रा पर समाप्त

```
 [] +                 |                    o                        |
   १    २  ३ ४    ५    ६    ७    ८ ९ १०   ११   १२   १३
७—धा क्ड़ान्धा ऽधा ड़ा धाकत कत्धा ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽक ड़ा धाकत कत्धा ऽक्ड़ा ऽन्धा

                  +
  १४ १५ [] १६   १
  ऽक ड़ा कत्+ऽकत् धा
```

विषम, ग्रह का परमलु २॥ मात्रा से आरम्भ और १६॥ मात्रा पर समाप्त

```
 []                               o                    |              +
     ३   ४  ५  ६  ७    ८    ९ १० ११ १२      १३ १४ १५ १६ [] १
८—क्ड़ा ऽन्धा ऽक ड़ा ऽक ऽत्क्ड़ा ऽन्धा ऽक ड़ा ऽक ऽत्क्ड़ा ऽन्धा ऽक ड़ा ऽकत् धा
```

थेई, का परमलु ताल, तिताला

```
  +      |       o          |
  १ २ ३ ४,५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१—थे ई थे ई ति थे ई तां ह् तां हं तक तत् थों ओ ऽम्

  +      |       o          |
  १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
२—थे ई त त थे ई त त थे ई ऽ थे ई ऽ थे ई

  +      |       o          |
  १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
३—थे ई ता ह् थे ई ता हं ति थे ई ता थे ई ता हं

  +      |       o          |
  १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
४—थे ई तत् तत थे ई तत् तत थे ई थेई ऽ थेई थेई ऽ थेई

  +      |       o          |
  १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
५—थेइ ऽ थेई थेइ ऽवा हं ता ह् ता त चक थों ओं तक थों ओं

  +         |          o            |
  १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
६—थेइ ऽवा थेइ ऽता तां तां थरि थरि कत्क ऽथेइ तत थेइ तत थेइ तत थेइ तत थेइ
```

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
७—थेइ तत् ऽत क थेइ तत् ऽत क तत ता थे इ त तता थेइ तत ताथे इ

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
८—ताथे ईता ऽथे ईता ऽथे इता ताथे ईता ऽथे ईता ऽथे इता ताथे ईता ऽथे इता

छन्द भूलना तुतोष शिव तांडव स्तोत्र ताल त्रिताला ८ मात्रा

सूचना—यह स्तोत्र ७॥ वीं मात्रा से उठना है

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
जटा कटाह सम्भ्रम भ्रम न्निलिम्प निर्झरी

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
विलोल वीचि वल्लरी विराजमान मूर्द्ध नि

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
धग द्धग द्धग ज्ज्वलल्ललाट पट्ट पावके

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ १
किशोर चन्द्र शेखरे रति प्रतिक्षणं मम मम

'संगीत' शिवजी की परन 'अमृत ध्वनि' ताल त्रिताला

नोट—९ वीं मात्रा से आरम्भ

० | + | ० |
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
ज टा ऽ जू ऽ ट म द गं ऽ ग भ ल ऽक् क त सी ऽ स चें ऽ

+ | ० | + |
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
द्र ली ऽ ल्ला ऽ ट भ ल ऽक् क त सु ऽ ड म ऽ ल ग ले शे ऽ प ध र

० | + | ० |
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
गि ध र पा ऽ र व ती ऽ प ती शि व ह र ह र पा ऽ र व ती ऽ प

+ | ० | +
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ती शि व ह र ह र पा ऽ र व ती ऽ प ती शि व ह र हर

ताल एक ताला की परन अदीत्त की

नोट—अदीत्त, अर्थात ताल के ही आधार पर बोल की रचना की गई है। किन्तु मात्रा होते हुए भी मात्रा के गति का नियम ताल आधीन है।

\+ १ २ ३ ४ | ५ ६ ७
धिन्तिर किटधु तिरकिट नगतकतकतक दिगतकतकतक धिन्नाड़ाधुम किटतकतक

| ८ ९ १० ११ १२
धुन्धिगिदिधिगिदिधिधिकिटतक धिधिकिटधिलांग कत्ताधाकत्दींकिटतक् धिधिकिटतकदिगदि

\+ १
किटकतगदिगन धा

ताल एक ताला बोल चौपल्ली गत पंजाबी

\+ १ २ ३ ४ | ५ ६ ७ ८ | ९ १० ११ १२
कविट तक् गेनक धिन् धगेन तक घेड़नगनग तित् किड़धिन् कधिन् दिगेन नातिट

\+ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ | ९ १०
तिटक तान धिटकुधान कधिन कतक धिरधिरकिट तकधा कतिट घेड़नकतक् (दून की लय)

११ १२ + १
तिरकिटतकता धिरधिरकिटधा कड़ातधा

जोड़ा

\+ १ २ ३ ४ | ५ ६ ७ ८ | ९ १० ११ १२
धगेन तक् धिरधिरकिट धा दिगेन कत घेनक धिन् धागेदि गेनाना घेघेति टकता

१ २ ३ ४ | ५ ६ ७ ८ | ९ १०
गदिग नतागे धिनधे ड़नग धागेन तकधिन् नागेन कतृतिन् धाकधे नाकितक (दून की लय)

११ १२ + १
धिरकिटतकताविरतिरकिट धाकड़ात धा

एक ताला विजली का बोल

+ ... | ... |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
ताड़ाव तड़तड़ धीवा किटतक तकधुन किटवक धड़ान दिगतक तकिटधि किटतक

+ | |
११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
तकिटधि किटतक तकधुम किटतक धाऽधि किटतक धाधा तड़तड़ धीवा किटतक तकधुम

+ | |
१० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
किटतक गदिगन धाधा धा किटतक तकधुम किटतक गदिगन धाधाँ धा किटतक तकधुम

+
१० ११ १२ १
किटतक गदिगन धाधा धा

लय, आड़ी. एक ताला. घे, ता, धा, वर्जित बोल

+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
क्ड़ान क्ड़ान नगन नगेन गेनेन दगेगे न.गिर दिगेन नगन गनग नाक्ड़ान् किड़नग

— | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
केट गेना नान क्ड़ान किड़ना किटकिटके केकेके किटग ही गदिदी गदिगन दिगनरान

+
१२ १
देननरान् का

ठेका. एक ताला, ना, ता. धा. वर्जित बोल,

+ | | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
केकेके गेगेगे ककक घघघ केगेके घेकेगे गेकेघे केगेके का केगेके का केगेके का

श्रीकृष्ण स्तुति ताल चौताला छन्द गीतांगी

\+ ० । ० । ।
करके कगन करक गये किन गढ़त नटनागर किधर गिरधर किधर गये मुकुटधर रैन
\+ ० । ० ।
दिन रटत राधा नट नागर को (सकल वृज जन) धाकिटतक धुमकिट किटतक धकिटतक धुम
। +
तिर किटतक धाकिट तक धुमकिर किटतक धा। ब्रेकेट मे बन्द शब्दो को छोड़कर सब तबले के अक्षर हैं। बन्द अक्षरों के स्थान पर कतिट दिन् दिन् बजाओ।

•श्रीगणेश स्तुति ताल चौताला छन्द गीतांगी

\+ ० । ० । ।
(श्रवण सुन्दर नाम गणपति ज्ञान नाथ गजाननम्) धृक धान् धकिट तदन्त धा कत
\+ ० । ० । । +
(लम्बोदर एक दन्त) धा कत लम्बोदर एक दन्त धा कत लम्बोदर एक दन्त धा कत धा
\+ ० । ०
ब्रेकेट के अन्दर बन्द अक्षरों की जगह गदिन गेदिर निदेगे नाविट गेन्न नागे गेदि नान दिन्। लम्बोदर एक दन्त धा = तेनेदि विटकत दिन्त धा।

स्तुती गणेशजी की ताल चौताल

\+ ० । ० ।
१ ३ ५ ७ ९
गिड़ गिड़ धुन गिड़ गिड़ धुन गिड़ गिड़ गणपति गजतन मगल वत् वत् थेई थेई जै
। + ० । ० ।
० ११ १ ३ ५ ७ ९
जगवदन दाता दानो धाधा नीधा धगेन धगेन धग धगहो धेन गेन विघन विनाशन काविर-
। + ० । ०
११ १ ३ ५ ७
किटतक धागेदिन धागेदिघेनकदिद्धा तिरकिट धेत्त धागेदिघेनक दिद्धा तिरकिटधेत् धागेदि
। । +
९ ११ १

सूचना—बोल, तिताला और एक ताला दोनों तालों में एक साथ बजाते हुए, हर एक आवर्त्ती के सम पर, धा, आता है।

ताल एक ताला

```
+              |                 |                         +
१    २ ३   ४  ५    ६    ७  ८ ९    १०    ११    १२  १   २
गदिगन धा तागेदिद्धा धाधा किड़धा नगदिद्धा तगेन्न धागदि गनधा ऽवि द्धाता गदिगन
      |                  |              +
३   ४   ५   ६    ७  ८   ९  ११   १२  १२   १  २   ३     ४
धातागे दिद्धा धाधा किड़धा तागेदिद्धा धित्ता तगेन्न धागदिगन तिद्धा ऽत्ता गदिगन  तगेन्न
|                !                 +i                      |
५ ६    ७     ८   ९ १०  ११   १२     १  २    ३    ४    ५  ६
धा तगेन्न  धागदि  गन तिद्धा  ऽवा गदिगन धागेता दिद्धा धाधा  किड़धा  तागेदि  द्धाधित्ता
           |                 +
७    ८    ९   १०  ११  १२    १
तगेन्न गदिगन धाधा तिद्धा ऽता गदिगन धा
```

पल्लू, ताल एक ताला

```
 +               |               |              +
 १  २   ३   ४   ५   ६   ७   ८   ९   १०   ११ १२  १   २  ३   ४
 धग ऽदि गता ऽधा दिग ऽना नाग ऽदि धाता ऽगदि ऽग धधा धग ऽदि गता ऽधा
|         |                +              |              |
५  ६  ७  ८  ९   १०   ११ १२ १  २  ३  ४  ५  ६  ७  ८  ९
दिग ऽना नाग ऽदि धाता ऽगदि ऽग धधा धग ऽदि गता ऽधा दिग ऽना नाग ऽदि धाता
        +
१०  ११ १२ १
ऽगदि ऽग ध  धा
```

सूचना—यह पल्लू बिना दम का पौनी लय, का और लोम विलोम का लोम विलोम अर्थात् आरम्भ से कहने पेर भी वही अक्षर होते हैं। और ठेके की अन्तिम मात्रा से

ताल एक ताला, टुकड़ा चक्कर दार सम से सम तक, चौगुन, की लय में बिना दम का

\+ |
१ २ ३ ४ ५
धाधिरधिरकिटतकधा धिरधिरकिटतकधा धिरधिरकिटतकधाकऽद्धा ताधा धाधिधिरकिट

६ ७ ८ | ९ १०
तक धाधिरधिरकिटतकधाधिरधिरकिटतकधाकऽद्धा ताधा धिरधिरकिटतकधा धिरधिरकिटतकधा

११ १२ + १
धिरधिरकिटतकधाकऽ द्धाता धा

ताल एक ताला पेशकार

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
१—धाऽ घेड़नग तकऽ तिरकिट धाऽ घेड़नग तित् तिरकिट धिरधिर घेड़नग दाना केड़नग

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
२—ताऽ घेड़नग कतऽ धिरकिट धाऽ घेड़नग तकऽ तिरकिट धिरधिर घेड़नग दीना घेड़नग

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
०—धाघेड़ नगधिर धिधिर घेड़नग दीना घेड़नग ताघेड़ नगधिर धिरधिर घेड़नग दीना घेड़नग

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
४—ताऽ घेड़नग तकऽ धिरकिट धाऽ घेड़नग दीना घेड़नग धिरधिर घेड़नग दीना घेड़नग

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
५—ऽघेड़ नगता ऽघेड़ नगधा ऽघेड़ नगदीनाघेड़ नगधिर धिरघेड़ नगघेड़ नगधा ऽघेड़

| |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
६—नगता ऽघेड़ नगदी नाघेड़ नगधिर धिरघेड़ नगधा ऽघेड़ नगता ऽघेड़ नगधा ऽघेड़

| | -|
१ २ ३ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

७—नग धिरधिरदी नाघेड़ नगवा ऽघेड़ नगघा ऽघेड़ नगघेड़ नगवा ऽघेड़ नगधिर धिरघेड़

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

८—नगदी नाघेड़ नगदी नाघेड़ नगधिर धिरघेड़ नगदी नाघड़ नगदी नादी नाघेड़ नग

ताल झपताले को उठान

| ० | + | ० |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

तित् तां ऽ तिट केने तिट किट नागे किक् किक् केन घेन नाति टता किट ताघेन धा

\+ | ० | +
१० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

ऽघेन धा ऽघेन धा ऽघेन धा घेनधा ऽघेन धा ऽघेनधा घेनधाघेनधा

बोल ताल झपताला

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २

धगतिट कतधिन ऽतरा ऽनधा दिन्ता कत् ऽधा दिन्ता ऽधा दिन्ता किड़धा दिन्ता

| ० | + | ०
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७

दिंगन दिगादन ताधा ऽद्धा दिन्ता किड़नग त्रकधेत् ऽद्धा ऽदिन ऽन्ता धा ऽकत् ता ऽधा ऽदीं

| + ० | +
८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

ऽधा धा ऽकत् ता ऽधा ऽदीं ऽधा धा ऽकत् ता ऽधा ऽदीं ऽधा धा

जोड़

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३

नगकिट तकधिन ऽनड़ा ऽन्ता थुंगा कत् ऽता थुंगा ऽत्ता थुंगा कत्ता थुंगा गदिगन

० | + | ० |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

नगदित धाता ऽधा किड़धा किटतक किड़धेत् ऽत्ता ऽक ऽत्ता धा ऽथुं गा ऽता ऽथुन् ऽता धा

\+ | ० ` | +
१० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
ऽधुं गा ऽवा ऽधुन ऽवा धा ऽधु गा ऽवा ऽधुन ऽन्‌ता धा

बोल आड़ी लय का ताल झपताला

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
तककि टकिट दिक्‌कि टकिट तकिट थुकिट कतग दीगन नगेन तकिट कतिट धान

| ० | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
ताधा ऽकिट कातिरकिट धीकिट तगेन(दूनकी लय) कतघेघेतिट दिंगनकृत तधाधानधा तधाधा

| ० |
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८
नधा तधाधानधा कतघेघेतिट दिंगनकततधा धानधातधाधा ऽनधातधाधान धाऽक्‌तघेघे तिटदिंग

\+
९ १० १
नकत तधाधानधातधाधान धातधाधान धा

जोड़ा आड़ी लय

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
कतति टतिट थुकि टकिट कतिट नातिट गेनति टकिट धगेन नगेन कतिट नाऽन

| ० |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धाता ऽतिट नातिरकिट कतिट तातिट *(दून की लय)* तकधिधिकिट घेड़नगस्त कताधानधा

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
कताधानधा क्‌ताधानधा ऽतकधिधिकिट घेड़नगक्‌तकता धानधाकताधा ऽनधाकताधान धाऽत

| +
८ ९ १० १
कधिधिकिट घेड़नगस्तकताधान धाकताधान धाकताधान धा

जोड़ा

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
धाकिटधा नकिड़ताकत् गिन्नाकवि कवानधा गेदिन्ताकत तादिन्तादिन् ताकततातिन् कतिटर

\+ | ०
९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७
नक्टिकत ताकधाकत् ताकताकत् ताकधाकि टकतान कत्ताकधा कत्ताकधा, कत्ताकधा किटकत

| +
८ ९ १० १
नकत्ताक धाकत्ताक धाकत्ताक धा

ताल, झपताला, बोल, शिखर्णी छन्दका

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
कतिटधा किटनागे ताज किटधिट धाक तिटतिट केनेनागे तितक धिटधिट घेनेनागे धित

| ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
कतिटता ऽधात धातधा ऽकतिट ताधा तधात धाकति टताधा ऽतधात धा

जोड़ा

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
धकिटधातिटतागे ताक तिटतिट धागे नागेधागे तेनगेन ताक तागेनाग धेनगेन धा धेतिटधा

| ० | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
ऽधाग धागधा ऽधेतिट धाधा ऽगधा गधाधे तिटधा ऽधाग धा

गत, बेढब, गति, की ताल झपताला

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
तागेनत गेनधग नधगेन किटनातिरकिट तिरकिटतक् तिनऽ तिटतातिरकिट धिरकिटतक

+ | ० |
९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
धिनऽ किटधुन ऽकऽते टेता धाऽकि टताटिट ताऽधि टताधिट धाऽ गेनेनागे नताकेते

+ | ० |
१० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
धेनेनाग धित्तागेधे, किटतति टताऽकि टताधा ऽकिट ताटिटता ऽकिटता धाऽ किटताति

+ | ० | +
१० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १
टताऽकि टताधा ऽकि टताधा ऽकि टताधा ऽकि टताधा ऽकिटता धा-किटता धा

जोड़ा

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
नगेनन गेनदिगे नदिगेन केनेनति टताटिट ताऽ तेनेताटिट नाटिट धाऽ किटता ऽकऽते टेता

| ० | + |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३
धाऽकि टताकिट ताधि टताटिट धाऽ केनेनागे नागेदिन तेनेधागे नागेविन, तिटधाति केनाऽति

० | + |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५
टताधा ऽविट धातिकेना ऽविटता धाऽ तिटधाति केनाऽति टताधा ऽति टताधा ऽति टताधा

० | +
६ ७ ८ ९ १० १
ऽति टताधा ऽतिटता धातिटता धातिटता धा

बोल, एक ताला, झपताला, तिताला, और सवारी, १५ मात्रा की

सूचना, इन चारों ताल मे बजाया जाता है, और हर एक ताल की हर एक आवर्ती के सम पर धा आता रहता है।

ताल झपताला

+ | ० | + | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
धा तक धा ता नग दिग तक ता धा कत धा किट धा गेन ता धा धा तक गेदि गन धा

| ० | | ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
किट तागे तिट धा गेन धा ता धा घेघे घा धा धा किट तगे नग धा किट तक कत धा

| ० | + | ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
गे धा गेन घा घा ता धा धा गेन धा नाकि टता कत गदि गन धा धा धा गेत धा किड़

| ० | + | ० | | |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३
ता धा धा कत घेन धा गेन तिट धा किट धा तिन् धा धा घा धा गेन धा धा ता दिन्

० | + | ० | + |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३
थुन धा तिट गेन घा धा न धा तिन धा तिट गेन घा धा दिन् दिन् तिट धा तेन गेन

० | + | ० | |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
धा धा घेन धा तेन धा तिट धा धा धा धा घेन तिट गेन ताके नाके गेन धा

गत, पजाबी, ताल झपताला, छन्द चम्पक माला वा, कहर, वा का

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
कतकधि ननतक तकतधि ननधा थुनतिरकिटतक् तकतिर किटतक ताऽ घेऽ धिटधिट

+ | ० | + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३
थुनथुन तकधिलांऽगनग घेन् ता गेदी नटधिन् वरान् धिन्ते ऽ ट्टे धिरधिर किटतककतकिटधा

० | +
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
धिरधिर किटतकतकिटधाधिरधिर किटतकतकिटधा, कतकधि ननतक तकतधि ननधा थुनतिर-

| ० | + |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४
किटतक तकतिर किटतक ताऽ घेऽ धिटधिट थुनथुन तकधिलांऽगनग घेन् ता गेदी नटधिन्

| | |
५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३
वरान् धिन्ते ऽ ट्टे धिरधिर किटतकतकिट धाधिरधिर किटतकतकिटधाधिरधिर किटतकतकिट

o | + |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५
धा, कतरधि ननतक तकधि ननधा थुनतिरकिटतक तकविर किटतकताऽ घेऽ धिटधिट थुन
o | + | o
६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७
थुन तकधिलांऽगनग घेत् ता गेदी नटधिन् तरान् धिन्ते ऽ ट्टूँधिरधिर किटतकतकिटधाधिरधिर
| +
८ ९ १० १
किटतकतकिटधाधिरधिर किटतकुतकिट धा तिताले में भी सम से सम तक आती है।

बोल ताल झपताला छन्द घनाक्षरी

+ o | + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५
कत कत कति टक तागे तिट कत कातिर किटतक तागे तिट कत कति टता किटतक
| + | o
६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६
तिरकिट तातिर किटता किटतक तिरकिट तकतिर किटतक कातिर किटतक तातिर किटतक
| + |
७ ८ ९ १० १ २ ३
तागे तिट कातिरकिटतकुतागे तिटघेनिटधा कत्तकिटधाक तिटधाकतिटधा घेतिटधाकत्कतिट
o | +
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
धाकतिटधाकतिटधा घेतिटधाकत् कतिटधाकतिटधाकतिटधाघेतिटधाकत्कतिटधाकतिटधाकतिटधा

बोल पल्लू का बिना दम का ताल झपताला

+ | o + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४
धाधा धाध तक थुंगा धग दिग ताधा दिन्ता घेता किड्धा तक्का थुंगा तकिटत काविट
o | + | o
५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६
कतगदि गनधा तिद्धा तकिटैत कातिट कतगदि गनधा तिद्धा तकिटत कातिट कतगदि गनधा
७
तिद्धा+ २ बार और कहने से तिताल और झपताल दोनों में सम पर आता है।

ताल, झपताला। पेशकार छन्द चम्पक माला वा कहर वा

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१—घेने कघे नेक धीना तेट्टे घेना दिन्ना गिन्ना तूना कऽत्

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
२—तेने कते नक धीना तेट्टे घेना दिन्ना गिन्ना तूना कऽत

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
३—घेने कधी नाते ट्टेघे नादि न्नागिन्नातू नाक ऽतूघे नेक

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
४—तेने कधी नाते ट्टेघे नागि न्नादि न्नातू नाक ऽतूघे नेक

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
५—घेने कघे नाक दिन्ना गिन्ना तेट्टे घेना धीना तूना कऽत्

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
६—तेने कते नेक गिन्ना दिन्ना तेट्टे घेना धीना तूना कऽत

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
७—घेने कदि न्नागि न्नाते ट्टेघे नाधी नातू नाक ऽतूघे नेक

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
८—तेने कगिन्नादि न्नाते ट्टेधी नागे नातू नाक ऽतघे नेक

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
९—घेने कते ट्टेघे नादि न्नागि न्नाधी नातू नाक ऽतूघे नेक

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१०—तेने कघे नाते ट्टेगि न्नादि न्नाधी नातू नाक ऽतूघे नेक

ताल झपताला के ठेके कई प्रकार

\+ | ० | + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५
१—धी ना धि धी ना तिरकिट नातिर किटधिन ऽधि नाधि धी ना तिरकिट नातिर किटतु

० |
६ ७ ८ ९ १०
नाक ताधि धिन् ऽन्धि ऽधिन्धि

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
२– धी नातु नाके टेतिर किटधिन् ऽन्धी ऽधिन् ऽन्धी ऽधिन् धी

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
३—धी नातिर नातिर किटधिन् ऽधि नाधिन् ऽधि नाधिन् ऽधि ना

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
४—धिना तेटे नातिर किटता ऽतिर किटधिन् नाते टेता ऽधिन् ऽन्ता

\+ | | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
५—ताधिन् धिन्ता ऽता धिन्धिन् ऽत्ता ताधिन् धिन्ता ऽता धिन्धिन् ऽन्ता

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
६—धिधि ना तिरकि टतु नाक ऽत्ता धिनति रकिट ऽधि ना

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
७—कधि ऽट ऽधि टधा ऽग ऽति ट ऽधि टधा ऽ

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
८—धीना ऽधि धी नाती ऽना ऽधि धीना ऽधि धिन ऽधि

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
९—धाधिन् ऽधिन् धाधा ऽधिन् धिनधा ऽधा तिन्तिन् ऽत्ता धाधिन् ऽधिन् (ड्योढ़ी लय)

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१०—धिन्धी नातेटे केनेते टेनातिर ऽकिटतिनटे टेगेनेना तेटेनागे नतेटेना गेनताकिट ऽता
(१¼ लय)

ताल धमार की उठान्

० | ० | ० | ०
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४
केनेति ता तिट घेन ऽति टता गेन तिट नाति टता केने किटकत् ताधा ऽक त्ताधा

| ० ० +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
ऽकत् ताधा ऽकत् ताधाकत् ताधा कत् ताधा कत्ता धा कत्ता धा ऽकत्ताधा

[परमलु] ताल धमार

+ ० | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
तिटकत गदिगन धा थु ऽगा कतिटन गेनधुम किटतक कुधान दिगतागे तिटकत गदिगन

० + ० | •
१२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
धिलांग तकधिलां ऽगधु' किटतक गदिगन दिगदिग धेत्ता ढ़ाधि ऽतरा ऽनक्त गदिगन धिलांग

| ० + ० | ०
१० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
तकधुंगा दिगतागे तिटकत गदिगन धादि ऽनता ऽक ऽत्ताधा ऽ धिलांग तकधुंगा दिगतागे

| ० + ० | ०
११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
तिटकत गदिगन धादि ऽनता ऽक ऽत्ता धा ऽ धिलांग तकधुंगा दिगतागे तिटकत गदिगन

| ० +
११ १२ १३ १४ १
धादि ऽनता ऽक ऽता धा

जोड़ा

+ ० | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
किटतक तिटकत कतिटता ऽनथुं तकिटधा ऽनतिट किटतक घेतान गेदिनता किटतक

| ० + ० | ०
११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
तिटकिट घेनान तिटघेना ऽन्कत् तिटकत गदिगन तेनतेन तिन्ना ड़ाधे ऽत्ता ऽनतिट तिटकत

| ० + ० | ०
९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
घेतान किटतक ता दिगनागे तिटकत किटतक धाक ऽत्ता ऽ धाऽन धा ऽ घेतान किटतक

| ० + ० | ०
९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
ता दिगनागे तिटकत किटतक धाक ऽत्ता ऽधा ऽन धा ऽ घेतान किटतक ता दिगनागे किट

| ० +
१० ११ १२ १३ १४ १
तक किटतक धाक ऽत्ता ऽधा ऽन धा

बोल ताल धमार

+ ० | ० ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १ २
धेत् धेत् तिरकिट धेत् तिट तिट धिट धिट कत धिन् नड़ा ऽन कत धिट तिट कड़ा

० | ० | ० + ० |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
ऽन कड़ा ऽन कड़ा ऽन धा तिट कत धिट तिट कड़ा ऽन कडा ऽन कड़ा ऽन धा कत धिट

० | ० +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
तिट कड़ा ऽन कड़ा ऽन कड़ा ऽन धा

बोल धमार और झपताल। ताल का

सूचना—यह बोल दोनों तालों में बजाया जाता है और दोनों ताल की हर आवर्ती के सम पर बार बार धा आता रहता है।

\+ ० | ० | ० + ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४
धा धेत् धिट तिट घेघे तिट कत तिट गदि गन धा कत घेन कत धा कत घड़ा ऽन

| ० + ० | ०
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
कड़ा ऽन धा दिग दिग तिट कड़ा ऽन तिट तिट धा कत धा दिग तागे तिट किट कत तक

| ० + ० | ० | ०
१० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धिन नड़ा ऽन धा घेन धा नागे नता किट तक कति टत गेन धा तिट तिट घेन तिट गेन

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
धा कत तिट कत धा दिग नरा ऽन तिट तरा ऽन तिट कत गेन धा

लय के प्रबन्ध का बोल ताल धमार

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
(गेदी कत गदीगन) (तिरकिटतकता किटतकतिरकिट) (धड़न्ना ऽनधा) (धकिटतकधिरकिट

| ० +
१० ११ १२ १३ १४ १
तकदिग तागेगेदिन्नकिट घेतानधा) (धानधातिट कतिटनातिट) (दिगनन गतिरकिट

० |
२ ३ ४ ५ ६ ७
तकतकिट) (धातेटेता नातेटेधा ऽकिटतकधा) (किटधागेकतिटधादिन्ना किड़धाकेनादिन्नाकदि)

० | ० +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
(किट ऽकि ऽट ऽकि) (तिटक तकति टतग धा)

सूचना—इस बोल में क्रमश बराबर, दून, कहरवा, चौगुन, आडी, डेढ़ी, मड़ीआ, तिगुन पौनी और सवाई लय का बर्ताव अलग अलग ब्रेकेट में बन्द करके किया है।

बोल ताल धमार

+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धे द्धे धिरकिट द्धे घिघिर किटतक तगतिर किटतक धागे नव किट तक तगे नन

+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
घिघिर किटतक धा घिघिर किटतक धा घिघिर किटतक धा कत घिघिर किटतक धा घिघिर

+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
किटतक धा घिघिर किटतक धा कत घिघिर किटतक धा घिघिर किटतक धा घिघिर किटतक घ

बोल ताल धमार

+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १ २
क टेटे घेघे विट घेघे नाना किटतक कति टधा ऽन कति टता किटतक धाति धा कुधा

० | ० | ० +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
ऽन कति टता किटतक धाति धा कुधा ऽन कति टता किटतक धाति धा

बोल, ताल; धमार

+ ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धगतिट धगतिर किटतक तकिटक ऽत्तगेदि घेन तागेनत गेनधिन धाधिन धातिरकिट

| ० + ० |
११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
धातेटे तकदिन तकदिन तकदिन कतिटत गेनकिट नकतिग नगनग नगतिर किटतक तकिटधिन

० | ० +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
ऽधिन् धिन्धा धाधिन नेगेन्ना ऽड्तिरकिट तकधिरधिरकिट धाध धा

चक्करदार टुकड़ा आड़ी लय का ताल धमार

+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
तक्क धिकिट धिकिट तगेन नक्कि टतक धा कड़ान धा कत धगतिट ग्ड़ान् धा धग

+ ०
१ २ ३ ४ ५
तिट (घ्ड़ान धा धगतिट ग्ड़ान धा)

जोड़ा

+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
कतत कतिट तकिट कातिरकिट धीकि टतक धा तित धा घ्ड़ान् किटतक क ड़ा

+ ०
१४ १ २ ३ ४ ५
किटतक क ड़ा किटतक क धा

सूचना—ऊपर लिखे दोनों बोल पूरा अथवा ब्रेकेट में बन्द हिस्सा तीबार और कहने से सम पर आते हैं।

टुकड़ा ताल धमार ४ मात्रा से आरम्भ

० | ० |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
धिकिटता गदिगन नगनग तिरकिटतकता किटतकगदिगन धादीं ई कताक ताक

० + ० | ०
१३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
ताधागदिगन धाग्ड़ान धाधुलें कतक्धा ऽनधानि कद्रा ऽदीं ऽकत्ता धाधाति कद्रा ऽदीं ऽकत्ता

| ० +
११ १२ १३ १४ १
धाधाति कद्रा ऽदीं ऽकत्ता धा

टुकड़ा ताल धमार

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
किटतक गदिगन धास्ता ऽन्धा ऽक ऽत्ता धा ऽता ऽन धा ऽता ऽधा ऽत धा तधा

० | ० ० | ० +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
नधा ऽधा नधा ऽता नधा ऽता किटतक गदिगन धाकिट तकगदि गनधा किटतक गदिगनधा

टुकड़ा ताल धमार

\+ ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
तिन्ता केर्कटि तिटता किटतक तिरकिटतकति त्ताकिटतकता तिरकिटतक कतिटतगेन

| ० +
९ १० ११ १२ १३ १४ १
ताग तिटकृतगदिगन धाकतिटत गेनतागेतिटकत गदिगनधा कतिटतगेनतागे तिटकतगदिगनधा

टुकड़ा ताल धमार

+(डेढ़ी लय) (आड़ी लय)० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
किड़ताताकिड़ तीकड़ान धाकिटतक धुमकिटतक घेघेनुतान धाघेघेत् तानधा तानधा

| (डेढ़ी लय) ० + ०
९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५
धानधा तकिटधा घेघेनगघेघे दींदींकिटकिट किड़तानतान ताऽ किड़धाधान धाऽ किड़धाधान धा

| ० | ० +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
ऽ किड़धाधान धाऽ किड़धाधान धाताधा धाकिड़धाधा ऽनधाताधा धाकिड़धाधा नधाताधा धा

जोड़ा

+(ढेड़ी लय)　　(आड़ी लय०)　　|　　०
१　२　३　४　५　६　७　८
घेघेदांक्षांदां गेदिनतान धाकिटतक दिगतिटकत किड़द्धेधान घाकिड़घे द्धानधा धान-

|　(ढेड़ी लय)　०　+　०
९　१०　११　१२　१३　१४　१　२　३　४
ानधा कतिटधा किटतकतिट किटकिटकिटकिट कतुतिरकिट ता कतुतिटकिट धा ऽ कत्तिट-

|　०　|　०　+
५　६　७　८　९　१०　११　१२　१३　१४　१
किट धा ऽ कत्तिटकिट धाऽ कत्तिटकिट धाताधाधा कत्तिटकिट धाताधाधा कत्तिटकिट धाताधाधा

टुकड़ा ताल धमार

+　०　|　०
१　२　३　४　५　६　७　८　९
दिन्दिन् तिटतिट नागेतिट घेनेतिट घेतिरकिटतक धातिट कत घेघेनाना घेतिरकिटतक

|　०　+
१०　११　१२　१३　१४　१
धाघेघें नानाघेतिर किटतकधा घेघेनाना घेतिरकिटतक धा

टुकड़ा ताल धमार

+　०　|　०
१　२　३　४　५　६　७　८　९
घेनेनाना धिन्तिरकिटतक धुतक ऽतदिन् ऽताऽ किटतकधाति धाता ऽधात धाकिटतकधा

|　०　+
१०　११　१२　१३　१४　१
तिधाता ऽधात धाकिटतकधा तिधाता ऽधात धा

टुकड़ा ताल धमार १० मात्रा से आरम्भ

\+ | ० + ०
१० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४
धिन्तरानकत् धादिन्ता ऽकता धा भिन्नड़ान्धा कदिन्ता ऽदिन्ता ऽदिन्ता ऽदिन्ता

| ० |
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
धाधिन्नड़ान्धा कदिन्ता ऽदिन्ता ऽदिन्ता ऽदिन्ता धाधिन्नड़ान्धा कदिन्ता ऽदिन्ता

० +
१३ १४ १
ऽदिनता ऽदिन्ता धा

ठेका, दीप चन्दी, वा होली का, पेशकारा, छन्द त्रीतीय भूलना वा आड़ी गति का

\+ ० | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
१-धिन्न धागेन धात्रेक धीना ऽ धागेन धात्रेक धीनाऽ धागेन धात्रेक धागेन धात्रेक

०
१३ १४
धिटऽ धातिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
२-तिन्न तागेन तात्रेक तीना ऽ तागेन तात्रेक तीनाऽ तागेन तात्रेक तागेन तात्रेक तिटऽ

१०
तातिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
३-धिन्न तागेन तीना ऽ धागेन तात्रेक धीनाऽ तागेन तात्रेक धात्रेक तात्रेक तिटधा तिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
४-तिन्न धागेन तात्रेक धीना ऽ तागेन धात्रेक तीनाऽ धागेन तात्रेक तागेन धात्रेक तिटधा तिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
५-धिन्न धागेन तात्रेक धीना ऽ तागेन धात्रेक तीनाऽ धागेन तात्रेक तागेन धात्रेक तिटधा तिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
६–तिन्न तागेन धात्रेक तीना ऽ धागेन तात्रेक धीनाऽ तागेन धात्रेक धागेन तात्रेक धिटऽ धाति

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
७–धिन्न तात्रेक धागेन तीना ऽ धागेन तात्रेक धीनाऽ तागेन धात्रेक धागेन तात्रेक धिटऽ ताविन्न

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
८–तिन्न धात्रेक तागेन धीना ऽ तागेन धात्रेक तीनाऽ धागेन तात्रेक धागेन धात्रेक तिटऽ धातिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
९–धिन्न तीनाऽ धागेन तात्रेक तीना ऽ तागेन धात्रेक धागेन तात्रेक धागेन धात्रेक तिटधा तिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१०–तिन्न धीनाऽ तागेन धात्रेक तीना ऽ धागेन धात्रेक तागेन धात्रेक तागेन धात्रेक धिटता तिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
११–धिन्न धीनाऽ तीनाऽधात्रेक ऽ तागेन तात्रेक धागेन तागेन धात्रेक धागेन तागेन तिटऽ ताति न

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१२–तिन्न तीनाऽ धीनाऽ तात्रेक ऽ धागेन धात्रेक तागेन धागेन तात्रेक तागेन धागेन धिटऽधातिन्ना

ताल, धमार, की तिहाइयाँ हर एक मात्रा से सम तक की

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
१–तिट कत गदि गन धा तिट कत गदि गन धा तिट कत गदि गन धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
२– कत किट नगे नता धाक तकि टत गेन ताधा कत किट तगे नता धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
३–ऽ। तिट कत धाक द्धा ऽति टक तधा कद्धा ऽ तिट कत धाक द्धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
४– किटतक धा तिद्धा किटतक धा ति द्धा किटतक धा ति द्धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
५– कद्धा ऽता ऽन धा कद्धा ता नधा कद्धा ऽता ऽन धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
६– तिटस्त किटतक धाकधा ऽतिटक तकिटत कधाक धातिट कतकिट तकधाकधा

\+ ० | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
७– किटतकनगतित् धाक्ड़ानधा कद्धाकिट तकनगतित्धा क्ड़ानधाक द्धाकिट-

० +
१३ १४ १
तक नगतित्धा क्ड़ानधाक धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
८– तिटकत किटतकधा ऽतिट कतकिटतक धा ऽतिट कतकिटतक धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
९– किटतकधा कधा ऽकिटतक धाकधा ऽकिट तकधाक धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
१०– तिरकिटधा तद्धा तिरकिटधात द्धा तिरकिटधात धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
११– कतधा ऽकत् धा ऽकत् धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
१२– किटतकधा ऽकिटतक धाकिटतक धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
१३— क्डितकधाकिट तकधाकिटतक धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
१४— धाधा धा

मात्रा और मात्रा अर्धांशं की तिहाइयों का विवेचन

तिहाई पूरी (१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
१५ मात्रा (तिट कत गदि गन धा तिट कत गदि गन धा तिट कत गदि गन धा ।

नीचे की तिहाइयों में धा, के साथ जो चिन्ह है, वह आधी, मात्रा का माना गया है।

तिहाई पूरी (१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
१५॥ मात्रा (तिट कत गदि गन धा[] तिट कत गदि गन धा[] तिट कत गदि गन धा[]

तिहाई पूरी (१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
९ मात्रा (तिटकत गदिगन धा[] तिटकत गदिगन धा[] तिटकत गदिगन धा

तिहाई पूरा (१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
९॥ मात्रा (तिटकत गदिगन धा[] तिटकत गदिगन धा[] तिटकत गदिगन धा[]

तिहाई पूरी (१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
८॥ मात्रा (तिटकत गदिगन धा[] तिट कतगदि गनधा[] तिटकत गदिगन धा[]

नीचे की तिहाइयों में जो धा, के साथ चिन्ह है वह चौथाई मात्रा का माना गया है।

तिहाई पूरी (१ २ ३ ४ ५ ६ ७
७। मात्रा (तिटकत गदिगन धा ◡ तिटकत गदिगन धा ◡ तिटकत गदिगन धा ◡

तिहाई पूरी (१ २ ३ ४ ५ ६ ७
७॥ मात्रा (तिटकत गदिगन धा ◡ तिटकत गदिगन धा ◡ तिटकत गदिगन धा ◡ ◡

तिहाई पूरी (१ २ ३ ४ ५ ६ ७
७॥। मात्रा (तिटकत गदिगन धा ◡ तिटकत गदिगन धा ◡ तिटकत गदिगन धा ◡ ◡

सूचना—ताल अध्याय में बराबर मात्रा के लय, की गति मानते हुए, १-३-५- इत्यादि, अथवा २-४-८ इत्यादि मात्रा को लेते हुए तिहाई के तीन हिस्से (चरण) बराबर के हो सकते हैं, किन्तु मात्रा के लय की गति डबल (दूनी) मानते हुए, तिहाई के तीन हिस्से बराबर के, जबतक आधी मात्रा न मिलाई जाय तबतक कदापि नहीं हो सकते यों ताल अध्याय मे तिहाई के तीन हिस्से बराबर के न होते हुए भी विशेष विद्वत्ता मानी जाती है। ताल अध्याय मे १ मात्रा की ४० अंश तक माना गया है जिसमे आज कल के प्रसिद्ध विद्वानो मे क्वचित लोग १६-३२ अश तक की क्रिया करते हैं।

ताल धमार की दून, तिगुन चौगुन

दून

```
+           ०       |        ०        |        ०
१   २   ३   ४   ५   ६   ७   ८   ९   १०  ११  १२  १३  १४
कधि टधि टधा ऽग तिट तिट ताऽ कधि टधि टधा ऽग तिट तिट ताऽ
```

तिगुन

```
+                    ०           |              ०               |
१      २      ३      ४      ५      ६      ७      ८      ९      १०     ११     १२
कधिट  धिटधा  ऽगति  टतिट  ताऽक  धिटधि  टधाऽ  गतिऽ  तिटता  ऽकधि  टधिट  धाऽग
०
१३     १४
तिटति  टताऽ
```

चौगुन

```
+                          ०                    |                   ०
१          २          ३          ४          ५          ६          ७          ८          ९          १०
कधिटधि-टधाऽग तिटतिट ताऽकधि टधिटधा ऽगतिट तिटताऽ कधिटधि टधाऽग तिटतिट
|          ०
११         १२         १३         १४
ताऽकधि टधिटधा ऽगतिट तिटताऽ
```

दादरा के बोल

\+ ० + ० + ० + ०
१—धाकिटधिनन द्रग द्रग द्रग तकिटथुकिट दननननन नेदिनतान धागेदिन तानधा गेदिनतान

\+ ० + ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ १ २ ३ ४ ५ ६ १
२—थुगिन थुगिन तकिट तकिट। धातिट किटधा तिट कत गदि गन। धा

\+ ० + ०
१ २ ३ ४ ५ ६ १ २ ३ ४ ५ ६
३—धेत् धिट धिट कत गदि गन। धातिट किटधा तिट कत गदि गन।

\+ ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ १ २ ३ ४ ५ ६
४—कत् तिट तिट कत गदि गन। धातिट किटधा तिट कत गदि गन। धा

लग्गी दादरा

\+ ० + ०
धागेन धातृक। धागे धिन धिन॥ तगेन तातृक। धागे धिन धिन॥

ताल सीर व झम्पा मात्रा ५

१	२	३	४	५
धा	दिन	ता	तिट	कत

ताल झम्पा ९ मात्रा

१	२	३	४	५	६	७	८	९
धा	ता	किट	तक	गदि	गन	ता	कि	तक

ताल झम्पा ११ मात्रा

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
धा	ऽ	दिन	ता	ऽ	तिट	धा	ऽ	तिट	कत	गदि

शुद्ध–अशुद्ध

पेज	लाइन	अशुद्ध	शुद्ध
६	८	चनौ	पनै
,,	१०	प्लुत	प्लुते
,,	१९	पद	पाद
८	१	मध्य	×
,,	१२	की	×
,,	२०	निल्ब	विलम्ब
९	१०	ऽ । ११	ऽ । ११
,,	१३	तग	ता
१३	७	युक्तारचैन्त	युक्ताश्चैता
१४	२	नाशान्भि	नाशाभि
,,	१०	न	ना
,,	,,	प	पु
,,	,,	ते	तं
१६	३	द्विवीयं	द्वितिय
,,	७	भूलना	भूलला
१७	६	वर्णा	वर्णो.
,,	१५		संव
,,	१७	। १३	। १३
,,	२१	रूप	सुक्ष्म रूप
२४	१५	प्रस्वर	प्रस्वार
,,	२०	६ ता । २१	। ६ ता २१
२५	३	तिट	तिट
२५	५	। ११ तिट	। २० ता
२६	१०	४ विद	। ४ विट

पेज	लाइन	अशुद्ध	शुद्ध
२८	६	१२ तक	। १२ तक
,,	८	५ तिट	। ९ विट
,,	१२	६ ता	६ ता
३२	१७	धतगे	धेत्तगे
,,	,,	कृतव	कृतक्
३३	७	६ धि	७ धि
३४	२०	११ धागिन	२१ धागिन
३९	१९	परिणाम	परिमा
४६	१	दिन	दिन्
४९	४	। १३ तगेन	। १२ धा
४९	६	। धा	+ धा
,,	,,	तान वादिल्	० तान
,,	७	+	+ धा
५०	५	१ न	+ १ धा
,,	७	+ १ धुं	+ १ ऽ
,,	७	३ फ	३ ऽ
,,	८	११ ऽ तकें	११ ऽ

पेज	लाइन	अशुद्ध	शुद्ध
,,	,,	१५ ऽ तूके	१५ ऽ तूके
५१	४	१४ ऽ क	१४ ऽ क
,,	७	१६ धा कु	१६ धा कु
५४	११	१२ किड़धेत्त	१२ किड़धेत्
,,	,,	नगधेत	नगधेत्
५७	१	१० न धा |	१० न-धा |
,,	,,	१३ घेड़	१३ घेड
,,	,,	१४ नग	१४ नग
,,	,,	१५ तूना	१५ तूना
,,	,,	१६ कत्ता	१६ कत्ता |
,,	४	५ कत	५ कत
,,	,,	१६ कत्ता	१६ कत्ता
५८	१	१० तरा	१० तरा
,,	,,	१६ ऽ ना	१६ ऽ ना
,,	१०	१६ ऽधिरकिटतक	१६ ऽधिरकिटतक
७०	५	११ गेदा	११ गेदा
,,	,,	१० ऽ न	१० ऽ न
		१४	

पेज	लाइन	अशुद्ध	शुद्ध
,,	,,	१६ ऽ न	१६ ऽ न
७२ ७३		धुन	धुन
७४	८	+ घेड़	+ घेड़
७५	१	+ १ धेड़	+ १ घेड़
,,	३	१५ ऽ क	१५ ऽ क
	८	१६ ऽ कड़ान	१६ ऽ कड़ान्
७८	१३	कि	×
८५	२	५ किड़ता	५ किड़ताबा
,,	८	गतिकी	गतिका
९०	८	९ ऽ तू	९ ऽ न
,,	९	९ ऽ तू	९ ऽ त
९१	१ -	'	ठेके के
९४	१	३ कत	३ घडा
,,	८		४ नातेटेघा
९६	३	७ ३ ४ ५ (घ्डान धा धगतिट घ्डान धा)	
शुद्ध	,,	,,	१ २ ३ ४ ५ (घ्डानधा धगतिट घ्डान् धा)
,,	११	धाधाति	धाधाति
१०२	१३	७ धा‿	७ धा‿‿
१०३	७	लोन	लोग
,,	१२	गतिऽ	गतिट